राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 राजस्थान विधानसभा मे यूसीसी विधेयक पेश....

लुसाने डायमंड लीगः नीरज चोपडा 9 से टीमीटर.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 120 | नई दिल्ली, रविवार, 23 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 37.0°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	90%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,50,840

चांदी 2,45,000

सेंसेक्स 78,542.44

निफ्टी 24,583.80

संक्षिप्त खबरें

एक सत्र में बिल लाने-पास कराने का ट्रेंड बढ़ा

नई दिल्ली। संसद में अब तक पेश किए गए आधे से ज्यादा बिल उसी सत्र के दौरान दोनों सदनों से पास हो गए। यह डेटा ढफ्र लेजिस्लेटिव रिसर्च ने जारी किया है। संस्था के सेशनवाइज डेटा के मुताबिक पिछले एक साल में बिल पेश करने और उन्हें पास कराने का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है। ढफ्र के सेशनवाइज डेटा के एनालिसिस के अनुसार 18वीं लोकसभा के गठन के बाद से पेश किए गए 64 बिलों में से 34 (यानी 53%) उसी सत्र में दोनों सदनों से पास हो गए, जिसमें उन्हें पेश किया गया था। 16वीं लोकसभा में 189 में से 63 बिल यानी 33% उसी सत्र में पास हुए थे। 17वीं लोकसभा में यह आंकड़ा करीब दोगुना होकर 62% हो गया था। उस दौरान पेश किए गए 190 बिलों में से 117 उसी सत्र में पास हुए थे। डेटा तैयार करने वाली संस्था ढफ्र संसद और राज्य विधानसभाओं के कामकाज पर रिसर्च और निगरानी करने वाला स्वतंत्र, गैर-लाभकारी संगठन है। 18वीं लोकसभा के सत्रों में बिल पास होने का आंकड़ा ढफ्र के रिकॉर्ड के मुताबिक, 18वीं लोकसभा की शुरूआत में उसी सत्र में बिल पास होने की रफ्तार कम थी। इसके मुताबिक बजट सत्र में पेश किए गए 10 में से 5 बिल दोनों सदनों से उसी सत्र में पास हुए। 13 अगस्त को खत्म हुए मानसून सत्र में यह ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखा। इस सत्र में पेश 12 में से 11 बिल सत्र खत्म होने से पहले पास हो गए। एकमात्र लंबित बिल इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट बिल, 2026 है। मानसून सत्र में सरकार के मूल एजेंडे में 5 नए बिल थे हाल ही खत्म हुए मानसून सत्र के लिए सरकार के मूल विधायी एजेंडे में 5 नए बिल पेश कर उन्हें पास कराने और 2 लंबित बिलों पर विचार कर उन्हें पास कराने की योजना थी। हालांकि, संसद से पास हुए 11 बिलों में से 6 मूल एजेंडे में पेश करने के लिए शामिल नहीं थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वीआईटी में कार्बिड का किया उद्घाटन

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज तमिलनाडु में वेलूर स्थित वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) में 'सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च इन बैक्टीरियोफेज एंड इंफेक्शियस डिजीजेज' (कार्बिड) का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा आज अनुसंधान से समाधान और नवाचार से जनकल्याण की दिशा में नई ऊंचाइयां छू रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के सहयोग से स्थापित यह केंद्र संक्रामक रोगों के क्षेत्र में अत्याधुनिक शोध को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान स्वस्थ भारत के संकल्प को मजबूत करते हुए वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान में भारत की भूमिका को और सशक्त बनाएंगे। उल्लेखनीय है कि आईसीएमआर द्वारा फंड किए गए प्रतिष्ठित एक्स्ट्रा-म्यूरल सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च प्रोग्राम के तहत वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में डॉ एन रमेश ने कार्बिड की स्थापना की। कार्बिड जानलेवा बैक्टीरियल इन्फेक्शन से निपटने के लिए बैक्टीरियोफेज के आइसोलेशन, कैरेक्टराइजेशन और इलाज में उनके इस्तेमाल से जुड़ी अत्याधुनिक रिसर्च को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। खासकर एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (रोगाणुरोधी प्रतिरोध) के बढ़ते मामलों को देखते हुए। यह सेंटर संक्रामक रोगों के मैनेजमेंट में मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स, ट्रांसलेशनल रिसर्च और कंसल्टेंसी सर्विस पर सक्रिय रूप से काम करता है।

बेरोजगारी दूर करना पहला लक्ष्य

पीएम मोदी बोले- नीतियों में हो रहा बड़ा बदलाव

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार केवल नियमों में बदलाव नहीं कर रही, बल्कि नियमों से जुड़ी पूरी नीति बदल रही है। सुधारों को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक विकास की गति बनाए रखने और शासन व्यवस्था को सरल बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार लागू किए जा रहे हैं। दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, भारत में राजनीतिक स्थिरता और नीतियों में निरंतरता है। दुनिया आर्थिक विकास को लेकर कई चुनौतियों का सामना कर रही है और संसाधनों का इस्तेमाल दबाव बनाने के साधन के तौर पर किया जा रहा है। इसके बावजूद दुनिया भारत को विकास के एक उज्ज्वल केंद्र के रूप में देख रही है। प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों की नीतियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी व्यवस्था लोगों को अभाव में रखने वाली थी, जिससे उन्हें बुनियादी जरूरतों के लिए भी सरकार पर निर्भर रहना पड़ता था। मोदी ने कहा कि लाइसेंस राज ने बेरोजगारी की समस्या को बढ़ाया, जबकि उनकी सरकार नए अवसर पैदा करने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि कानून के तहत जिस काम पर स्पष्ट रोक नहीं है, उसके लिए अलग से अनुमति लेने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। शासन को आसान बनाने के साथ लोगों के जीवन में सहूलियत लाने के लिए नीतिगत स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में दुनिया के सामने मजबूत और नवोन्मेषी मॉडल पेश करने के लिए तैयार हो रहा है। मोदी ने यहां अंतरिक्ष गतिविधियों से जुड़ी 20 स्टार्टअप कंपनियों के सीईओ एवं संस्थापकों के साथ बातचीत में यह बात कही।इस दौरान उन्होंने युवा अंतरिक्ष उद्यमियों को सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए उनसे अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को कृषि, पशुधन प्रबंधन, डेयरी, पर्यावरण और आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़े अन्य क्षेत्रों तक ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, भारत सरकार भविष्य के लिए देश की क्षमताओं को विकसित करने में अंतरिक्ष स्टार्टअप के साथ खड़ी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रही कंपनियां अपने प्रौद्योगिकी का नए क्षेत्रों में इस्तेमाल पर विचार करें और इससे लोगों का जीवन आसान बनाने के तौर-तरीकों पर गौर करें।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नोएडा में डायग्नोस्टिक सेंटर का किया उद्घाटन

नोएडा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नोएडा के सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने सेक्टर-75 स्थित महाजन इमेजिंग एंड लैब्स के डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन किया। इससे पहले रक्षा मंत्री के नोएडा पहुंचने पर महाजन इमेजिंग एंड लैब्स की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर रितु महाजन और डायरेक्टर हर्ष महाजन ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान शिवानी वर्मा ने कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। रक्षा मंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। उनकी सुरक्षा में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए कुछ मार्गों पर रूट डायवर्जन भी किया गया। कार्यक्रम में सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जस्टिस करोल बोले- जज भगवान नहीं, हर फैसला सही नहीं

कहा- न्याय के लिए विनम्रता जरूरी, याचिकाकर्ता के पीछे खड़े इंसान को भी देखें

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल ने शनिवार को अपने विदाई भाषण में कहा कि जज भगवान नहीं होते। उनसे हर फैसला पूरी तरह सही होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। जस्टिस करोल ने कहा, ्हम जज कोई भगवान नहीं हैं। हम हर फैसला सही नहीं कर सकते। न्याय करने के लिए विनम्रता जरूरी है। जजों को हर मुकदमे में केवल याचिकाकर्ता नहीं, बल्कि उसके पीछे खड़े इंसान को भी देखना चाहिए।‍र जस्टिस करोल ने कहा कि संविधान जजों से केवल कानून को सही तरीके से लागू करने की उम्मीद नहीं करता। वह कानून को न्यायपूर्ण तरीके से लागू करने की भी मांग करता है। धर्म का मतलब अनुष्ठान नहीं, कर्तव्य बताया जस्टिस करोल ने संवैधानिकता और न्याय के अर्थ पर बात करते हुए कहा कि कानून, उचित प्रक्रिया और संवैधानिक वैधता जैसे विचारों को समझने का सबसे आसान तरीका धर्म है। उन्होंने साफ किया कि यहां धर्म का अर्थ किसी अनुष्ठान से नहीं, बल्कि कर्तव्य से है। उन्होंने कहा कि जज का कर्तव्य न्याय का सम्मान करना और यह सुनिश्चित करना है कि अदालत के सामने खड़ा हर व्यक्ति, चाहे वह कितना भी छोटा या कमजोर क्यों न हो, देखा और सुना जाए।

सिख परिवारों का राहुल के घर के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली। सिख नेताओं और 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के सदस्यों ने शनिवार को 5, सुनहरी बाग रोड स्थित राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतला भी फूंका। प्रदर्शनकारी सिख कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पार्टी नेता सज्जन कुमार को हीरो और आदर्श बताने वाले बयान से नाराज हैं। उन्होंने कहा- कांग्रेस को इस बयान को वापस लेकर माफी मांगनी चाहिए। सज्जन कुमार 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराए गए थे। दिल्ली की तिहाड़ जेल में गुरुवार को 80 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था।

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में नई राष्ट्रीय टीम की बैठक शुरू

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में आज राष्ट्रीय राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में एक अहम संगठनात्मक बैठक शुरू हो गई है। हाल ही में घोषित की गई 65 सदस्यों वाली नई राष्ट्रीय टीम के पदाधिकारियों और राज्य स्तर के वरिष्ठ नेताओं के साथ यह पहली औपचारिक बैठक है, जिसमें सभी सदस्यों का परिचय सत्र आयोजित किया गया है। Modi@25 अभियान और आगामी चुनाव बैठक के एजेंडे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देश भर में आयोजित होने वाले राष्ट्रव्यापी Modi@25 अभियान की रूपरेखा को अंतिम रूप देना शामिल है। इसके साथ ही, पार्टी आगामी चुनावों और अपनी लंबी अवधि की रणनीतियों को लेकर जमीनी नेटवर्क को मजबूत करने पर विशेष रूप से मंथन कर रही है। संगठनात्मक विस्तार और रूपरेखा सूत्रों के अनुसार, शाम के सत्र में होने वाली बैठकों में संगठन के विस्तार तथा केंद्रीय व राज्य इकाइयों के बीच आपसी तालमेल को बेहतर बनाने पर जोर दिया जाएगा। इस उच्च-स्तरीय मंथन से आगामी राजनीतिक चुनौतियों और 2029 के बड़े प्लान को ध्यान में रखते हुए पार्टी की भावी गतिविधियों की दिशा तय होने की पूरी उम्मीद है।

शर्मिला टैगोर पर शमीक भट्टाचार्य का हमला

नाती का नाम तैमूर रखने वाले वंदे मातरम पर जितना कम बोलें, उतना मंगल

प्रात: किरण, एजेंसी

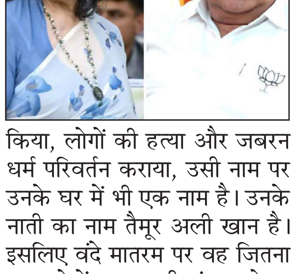

कोलकाता। वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच जारी सियासी घमासान के बीच पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमीक भट्टाचार्य ने अभिनेत्री शर्मिला टैगोर पर तीखा हमला बोला है। शर्मिला टैगोर ने हाल ही में कहा था कि धार्मिक रूप से विविधता वाले देश में ह्यवंदे मातरम‍ के पूरे गीत को लेकर कुछ समुदायों के लोगों को आपत्ति हो सकती है। उनके इस बयान पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। शमीक भट्टाचार्य ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि शर्मिला टैगोर अपनी निजी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन उन्हें इतिहास और अपने परिवार के संदर्भ में भी बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ्शर्मिला टैगोर को भी भारतीय जनता पार्टी याद दिलाना चाहती है कि जिस तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया, मंदिरों को नष्ट किया, लोगों की हत्या और जबरन धर्म परिवर्तन कराया, उसी नाम पर उनके घर में भी एक नाम है। उनके नाती का नाम तैमूर अली खान है। इसलिए वंदे मातरम पर वह जितना कम बोलें, उतना ही मंगल होगा। दरअसल, ह्यवंदे मातरम‍ के पूरे गीत को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद तेज है। भाजपा का तर्क है कि गीत के केवल पहले दो अंतरों तक सीमित रहने के बजाय पूरा गीत गाया जाना चाहिए। इसी मुद्दे पर पार्टी की ओर से नए कानून की बात भी कही गई है। शर्मिला टैगोर ने इस पर कहा था कि देश में ऐसे लोग भी हैं जो एकेश्वरवाद में विश्वास करते हैं और देवी-देवताओं की पूजा नहीं करते। उनके मुताबिक, गीत की कुछ पंक्तियां ऐसे लोगों के लिए असहज हो सकती हैं। उन्होंने कहा था कि गीत के शुरूआती दो अंतरे मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना व्यक्त करते हैं और उन्हें व्यापक रूप से स्वीकार किया जा सकता है। शर्मिला के बयान के बाद भाजपा नेताओं की ओर से लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इससे पहले अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी उनके बयान पर निशाना साधा था। अब शमीक भट्टाचार्य की टिप्पणी ने इस राजनीतिक विवाद को और तीखा कर दिया है। शर्मिला टैगोर के नाती तैमूर अली खान के नाम को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। सैफ अली खान और करीना कपूर के बड़े बेटे के जन्म के बाद उनके नाम को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बहस हुई थी। हालांकि करीना कपूर ने बताया था कि ह्यतैमूर‍ का अर्थ ह्यलोहा‍ होता है और उन्होंने बेटे का नाम मजबूती और दृढ़ता के प्रतीक के तौर पर रखा था। अब वर्षों पुराने इसी नाम विवाद को शमीक भट्टाचार्य ने ह्यवंदे मातरम‍ की बहस के बीच फिर उठा दिया है।

तमिलनाडु सरकार नवजात बच्चों को सोने की अंगूठी देगी

तमिलनाडु। सरकार ने सरकारी अस्पतालों में जन्मे नवजात बच्चों के लिए 1.28 लाख सोने की अंगूठियों के वर्क ऑर्डर जारी किए हैं। इस योजना का बजट 220 करोड़ रुपए है। तमिलनाडु मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन (TNMSC) ने शुक्रवार देर रात जॉयलुक्कास और कल्याण ज्वेलर्स को ऑर्डर दिए। ये अंगूठियां जून से सितंबर के बीच सरकारी अस्पतालों में जन्मे बच्चों को दी जाएंगी। इस योजना 15 सितंबर को द्रविड़ आंदोलन के नेता सी. एन. अन्नादुरई की जयंती पर शुरू की जाएगी।हालांकि, विपक्ष ने टेंडर प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। तमिलनाडु विधानसभा में भी योजना के टेंडर को लेकर बहस हुई। विपक्षी DMK और AIADMK ने खरीद प्रक्रिया पर सवाल उठाए। विपक्षी दलों के मुताबिक, कई कंपनियों ने अतिरिक्त शुल्क के तौर पर 410.97 से लेकर 15,000 से ज्यादा तक की बोली लगाई थी, लेकिन उन्हें टेंडर नहीं दिया गया। विपक्ष ने यह भी पूछा कि इस खरीद की जिम्मेदारी TNMSC को क्यों दी गई।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, रविवार, 23 अगस्त, 2026

पानी वाले बैंड पर फिर दरकी पहाड़ी, सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त, मसूरी-देहरादून मार्ग पर मंडराया खतरा

मसूरी, एजेंसी। पहाड़ों में लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर मसूरी-देहरादून मार्ग पर लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. पानी वाले बैंड के पास भारी भूस्खलन के चलते सड़क का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे मार्ग संकरा हो गया और वाहनों के संचालन में दिक्कतें आने लगी हैं. सड़क के ऊपरी हिस्से में भी पहाड़ी दरकने से खतरा लगातार बना हुआ है. स्थानीय लोगों के अनुसार, बरसात के दौरान पानी वाले बैंड क्षेत्र में पहले भी सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है. लंबे समय तक यहां यातायात प्रभावित रहा था और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था. लोक निर्माण विभाग की ओर से पहाड़ की कटिंग कर सड़क को दोबारा तैयार किया गया, लेकिन लगातार बारिश के चलते क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा एक बार फिर बढ़ गया है. करीब 100 मीटर ऊपर से खिसका सड़क का हिस्साः स्थानीय लोगों ने बताया कि मौजूदा क्षतिग्रस्त स्थान से करीब 100 मीटर ऊपर सड़क का एक हिस्सा भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है. इससे सड़क और अधिक संकरी हो गई है. यदि बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो सड़क के और हिस्से के धंसने की आशंका जताई जा रही है. भूस्खलन के कारण सड़क पर मलबा आने और पहाड़ी से पत्थर गिरने का खतरा भी बना हुआ है. ऐसे में मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है. सड़क की स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में भी चिंता और दहशत का माहौल है. 2025 की आपदा की याद से बढ़ी चिंताः पानी वाले बैंड क्षेत्र में लगातार हो रहे भूस्खलन ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है. लोगों का कहना है कि 15 सितंबर 2025 की आपदा के दौरान इस पूरे क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा था. इसके बाद भी यहां पहाड़ी लगातार संवेदनशील बनी हुई है. लोगों का कहना है कि केवल सड़क की मरम्मत करने के बजाय क्षेत्र का स्थायी ट्रीटमेंट किया जाना जरूरी है. स्थानीय लोगों ने सरकार और विशेषज्ञों से मांग की है कि पानी वाले बैंड को संवेदनशील क्षेत्र मानते हुए यहां वैज्ञानिक तरीके से पहाड़ी का ट्रीटमेंट, ड्रेनेज व्यवस्था और सड़क की सुरक्षा के लिए स्थायी कार्य कराया जाए, ताकि हर बरसात में सड़क बंद होने की स्थिति न बने. मंत्री गणेश जोशी कर चुके हैं निरीक्षणः पानी वाले बैंड की संवेदनशीलता को देखते हुए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी भी पूर्व में क्षतिग्रस्त सड़क का निरीक्षण कर चुके हैं. उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को क्षतिग्रस्त सड़क के हिस्से का तत्काल पुनर्निर्माण करने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए थे. वहीं, मसूरी पुलिस को भी यातायात संचालन को लेकर विशेष योजना के तहत काम करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सड़क की स्थिति बिगड़ने की स्थिति में वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित किया जा सके और लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े. स्थायी समाधान की उठी मांगः स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बरसात में सड़क की मरम्मत पर काम करने के बजाय अब इस क्षेत्र का स्थायी समाधान तलाशना जरूरी है. विशेषज्ञों की निगरानी में पहाड़ी का भू-तकनीकी अध्ययन कराकर जल निकासी, सुरक्षा दीवार और अन्य जरूरी तकनीकी उपाय किए जाने चाहिए। लगातार बारिश के बीच जिस तरह पानी वाले बैंड पर सड़क का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है, उससे मसूरी-देहरादून मार्ग की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं. लोगों को अब प्रशासन से उम्मीद है कि स्थिति गंभीर होने से पहले प्रभावी कदम उठाकर सड़क और पहाड़ी को सुरक्षित किया जाएगा.

भारत-नेपाल के बीच व्यापक सहयोग पर बनी सहमति; आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के प्रयास

नैनीताल, एजेंसी। दोनों देशों ने सीमा पर आपराधिक गतिविधियों पर विराम लगाने के लिए पहले से चले आ रहे प्रयासों की समीक्षा की गई है। भारत नेपाल के बीच सीमा सुरक्षा को लेकर आयोजित दो दिवसीय बैठक शुक्रवार को संपन्न हो गई। बैठक में दोनों देशों के बीच सीमा सुरक्षा के मुद्दों पर व्यापक सहयोग पर सहमति बनी है। दोनों देशों ने सीमा के आसपास के इलाकों में असामाजिक गतिविधियों पर विराम लगाने के लिए साझा प्रयास मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है। दोनों देशों ने सीमा पर आपराधिक गतिविधियों पर विराम लगाने के लिए पहले से चले आ रहे प्रयासों की समीक्षा की गई है। आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए दोनों देशों के बीच साझा चेकपोस्ट की उपयोगिता को बढ़ाने के उपायों पर भी बातचीत हुई है। सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए नवीन तकनीकी का सहारा लेने और इसके जरिये अवैध घुसपैठ को पूरी तरह रोकने के लिए प्रयास करने पर भी दोनों देश सहमत हो गए हैं। बैठक में सीमा क्षेत्र में मूलभूत ढांचे को मजबूत बनाने को लेकर भी विस्तृत बातचीत हुई है।

14वीं ज्वाइंट वर्किंग ग्रुप मीटिंग में भारतीय दल का प्रतिनिधित्व कर रहीं गृह मंत्रालय में ज्वाइंट डायरेक्टर पौसुमी बसु ने पड़ोसी देश के अधिकारियों को भारत की चिंताओं से अवगत कराया है। नेपाली प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व कर रहे आनंद काफ्ले ने भी अहम मुद्दों पर नेपाल के दृष्टिकोण को साझा किया। बैठक में दोनों देशों ने केवल सुरक्षा के मुद्दे पर ही विचार-विमर्श नहीं किया, बल्कि आपसी सहयोग को अन्य क्षेत्रों में बढ़ाने को लेकर भी बातचीत की है।

भागीरथी इको सेंसेटिव जोन में निगरानी, कार्रवाई होगी और सख्त, दिल्ली में हुई बैठक

देहरादून, एजेंसी। भागीरथी इको सेंसेटिव जोन में निगरानी कार्रवाई और सख्त होगी। दिल्ली में भागीरथी इको सेंसेटिव जोन की अधिसूचना के क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा हुई। भागीरथी इको सेंसेटिव जोन (बीईएसजेड) में निगरानी और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई और सख्त होगी। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ऐसा संस्थागत तंत्र चाहता है, जो बीईएसजेड अधिसूचना को प्रावधानों को पूरी तरह लागू करने के लिए काम करे, इसके अलावा निगरानी का काम भी करे। साथ ही स्थानीय लोगों को भी अधिक सुविधा मिले, इस दिशा में काम किया जाए। दिल्ली में हुई बैठक में केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव, राज्य से मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन के अलावा मंत्रालय और वन महकमे के अफसर शामिल हुए। बैठक में बीईएसजेड को लेकर चर्चा हुई है। इसके बाद केंद्रीय वन मंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने कहा कि अधिसूचना के प्रावधानों को पूरी तरह लागू किया किया जाए। इसकी प्रभावी निगरानी के साथ कार्रवाई के लिए एक मजबूत संस्थागत व्यवस्था को तैयार किया जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन पूरी तरह सुनिश्चित किया जाए। खासकर भागीरथी नदी और आसपास के क्षेत्रों के सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और आध्यात्मिक महत्व को देखते हुए। बीईएसजेड का जोनल मास्टर प्लान 2020 में बना है। इसमें 12 अलग-अलग विभागों के काम और दायित्व बताए गए हैं। बैठक में शामिल अधिकारियों के मुताबिक अब इसे और अधिक मजबूती से लागू करने की बात है। इसके साथ ही नियमों को लागू करने के साथ ही स्थानीय लोगों को कैसे सुविधा पहुंचाई जा सकती है, उस दिशा में भी काम करने की बात हुई है। ज्ञात हो कि बीईएसजेड चार हजार वर्ग किमी में फैला है। यहां पर होने वाली गतिविधियों की निगरानी के लिए उच्च स्तरीय निगरानी समिति और जिला स्तरीय निगरानी समिति है।

देहरादून पटेलनगर गोलीकांडः दोनों पक्षों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज, 11 युवक नामजद, चार गिरफ्तार

देहरादून, एजेंसी। हंगामा बढ़ने पर थाने में पुलिस अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, कार्यकर्ता कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि हिरासत में लिए गए कार्यकर्ता के साथ मारपीट करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही थाना प्रभारी को हटाए जाने की मांग भी दोहराई। देर रात तक एबीवीपी कार्यकर्ता थाने में धरने पर बैठे रहे। इससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनातनी की स्थिति बनी रही। सूत्रों के अनुसार मामले में दो सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। सीओ अंकित कंडारी ने कहा कि मामले की विभागीय जांच की जा रही है। आक्रोशित युवाओं को भी नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिया गया है। एबीवीपी के प्रदेश मंत्री यशवंत पंवार ने आरोप लगाया कि पुलिस छात्रों के साथ गलत व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा, हमारे कार्यकर्ता को गलत हिरासत में लिया गया है। उसके साथ मारपीट की गई है। पुलिस पथरीबाग चौक पर खड़ी गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी। एबीवीपी कार्यकर्ता ने इसका विरोध किया तो पुलिस ने उसे हिरासत मे ले लिया।

जल जीवन मिशन की 1517 योजनाएं पूरी, पीएमजीएसवाई की 220 सड़कों की समीक्षा

अल्मोड़ा, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने मंगलवार को जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जिले में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को लंबित योजनाओं में तेजी लाने और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 1645 योजनाओं में से 1517 पूरी हो चुकी हैं, जबकि 128 योजनाओं पर काम चल रहा है। मंत्री ने शेष योजनाओं को जल्द पूरा कर हर घर तक पेयजल पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूर्ण योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को वास्तविक रूप से मिलना चाहिए। पीएमजीएसवाई-4 के कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिले में 220 सड़कें स्वीकृत हैं, जिनकी कुल लंबाई 1295.04 किलोमीटर है। मंत्री ने सड़क निर्माण में तकनीकी मानकों और गुणवत्ता का पालन करने के निर्देश दिए। चेताया कि लापरवाही या अनावश्यक देरी पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

कैंपटी रोड पर बहुमंजिला भवन धराशायी

देहरादून, एजेंसी। पहाड़ों की रानी मसूरी में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते जनजीवन पर संकट गहराता जा रहा है। बारिश के कारण जहां शहर और आसपास के क्षेत्रों में सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं, वहीं शुक्रवार को कैंपटी रोड इंदिरा कॉलोनी के ठीक नीचे एक बहुमंजिला भवन अचानक भरभराकर धराशायी हो गया। गनीमत रही कि भवन में रह रहे पांच लोग समय रहते बाहर निकल गए। हादसे में भवन के अंदर रखा घरेलू सामान मलबे में दब गया। शुक्रवार को इंदिरा कॉलोनी के ठीक नीचे कैंपटी रोड में भारी बारिश के चलते भवन में पहले से ही दरारें पड़नी शुरू हो गई थीं। प्रभावित पूनम पंवार ने बताया कि बारिश के कारण गुरुवार को मकान में दरारें दिखाई दी थीं। उन्हें उम्मीद थी कि दरारों को सीमेंट से भरकर भवन को सुरक्षित किया जा सकेगा, लेकिन शुक्रवार को भवन अचानक गिर गया। उन्होंने बताया कि भवन गिरने से कुछ समय पहले अंदर से तेज आवाजें आने लगी थीं। आवाज सुनकर उन्हें अनहोनी का अंदेशा हो गया और उन्होंने तत्काल अपने पति, दो बच्चों तथा बहन के साथ भवन से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। उनके बाहर निकलते ही भवन भरभराकर नीचे आ गिरा। पूनम पंवार ने बताया कि भवन में चार कमरे थे और छत पर रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। भवन गिरने के कारण घर का पूरा सामान मलबे में दबकर बर्बाद हो गया। उन्होंने बताया कि भवन के निर्माण के लिए परिवार ने कर्ज लिया था और लोगों से उधार पैसे भी लिए थे, लेकिन अब भवन पूरी तरह जमींदोज होने से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय निवासी राजेश सजवाण ने बताया कि भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि घटना के संबंध में उच्चाधिकारियों से भी बातचीत की गई है और प्रभावित परिवार को तत्काल उचित राहत उपलब्ध कराने की मांग की गई है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

देहरादून-मसूरी मार्ग : पानीवाला बैंड पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक, अग्रिम आदेश तक रहेगा प्रतिबंध

देहरादून, एजेंसी। देहरादून-मसूरी मार्ग पानीवाला बैंड पर भारी वाहनों की आवाजाही पर अग्रिम आदेश तक रोक लगा दी गई है। उप जिला मजिस्ट्रेट मसूरी ने आमजन की सुरक्षा के दृष्टिगत फैसला लिया है। देहरादून-मसूरी मार्ग पर स्थित पानीवाला बैंड के पास सड़क की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने भारी वाहनों की आवाजाही पर अग्रिम आदेश तक प्रतिबंध लगा दिया है। उप जिला मजिस्ट्रेट आदेश जारी किया है। अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग, द्वारा भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया कि पानीवाला बैंड पर अत्यधिक बारिश के कारण मार्ग पर पूर्व में निर्मित सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है। दीवार क्षतिग्रस्त होने के चलते मार्ग भारी वाहनों के आवागमन के लिए असुरक्षित हो गया है। विभाग ने आशंका जताई है कि स्थिति में सुधार नहीं होने पर किसी भी समय अप्रिय घटना घट सकती है। रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए उप जिला मजिस्ट्रेट मसूरी राहुल आनंद ने आमजन की सुरक्षा के दृष्टिगत मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन को अग्रिम आदेश तक प्रतिबंधित कर दिया है। आदेश के अनुपालन की जिम्मेदारी संबंधित विभागों और पुलिस को सौंपी गई है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को क्षतिग्रस्त मार्ग की तत्काल मरम्मत कराकर आमजन की आवाजाही के लिए सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, कोतवाली मसूरी और राजपुर थाना पुलिस को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। कोतवाली मसूरी को पानीवाला बैंड क्षेत्र में 24 घंटे आवश्यक पुलिस बल तैनात रखने को भी कहा गया है। भारी बारिश के बीच सड़क की सुरक्षा को लेकर प्रशासन के इस निर्णय से फिलहाल भारी वाहनों की आवाजाही प्रभावित रहेगी। मार्ग की मरम्मत और सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही प्रतिबंध हटाने पर निर्णय लिया जाएगा।

एसआईआर पर विवादों के बीच तीन जिलों में नौ पर्यवेक्षक तैनात, जानें किस जिले में किसे मिली जिम्मेदारी

देहरादून, एजेंसी। एसआईआर पर विवादों के बीच तीन जिलों में नौ पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। सीईओ ने नैनीताल, ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार जिले के लिए अफसर तैनात किए हैं। प्रदेश में चल रहे एसआईआर पर आपत्तियों के विवाद के बीच मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने तीन जिलों हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर व नैनीताल में नौ आईएएस-पीसीएस को पर्यवेक्षक तैनात किया है। ये एसआईआर पर दावे व आपत्तियों के निराकरण की निगरानी करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के आदेश के अनुसार पर्यवेक्षक संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया, जिसमें नोटिस वितरण, तामीली एवं सुनवाई की निगरानी करने के साथ ही चुनाव आयोग की ओर से निर्धारित नियमों एवं प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्रक्रिया सुनिश्चित करेंगे।

इन अधिकारियों को अपने दैनिक निरीक्षण की आख्या संबंधित मंडलायुक्त के माध्यम से मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को सप्ताह में दो बार प्रस्तुत करनी होगी। इसके लिए मैन्युअल ऑन इलेक्टोरल रोल 2023 के तहत निर्धारित पुनरीक्षण प्रक्रिया एवं रिपोर्टिंग प्रारूप का अनुपालन किया जाएगा। आदेश के अनुसार निर्धारित पुनरीक्षण अवधि तक नामित अधिकारी आयोग के नियंत्रण, पर्यवेक्षण एवं अनुशासन के अधीन रहेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी का यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

हरिद्वार : हरिद्वार, बीएचईएल रानीपुर और ज्वालापुर विधानसभा में जीएमवीएनए के एमडी संदीप तिवारी। भगवानपुर, पिरान कलियर व रुड़की में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र, झबरेड़ा, खानपुर व मंगलौर में मुख्य नगर आयुक्त हरिद्वार नंदन कुमार। लक्सर व हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा में नगर आयुक्त रुड़की गोपाल राम बिनवाल।

सहसपुर सीट; हरक सिंह रावत के बयान से सियासी हलचल तेज, चार चुनाव से बुलंद हो रहा भगवा

देहरादून, एजेंसी। सहसपुर विधानसभा सीट पर भाजपा के लिए लगातार मजबूत रहा चुनावी समीकरण इस बार दिलचस्प होता दिख रहा है। तीन बार के विधायक सहदेव पुंडीर के साथ ही पार्टी के भीतर कई अन्य दावेदार भी टिकट की दौड़ में नजर आ रहे हैं। ऐसे में आगामी चुनाव में भाजपा के सामने अपने ही गढ़ में दावेदारों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती होगी। उत्तराखंड राज्य गठन के बाद सहसपुर विधानसभा ने कई प्रयोग देखे हैं। इस सीट पर अब तक हुए पांच चुनावों में भाजपा-कांग्रेस के बीच मुकाबला रहा है। यहां से चार बार भाजपा व एक बार कांग्रेस ने जीत हासिल की है। लेकिन 2027 के लिए सहसपुर सहज नहीं दिख रही है।राज्य गठन से पहले सहसपुर सीट चकराता विधानसभा का हिस्सा थीं। 2002 में पहले विस चुनाव में कांग्रेस टिकट से साधु राम ने जीत हासिल की। इसके बाद यह सीट कांग्रेस के हाथ नहीं आ पाई। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने सहसपुर को आशियाने के रूप में तलाशा, लेकिन चुनाव में सफलता नहीं मिली। 2017 से पूर्व मंत्री किशोर उपाध्याय ने इस सीट से कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ा था, मगर भाजपा के सहदेव पुंडीर से पराजय मिली। 2007 से 2022 तक हुए चार चुनावों में सहसपुर सीट पर भाजपा का कब्जा है। सहदेव पुंडीर ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। कांग्रेस ने 2012 व 2022 के चुनाव में आर्येंद्र शर्मा दांव लगाया। लेकिन इसमें कामयाबी नहीं मिली। अब कांग्रेस से पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत के सहसपुर सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा है। हाल ही में रावत ने सहसपुर क्षेत्र में संपर्क कार्यक्रम में चुनाव लड़ने के संकेत देते हुए कहा था कि पार्टी हाईकमान जिस भी सीट से चुनाव लड़ने को कहेगी, उसी सीट से चुनाव लड़ेंगे।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

जागेश्वर, एजेंसी। झांकर सैम मंदिर में सोमवार को नाग पंचमी के शुभ अवसर पर कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। धार्मिक अनुष्ठानों और जयकारों के बीच ढोल दमाऊ की थाप के साथ श्रद्धालुओं ने भव्य कलश यात्रा में भाग लिया। कथा के दूसरे दिन मंगलवार को कथावाचक आचार्य संदीप भट्ट ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के महत्व और भगवान की भक्ति का संदेश दिया। कथावाचक आचार्य संदीप भट्ट ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण केवल कथा नहीं, बल्कि मनुष्य को जीवन जीने की सही दिशा दिखाने वाला आध्यात्मिक ग्रंथ है। भगवान के नाम का स्मरण और भक्ति करने से मनुष्य के भीतर सद्भाव, संस्कार और सकारात्मक विचारों का संचार होता है। उन्होंने कहा कि सांसारिक मोह-माया में उलझे मनुष्य को अपने जीवन में कुछ समय ईश्वर के चिंतन और सत्संग के लिए अवश्य निकालना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं से कथा के प्रत्येक प्रसंग को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। कथा के दौरान भजन-कीर्तन और भगवान के जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा। कथा उपरांत भंडारे का भी आयोजन किया गया जहां श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।इस दौरान झांकर सैम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष देवी दत्त पांडे , विपिन भट्ट,गीता भट्ट, मुन्नी देवी,योगेश भट्ट, हंशा दत्त, प्रहलाद सिंह, भगवान सिंह, महेंद्र सिंह मेहता सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

पटेलनगर थाने में हंगामाः चेकिंग के दौरान पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया, एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने थाना घेरा

देहरादून, एजेंसी। पथरीबाग चौक पर पुलिसकर्मी वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान वाहनों को उठाने पर एक छात्र की पुलिस के साथ नोकझोंक हुई। उसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इसकी जानकारी मिलने पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। पथरीबाग चौक पर चेकिंग के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ता प्रीतम सेमवाल को हिरासत में लिए जाने के विरोध में शुक्रवार देर शाम एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने पटेलनगर थाने में जमकर हंगामा किया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता थाने पहुंचे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए थाना प्रभारी को हटाने की मांग की। सूत्रों के अनुसार दो पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। वहीं, विभागीय कार्रवाई के भी आदेश दिए गए हैं। देर रात तक कार्यकर्ता थाने में धरने पर बैठे रहे। बताया जा रहा है कि पथरीबाग चौक पर पुलिसकर्मी वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान वाहनों को उठाने पर एक छात्र की पुलिस के साथ नोकझोंक हुई। उसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इसकी जानकारी मिलने पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पटेलनगर थाने पहुंच गए। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि चेकिंग के दौरान पुलिस ने प्रीतम सेमवाल के साथ अभद्रता की और उसे हिरासत में लेने के बाद पुलिसकर्मियों ने उसके साथ मारपीट भी की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि छात्र को बिना उचित कारण हिरासत में लिया गया। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई को लेकर थाने में अधिकारियों के सामने अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और थाना प्रभारी को तत्काल हटाने की मांग उठाई। उनका आरोप था कि पुलिस का रवैया छात्रों और युवाओं के प्रति ठीक नहीं है।

आप विधायक कुलदीप कुमार का दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर मिलने का मांगा समय

● खराब कानून व्यवस्था के चलते सरेआम हत्या जैसे जघन्य अपराध होने से लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल है: कुलदीप कुमार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार ने बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर मिलने का समय मांगा है। उन्होंने एक्स पर पत्र को साझा कर कहा कि मैंने अपनी विधानसभा और दिल्ली में लगातार बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ते अपराध और नशे के अवैध कारोबार को लेकर अपने विधायक प्रतिनिधि मंडल के साथ दिल्ली पुलिस कमिश्नर से मुलाकात करने का समय मांगा है। खराब कानून व्यवस्था के चलते सरेआम हत्या जैसे जघन्य अपराध होने से लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल है। हमें उम्मीद है कि पुलिस कमिश्नर मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द मिलने का समय देंगे। शनिवार को कोंडली विधायक कुलदीप कुमार ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा है कि मेरे कोंडली विधानसभा क्षेत्र में पिछले कुछ समय से कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है। हाल के दिनों में एक सफाई कर्मचारी की सरेआम हत्या तथा इसके बाद एक अन्य नौजवान की हत्या हो गई। इन गंभीर घटनाओं ने क्षेत्रवासियों के मन में भय, असुरक्षा और चिंता का वातावरण पैदा कर दिया है। कुलदीप कुमार ने कहा है कि इन घटनाओं के साथ-साथ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में नशे के अवैध कारोबार एवं नशीले पदार्थों की बिक्री की शिकायतें भी लगातार सामने आ रही हैं। यह स्थिति विशेष रूप से युवाओं और उनके परिवारों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। स्थानीय नागरिकों में इसको लेकर आक्रोश है। लोग चाहते हैं कि पुलिस प्रशासन नशे के कारोबार और अपराध पर प्रभावी एवं कठोर कार्रवाई करे। कुलदीप कुमार ने कहा है कि यह समस्या केवल मेरे विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली के विभिन्न इलाकों में कानून-व्यवस्था तथा बढ़ते नशे के कारोबार को लेकर भी गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं। कुलदीप कुमार ने कहा है कि इन्हीं सभी महत्वपूर्ण विषयों को लेकर हम अपने विधायक प्रतिनिधिमंडल के साथ आपसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करना चाहते हैं। प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से हम अपने विधानसभा क्षेत्र की जमीनी परिस्थितियों, स्थानीय नागरिकों की शिकायतों एवं चिंताओं तथा दिल्ली के अन्य विधानसभा क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को आपके समक्ष विस्तारपूर्वक रखना चाहते हैं। कुलदीप कुमार ने कहा है कि हमारा उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अपराध, नशे के कारोबार और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों के प्रभावी समाधान की दिशा में ठोस कदम सुनिश्चित करना है। कुलदीप कुमार ने पुलिस कमिश्नर से अनुरोध करते हुए कहा है कि अपनी सुविधानुसार विधायक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के लिए शीघ्र उचित समय प्रदान करने का कष्ट करें, ताकि उपरोक्त सभी गंभीर विषयों पर आपके साथ विस्तृत चर्चा की जा सके और क्षेत्र की जनता की सुरक्षा एवं बेहतर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ा जा सके।

दिल्ली-एनसीआर में हुई बारिश : उमस से राहत, वायु गुणवत्ता में भी सुधार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। शनिवार सुबह हुई हल्की से मध्यम बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। इस बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से काफी राहत मिली है। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले कुछ दिनों तक यह राहत बनी रहेगी और लगातार बादल छाए रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 22 अगस्त को आसमान में सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे और मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं हवा में नमी का स्तर काफी ऊंचा बना हुआ है। 23 अगस्त को हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। इस दिन पारा 33 डिग्री पर लुढ़क सकता है। 24 अगस्त को भी हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान है, जिसमें तापमान 34 डिग्री तक पहुंच सकता है। हालांकि, 25 अगस्त से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने 25, 26 और 27 अगस्त के लिए आंशिक रूप से बादल छाए रहने का पूर्वानुमान जारी किया है। इन तीनों दिनों में अधिकतम तापमान 34 से 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने की संभावना है। लगातार हो रही बारिश और हवा के बदले रुख के चलते दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर काफी हद तक कम हो गया है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, अधिकांश इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक अब ग्रीन और यलो जोन में पहुंच गया है। दिल्ली में आनंद विहार में एक्यूआई 166 और चांदनी चौक में 102 दर्ज किया गया है, जो यलो जोन में आता है। वहीं, आयानगर (73), बुराड़ी क्रॉसिंग (74), और कैंटोनमेंट एरिया (71) जैसे इलाकों में हवा काफी साफ है। अलीपुर (90) और आशोक विहार (82) में भी हवा की गुणवत्ता संतोषजनक बनी हुई है। नोएडा के सेक्टर-1 (84), सेक्टर-62 (82) और सेक्टर-125 (85) में हवा साफ है। हालांकि, सेक्टर-116 नोएडा में एक्यूआई 114 दर्ज किया गया है। वहीं, गाजियाबाद में इंदिरापुरम (47) और गोविंदपुरम (52) में बेहतरीन हवा दर्ज की गई है, जबकि वसुंधरा (110) और वेद विहार लोनी (111) में हवा का स्तर मध्यम बना हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

मयंक के साथ गेंदबाजी करना पसंद, भारतीय टीम के अनुभव जूनियर खिलाड़ियों से साझा करते हैं : सिमरजीत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को सात विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। जीत के बाद टीम के कप्तान सिमरजीत सिंह ने कहा कि अब टीम का ध्यान नतीजों के दबाव से हटकर बेहतर क्रिकेट खेलने और अपनी गलतियों से सीखने पर है। सिमरजीत ने कहा कि टीम ने टूर्नामेंट की धीमी शुरूआत के बाद मानसिकता में बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि हमने हर मैच को ज्यादा दबाव के साथ खेलने के बजाय अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान दिया। हमारा लक्ष्य अच्छा क्रिकेट खेलना और कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन और प्रशंसकों को अपनी क्षमता दिखाना है। मयंक को बताया सबसे तेज गेंदबाज सिमरजीत ने तेज गेंदबाज मयंक यादव की तारीफ करते हुए कहा कि मेरे हिसाब से मयंक सबसे तेज गेंदबाज हैं। दिल्ली क्रिकेट में उनका जुड़ाव देखकर अच्छा लगता है। वह भारतीय टीम के साथ अपने अनुभव और कहानियां साझा करते हैं। इससे जूनियर खिलाड़ियों को काफी प्रेरणा मिलती है।

यमुनापार में रात के अंधेरे में धड़ल्ले से कट रहे पेड़, मिलीभगत के आरोपों से उठे सवाल

नई दिल्ली। यमुनापार के कई इलाकों में रात के अंधेरे में पेड़ों की कथित अवैध कटाई का मामला सामने आया है। विवेक विहार, प्रीत विहार, चांदबाग, मयूर विहार और आनंद विहार समेत कई क्षेत्रों में पेड़ों के काटे जाने को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि बिल्डरों को लाभ पहुंचाने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों की कथित मिलीभगत से पेड़ों की कटाई कराई जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। प्रीत विहार थाना क्षेत्र में तो थाने से कुछ ही दूरी पर सड़क किनारे लगे एक पेड़ को रात के समय काटे जाने का मामला सामने आया। पेड़ की भारी टहनियां बिजली के तारों पर जा गिरीं, जिससे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और बिजली का खंभा भी टूट गया। घटना के दौरान वहां मौजूद एक सुरक्षा कर्मी बाल-बाल बचा। विवेक विहार में नीम का पेड़ काटने का आरोप विवेक विहार के सी ब्लॉक में कई वर्षों पुराना नीम का पेड़ काटे जाने का मामला भी सामने आया है। आरोप है कि यह पेड़ एक बिल्डर के हित में कटवाया गया।

निगम स्कूलों के पूर्व छात्रों को अपने स्कूलों से जोड़ने की पहल सराहनीय : दिल्ली पंचायत संघ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आज दिल्ली नगर निगम शिक्षा विभाग, रोहिणी जोन द्वारा नगर निगम स्कूलों के पूर्व छात्रों को स्कूलों से जोड़ने के उद्देश्य से ALUMNI MEET (पूर्व छात्र मिलन समारोह) का आयोजन नगर निगम प्रतिभा विद्यालय, सेक्टर-5बी, रोहिणी में किया गया। कार्यक्रम में रोहिणी जोन के उपायुक्त अंशुल सिरोही तथा उपनिदेशक शिक्षा श्रीमती राजकुमारी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम मेयर श्री प्रवेश वाही का भी उपस्थित होना निर्धारित था, लेकिन किसी कारणवश वे कार्यक्रम में नहीं पहुंच सके। दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने अपने गांव नांगलोई सईदान के दिल्ली नगर निगम प्राथमिक विद्यालय के पूर्व छात्र के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। जिसमें शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख एवं पूर्व छात्र के रूप में उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर थान सिंह यादव ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि दिल्ली नगर निगम पिछले एक-दो वर्षों से पूरी दिल्ली में अपने स्कूलों के पूर्व छात्रों को जोड़ने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों को अपने पुराने स्कूलों से जोड़ने की यह पहल एक अच्छी और सकारात्मक शुरूआत है। उन्होंने कहा कि आज नगर निगम एवं प्राथमिक विद्यालयों को लेकर समाज में कई प्रकार की नकारात्मक धारणाएं बनाई जा रही हैं। हमें केवल शासन-प्रशासन को जिम्मेदार ठहराने के बजाय यह भी देखना चाहिए कि पूर्व छात्र अपने-अपने स्कूलों से जुड़कर विद्यालयों की समस्याओं के समाधान और उनकी बेहतरी में क्या योगदान दे सकते हैं। पंचायत संघ प्रमुख ने रोहिणी जोन उपायुक्त अंशुल सिरोही से अपील की कि यदि कोई पूर्व छात्र अपने उस विद्यालय से संबंधित समस्या, सुझाव या विचार लेकर उनके पास आता है, तो उस पर अमल करने का प्रयास किया जाए। थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली पंचायत संघ नगर निगम की इस पहल का स्वागत और सराहना करता है। पूर्व छात्रों को स्कूलों से जोड़ना नगर निगम स्कूलों की समस्याओं के समाधान तथा विद्यालयों की व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसी व्यवस्था तैयार करना होना चाहिए कि दिल्ली के गांवों और कॉलोनियों के अभिभावक गर्व के साथ अपने बच्चों का दाखिला नगर निगम स्कूलों में कराएं और इन स्कूलों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एक बेहतर विकल्प के रूप में देखें। कार्यक्रम में पूर्व छात्र नगर निगम रहे भारत सरकार के सेवानिवृत्त अधिकारी सरवर उज्जैनवाल व एक्साइज विभाग में कार्यरत अभिमन्यु सहित विभिन्न सरकारी पदों पर रह चुके तथा वर्तमान में सरकारी सेवाओं में कार्यरत कई पूर्व छात्र भी उपस्थित रहे।

पूर्वी दिल्ली में ऑपरेशन आघात, 151 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

पूर्वी दिल्ली। अपराध पर शिकंजा कसने के लिए पूर्वी जिला पुलिस ने 17 से 20 अगस्त तक चार दिवसीय विशेष अभियान ऑपरेशन आघात चलाया। अभियान के दौरान सड़क अपराध, अवैध हथियार, नशीले पदार्थ, जुआ और अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 151 लोगों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया। पुलिस ने 29 आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज कर 29 आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से एक पिस्टल, एक सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल, चार देसी कट्टे, 11 कारतूस और 21 चाकू बरामद किए। अभियान के दौरान लूट, झपटमारी, सेंधमारी और वाहन चोरी की वारदातों पर भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने 16 वाहन चोरी के मामले सुलझाकर 14 चोरी के वाहन बरामद किए। लूट के नौ और झपटमारी के नौ मामलों का भी खुलासा किया गया। इसके अलावा सेंधमारी के मामलों में तीन मोबाइल फोन और एक स्कूटी बरामद की गई, जबकि अभियान के दौरान कुल 134 मोबाइल फोन बरामद हुए। नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई में चार मामले दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से 1.199 किलो चरस और 532 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आबकारी अधिनियम के तहत 20 मामले दर्ज कर 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 501 पाउच तथा 1,870 बोतल अवैध शराब बरामद की गई। वहीं जुआ अधिनियम के 32 मामलों में 63 लोगों को पकड़ा गया और 23,131 रुपये बरामद किए गए। अभियान के दौरान पुलिस ने नौ घोषित अपराधियों, एक पैरोल जम्पर और दो ओवरस्टेइंग जम्परों को भी गिरफ्तार किया, जबकि चार अनुपस्थित बदमाशों का पता लगाकर कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी, गुप्त सूचना, गश्त और वाहन जांच का इस्तेमाल किया गया। डीसीपी पूर्वी जिला राजीव कुमार ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ इस तरह की लक्षित कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

फतेह नगर में सफेदी के दौरान ऊंचाई से गिरे दो मजदूर

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के फतेह नगर इलाके में शुक्रवार को सफेदी का काम करते समय ऊंचाई से गिरने के कारण एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा डीडी-42 और डीडी-43, फतेह नगर में हुआ। पुलिस के मुताबिक, दोनों मजदूर बिना पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम के ऊंचाई पर सफेदी का काम कर रहे थे। इसी दौरान दोनों नीचे गिर गए। पुलिस को 21 अगस्त की दोपहर पीसीआर कॉल के जरिए हादसे की सूचना मिली। सूचना मिलते ही हरि नगर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। तब तक दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा चुका था। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम टीम और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार, अस्पताल में एक अज्ञात मजदूर को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान गोविंदपुरी निवासी मुन्ना शाह (44) के रूप में हुई। वहीं, हादसे में घायल दूसरे मजदूर राजेश निवासी संगम विहार, संडे मार्केट को दशमेश अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं।

एडमिशन के बाद गुलजार हुए डीयू-आईपीयू कैंपस, छात्रों के सामने आवास का संकट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के परिसरों में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया के बाद रौनक बढ़ गई है। उत्तर और दक्षिण परिसर से लेकर द्वारका तथा पूर्वी दिल्ली स्थित परिसरों तक छात्र गतिविधियां तेज हो गई हैं। परिसरों के आसपास चाय की दुकानों, खानपान केंद्रों, पुस्तक सामग्री की दुकानों और परिवहन सेवाओं में भी चहल-पहल बढ़ गई है। हालांकि, प्रवेश मिलने के बाद विद्यार्थियों के सामने अब रहने की जगह तलाशने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रावासों में सीमित सीटों के कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को निजी छात्रावास, भुगतान आधारित आवास और किराये के कमरों का सहारा लेना पड़ रहा है। खासकर दूसरे राज्यों से दिल्ली आने वाले विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और किफायती आवास की तलाश प्राथमिकता बन गई है। उत्तर परिसर के आसपास बढ़ी कमरों की तलाश उत्तर परिसर में मुखर्जी नगर, कमला नगर, विजय नगर और आसपास के इलाकों में नए विद्यार्थी रहने की जगह तलाशते नजर आ रहे हैं। प्रवेश की पुष्टि होते ही बाहर से दिल्ली पहुंचने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की पहली चिंता सुरक्षित आवास को लेकर है। निजी छात्रावास और भुगतान आधारित आवास उपलब्ध कराने वाले संचालक विद्यार्थियों को एकल, दोहरी और तीन विद्यार्थियों के साथ रहने के विकल्प दे रहे हैं। हालांकि, कमरे का किराया, सुरक्षा राशि, बिजली-पानी का खर्च और भोजन के लिए अलग से लिए जाने वाले शुल्क को लेकर विद्यार्थी विभिन्न विकल्पों की तुलना कर रहे हैं। दक्षिण परिसर में भी आवास की मांग बढ़ी दक्षिण परिसर के आसपास सत्य निकेतन, बेर सराय और कटवरिया सराय जैसे क्षेत्रों में भी विद्यार्थियों की आवाजाही बढ़ गई है। यहां बड़ी संख्या में नए विद्यार्थी कमरे और निजी छात्रावास तलाश रहे हैं। दक्षिण परिसर के जियोजी छात्रावास की 2026-27 सत्र की प्रवेश प्रक्रिया में भी सीटों और पात्रता को लेकर निर्धारित सीमाएं हैं। ऐसे में सभी इच्छुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के छात्रावास में जगह मिल पाना आसान नहीं है। छात्रावास की सीमित उपलब्धता के कारण निजी आवास पर निर्भरता बढ़ रही है। द्वारका में भी छात्रावास की सीटें सीमित गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में विश्वविद्यालय के 4 छात्रावास हैं। इनमें 2 छात्रावास विद्यार्थियों और 2 छात्रावास छात्राओं के लिए बताए गए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार प्रत्येक छात्रावास में 180 से अधिक एकल-सीट वाले कमरे हैं। इसके बावजूद विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों के लिए छात्रावास उपलब्ध होना सुनिश्चित नहीं है। छात्रावास का आवंटन निर्धारित प्राथमिकताओं और योग्यता के आधार पर किया जाता है। जिन विद्यार्थियों को तत्काल सीट नहीं मिलती, उनके लिए प्रतीक्षा सूची की व्यवस्था भी रहती है। पूर्वी दिल्ली परिसर में भी आवास की मांगइंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के पूर्वी दिल्ली परिसर में भी 2026-27 सत्र के लिए छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विश्वविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों और छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास संबंधी सूचनाएं जारी की गई हैं। परिसर में नए विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने के साथ आसपास के क्षेत्रों में किराये के कमरों और निजी छात्रावासों की मांग बढ़ने की संभावना है। इससे स्थानीय आवास बाजार में भी गतिविधियां बढ़ रही हैं। छात्रों की प्राथमिकता सुरक्षित और किफायती आवास नए विद्यार्थियों का कहना है कि विश्वविद्यालय में प्रवेश मिलना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जरूरी परिसर के आसपास सुरक्षित और किफायती आवास मिलना भी है।

आईपीयू में जलवायु-अनुकूल पर्यावरण प्रबंधन पर तकनीकी संगोष्ठी आयोजित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ समुदाय: बड़े प्रभाव के लिए छोटे कदम थीम के तहत वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण पर तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय बदलावों के बीच मलेरिया, डेंगू सहित वेक्टर जनित रोगों के बढ़ते जोखिम पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को आईपीयू के सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज (सीएससीसी), यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट (यूएसईएम) ने आईसीएमआर-राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर), कैराह वुमेन फाउंडेशन और दिल्ली नगर निगम के सहयोग से किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता यूएसईएम के डीन प्रो. वरुण जोशी ने की। तकनीकी सत्र में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एनसीडीसी से डॉ. आकाश श्रीवास्तव ने जलवायु जनित डेंगू और मलेरिया जोखिम ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया। कैराह वुमेन फाउंडेशन की डॉ. रूप कुमारी ने जलवायु परिवर्तन, वेक्टर जनित रोगों और एकीकृत वेक्टर प्रबंधन के बीच संबंधों पर विचार रखे। संगोष्ठी में वन हेल्थ इन एक्शन विषय पर पैनल चर्चा भी हुई। इसकी अध्यक्षता सीएससीसी, यूएसईएम के प्रमुख प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य ने की, जबकि सह-अध्यक्षता प्रो. एन.सी. गुप्ता ने की। सत्र का संचालन आईसीएमआर-आरएमआरसी गोरखपुर के पूर्व निदेशक और आईसीएमआर में रोग उन्मूलन के अध्यक्ष डॉ. रजनी कांत ने किया। पैनल में टीसीआई फाउंडेशन के राष्ट्रीय तकनीकी लीड एवं एनआईएमआर के पूर्व वैज्ञानिक जी डॉ. रमेश सी. धीमान, एनआईएमआर-आईसीएमआर के वैज्ञानिक जी डॉ. हिम्मत सिंह और दिल्ली नगर निगम की डॉ. अंजलि ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने वेक्टर नियंत्रण, जलवायु परिवर्तन, शहरी पर्यावरण प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी को एक साथ लेकर चलने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान मलेरिया और वेक्टर जनित रोग नियंत्रण में उल्लेखनीय योगदान के लिए सर रोनाल्ड रॉस पुरस्कार राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र, दिल्ली की निदेशक डॉ. तनु जैन को प्रदान किया गया। वहीं वेक्टर नियंत्रण में उत्कृष्टता पुरस्कार पश्चिम बंगाल की आईडीएसपी की राज्य कीट विज्ञानी डॉ. सूरजिता बनर्जी को दिया गया। छात्रों के लिए संवादात्मक सत्र और क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रमुख सिफारिशें प्रस्तुत की गई और पुरस्कार वितरण किया गया। संगोष्ठी का समापन जन-स्वास्थ्य संस्थानों, पर्यावरण विशेषज्ञों, शोधकताओं, समुदायों और शहरी प्राधिकरणों के बीच सहयोग मजबूत करने की अपील के साथ हुआ।

शाहदरा में दो बदमाश गिरफ्तार, अवैध चाकू और चोरी की स्कूटी बरामद

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अलग-अलग कार्रवाई में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध बटनदार चाकू बरामद किए हैं। विवेक विहार थाना पुलिस ने एक आरोपित से चोरी की एक्टिवा स्कूटी भी बरामद की और चोरी के चार मामलों को सुलझाने का दावा किया है। गीता कॉलोनी थाना पुलिस ने 19 अगस्त को यमुना खादर स्थित पुश्ता रोड के पास संदिग्ध गतिविधि के आधार पर दीपक उर्फ दीपु उर्फ जुम्फर को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से बटनदार चाकू बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार आरोपी गीता कॉलोनी थाने का बदमाश है और उसके खिलाफ पहले से 32 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पूछताछ में उसने 5 अगस्त को गुरुद्वारे के पास हुई चोरी में भी संलिप्तता स्वीकार की। वहीं विवेक विहार थाना पुलिस ने ज्वाला नगर स्थित श्मशान घाट के पास से करीब 20 वर्षीय सोहेल उर्फ गोलू को गिरफ्तार किया। उसके पास से बटनदार चाकू और बिना नंबर की काली एक्टिवा 125 बरामद हुई। जांच में स्कूटी सीमापुरी थाने में दर्ज चोरी के मामले में वांछित निकली। पूछताछ के बाद पुलिस ने विवेक विहार थाने में दर्ज चोरी के चार मामलों को भी सुलझाने का दावा किया है। दोनों मामलों में आगे की जांच जारी है। शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने पुलिस टीमों की कार्रवाई को प्रभावी बताया।

डीएचएल एक्सप्रेस की राखी एक्सप्रेस भारत से अंतर्राष्ट्रीय शिपमेंट पर 50% की छूट के साथ वापस आ गई है

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। दूरी का यह अर्थ नहीं है कि रक्षाबंधन को खास बनाने वाली छोटी-छोटी बातें छूट जाएँ। डीएचएल एक्सप्रेस ने राखी एक्सप्रेस को वापस लाया है, जिसके तहत ग्राहकों को भारत से अंतर्राष्ट्रीय शिपमेंट* पर फ्लैट 50% की छूट दी जा रही है, ताकि वे दुनिया भर में अपने प्रियजनों को राखियाँ और उपहार भेज सकें। यह ऑफर 27 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक मान्य है और इसे प्रोमो कोड DHLRAKHI50 के साथ उपयोग किया जा सकता है। ग्राहक पूरे भारत में डीएचएल एक्सप्रेस और ब्लू डार्ट रिटेल सर्विस पॉइंट्स, MyDHL+ या डीएचएल एक्सप्रेस कस्टमर सर्विस के माध्यम से बुकिंग कर सकते हैं। अलग-अलग देशों और महाद्वीपों में रहने वाले परिवारों के लिए एक राखी, एक उपहार या एक छोटा-सा त्योहारी सरप्राइज भी उसके भौतिक मूल्य से कहीं अधिक महत्व रख सकता है। राखी एक्सप्रेस को इन निजी पलों को भेजना आसान, अधिक सुलभ और अधिक किफायती बनाने के लिए तैयार किया गया है। रक्षाबंधन उन अवसरों में से एक है जब दूरी थोड़ी अधिक महसूस होती है। दुनिया भर में भेजी गई एक राखी या उपहार भले ही एक छोटा पैकेज हो, पर इसमें बहुत सारी भावनाएँ जुड़ी होती हैं। डीएचएल एक्सप्रेस में हम इसे हर साल देखते हैं। भारत भर के परिवार दूर रहने वाले अपने प्रियजनों के साथ त्योहार मनाने के तरीके खोजते रहते हैं। राखी एक्सप्रेस के माध्यम से हम अपने अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क की विश्वसनीयता और भारत से अंतर्राष्ट्रीय शिपमेंट पर फ्लैट 50% छूट के साथ इस जुड़ाव को थोड़ा आसान बनाना चाहते हैं। चाहे वह राखी हो, उपहार हो या बस यह याद दिलाने वाला संदेश कि कोई आपके बारे में सोच रहा है, हमें इस भावना को सीमाओं के पार पहुँचाने में खुशी होती है, डीएचएल एक्सप्रेस के वाइस प्रेसिडेंट (कमर्शियल), भारत, संदीप जुनेजा ने कहा।. डीएचएल एक्सप्रेस भारत को 220 से अधिक देशों और क्षेत्रों से जोड़ता है, और शिपमेंट ट्रैकिंग, एसएमएस तथा ईमेल सूचनाएँ और ऑन डिमांड डिलीवरी जैसी सेवाओं के साथ एंड-टू-एंड शिपमेंट विज़िबिलिटी प्रदान करता है, जिससे ग्राहकों को अपने अंतर्राष्ट्रीय शिपमेंट पर अधिक नियंत्रण मिलता है। ग्राहक इस ऑफर के बारे में डीएचएल एक्सप्रेस के टोल-फ्री नंबर 1800 30 345 पर कॉल करके, डीएचएल एन्क्वायरी पेज पर जाकर या MyDHL+ के माध्यम से कोटेशन प्राप्त करके और अपनी शिपमेंट बुक करके पूछताछ कर सकते हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट की टिप्पणी: मूल अपराध में मिली गिरफ्तारी से सुरक्षा पीएमएलए मामले में स्वत: लागू नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अग्रिम जमानत की मांग करने वाले एक आरोपी को राहत देने से इन्कार करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मूल अपराध की प्राथमिकी में गिरफ्तारी से मिली सुरक्षा का लाभ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत दर्ज अलग मामले में स्वतः नहीं दिया जा सकता। अदालत ने आरोपी की उस दलील को स्वीकार नहीं किया, जिसमें कहा गया था कि गिरफ्तारी की आशंका पर विचार करते समय मूल अपराध की प्राथमिकी में सुप्रीम कोर्ट से मिली गिरफ्तारी से सुरक्षा को ध्यान में रखा जाना चाहिए। हाई कोर्ट ने माना कि पीएमएलए के तहत होने वाली कार्यवाही अलग प्रकृति की है और इसमें आरोपी को केवल मूल अपराध में मिली सुरक्षा के आधार पर राहत नहीं दी जा सकती। आर्थिक अपराधों के लिए अलग दृष्टिकोण जरूरी अदालत ने कहा कि आर्थिक अपराध सामान्य अपराधों से अलग श्रेणी में आते हैं। ऐसे मामलों में गहरी साजिश और बड़े पैमाने पर वित्तीय प्रभाव शामिल हो सकते हैं। इसलिए अग्रिम जमानत की अर्जी पर विचार करते समय आर्थिक अपराधों की प्रकृति और उनके व्यापक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए अलग दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता होती है। राम सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज इन टिप्पणियों के साथ अदालत ने बाबाजी फाइनेंस ग्रुप से जुड़े याचिकाकर्ता राम सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली स्थित उनके आवास पर तलाशी के बाद उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। जांच एजेंसी का आरोप है कि याचिकाकर्ता मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल थे। आरोपी की ओर से मूल अपराध की प्राथमिकी में मिली गिरफ्तारी से सुरक्षा को आधार बनाकर पीएमएलए मामले में भी गिरफ्तारी से संरक्षण की मांग की गई थी, लेकिन अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, रविवार, 23 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

डीयू के स्नातक प्रोग्राम में दाखिले का अंतिम मौका

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत विभिन्न प्रोग्राम में स्नातक दाखिले के लिए छात्रों को अंतिम मौका मिलने जा रहा है। डीयू रविवार आज स्पॉट राउंड-1 के दाखिले की प्रक्रिया को शुरू करेगा। इसके तहत 23 अगस्त को ही कॉलेजों में विभिन्न प्रोग्राम की खाली सीटों को जानकारी जारी होगी और आवेदन प्रक्रिया भी शुरू होगी। दाखिले के इच्छुक छात्र 23 से 24 अगस्त तक अपने डैशबोर्ड के माध्यम से खाली सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकेंगे। मालूम हो कि डीयू में अभी भी करीब पांच हजार से अधिक सीटें खाली हैं। स्पॉट राउंड-1 में छात्रों को सीट को अपग्रेड करने व दाखिले को वापस लेने का अवसर नहीं मिलेगा। इस राउंड में केवल वे छात्र दाखिला पाने के योग्य होंगे जिन्हें 22 अगस्त रात 11:59 बजे तक कहीं दाखिला नहीं मिल सका है। इसके लिए उम्मीदवारों को अपने डैशबोर्ड से स्पॉट एडमिशन विकल्प चुनना होगा। उम्मीदवार केवल उन्हीं प्रोग्राम-कॉलेज संयोजनों का चयन कर सकेंगे, जिनमें उनकी श्रेणी के अनुसार सीटें खाली होंगी। सीट आवंटित होने के बाद उसे स्वीकार करना अनिवार्य होगा। इस राउंड में सीटों का आवंटन 25 अगस्त को किया जाएगा।

सज्जन कुमार को आदर्श बताने पर राहुल गांधी के आवास का घेराव

नई दिल्ली। 1984 के सिख कत्लेआम के दोषी सज्जन कुमार को कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा द्वारा आदर्श बताए जाने के विरोध में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों के नेतृत्व में शनिवार को दिल्ली कमेटी सदस्यों और शिरोमणि अकाली दल दिल्ली प्रदेश के नेताओं ने राहुल गांधी के आवास का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कालका और काहलों समेत सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि राहुल गांधी, दीपेंद्र हुड्डा को तत्काल कांग्रेस से बाहर करें और 1984 के सिख कत्लेआम के पीड़ित परिवारों तथा सिख समाज से माफी मांगें। गिरफ्तारी के बाद पुलिस वाहन में मीडिया से बातचीत करते हुए हरमीत सिंह कालका और जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि 1984 के सिख कत्लेआम के मामलों में दोषी सज्जन कुमार को कांग्रेस के किसी नेता द्वारा आदर्श बताया जाना बेहद शर्मनाक है।

महापौर ने प्रशांत विहार में मेगा मार्च में लिया भाग

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने उत्तर पश्चिम क्षेत्र के प्रशांत विहार में शनिवार को मेगा मार्च का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि निगम दिल्ली को स्वच्छ, कूड़ा मुक्त एवं हरित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित मेगा मार्च में लगभग दो किलोमीटर चलकर श्रमदान किया एवं सड़क पर झाड़ू भी लगाई। उन्होंने सड़क किनारे लगे पेड़ों की छटाई करने के निर्देश दिए और सड़कों से अतिक्रमण हटाने के लिए कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए। प्रवेश वाही ने सड़कों के गड्ढों को भरने के लिए अधिकारियों को आदेश दिए। मेगा मार्च के दौरान मच्छर मारने वाली कीटनाशक दवा का भी छिड़काव किया गया। नागरिकों को जागरूक करने के लिए स्वच्छता के ऊपर एक नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। मेगा मार्च के दौरान महापौर ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता दिल्ली नगर निगम का प्राथमिक कार्य है, दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाने की मुहिम में जनता का भी साथ चाहिए।

डूसू चुनाव की तैयारी तेज, पोस्टर से ज्यादा सामाजिक माध्यमों पर प्रचार की तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव को लेकर परिसर में राजनीतिक गतिविधियां धीरे-धीरे तेज होने लगी हैं। उत्तर परिसर में छात्र संगठनों और संभावित उम्मीदवारों ने छात्रों से संपर्क बढ़ाना शुरू कर दिया है। हालांकि, परिसर की दीवारों और सड़कों पर अभी चुनावी पोस्टर तथा बड़े काफिले नजर नहीं आ रहे हैं। इसके बजाय संभावित उम्मीदवार सामाजिक माध्यमों और छोटे समूहों के जरिए विद्यार्थियों तक पहुंच बनाने की रणनीति पर जोर दे रहे हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के लिए मतदान 18 सितंबर को और मतगणना 19 सितंबर को प्रस्तावित है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 10 सितंबर निर्धारित की गई है। ऐसे में उम्मीदवारों और छात्र संगठनों के पास औपचारिक चुनाव प्रचार शुरू होने से पहले संगठनात्मक स्तर पर तैयारी करने और मतदाताओं से संपर्क बढ़ाने का समय है।

विश्वविद्यालयों को सार्वजनिक नीति और सतत जीवनशैली के मॉडल तैयार करने में भागीदार बनना होगा : विजेन्द्र गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि बेहतर कानून और प्रभावी नीतियों के लिए विश्वसनीय शोध, ठोस तथ्य और जमीनी स्तर के प्रमाण आवश्यक हैं। विश्वविद्यालयों को शोध आधारित ज्ञान विधायिकाओं और सरकारों तक पहुंचाने के साथ-साथ सार्वजनिक नीति और सतत जीवनशैली के प्रभावी मॉडल तैयार करने में सक्रिय भागीदार बनना होगा। विजेन्द्र गुप्ता फरीदाबाद स्थित मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज में आयोजित दो दिवसीय कुलपति सम्मेलन 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सम्मेलन को केवल विचार-विमर्श का मंच न बताते हुए इसे बेहतर और टिकाऊ भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प का अवसर बताया। विधायिकाओं और विश्वविद्यालयों के बीच मजबूत हो समन्वय विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधायिकाएं कानून बनाती हैं, बजट स्वीकृत करती हैं और सरकारों को जवाबदेह बनाती हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय शोध आधारित सुझाव, पर्यावरण संबंधी कानूनों पर विशेषज्ञ राय और छात्रों की लोकतांत्रिक संस्थाओं में अधिक भागीदारी के माध्यम से इस प्रक्रिया को और मजबूत कर सकते हैं। 22 और 23 अगस्त को आयोजित सम्मेलन की मुख्य विषयवस्तु उच्च शिक्षण संस्थानों को सतत और बदलती परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम बनाने तथा हरित परिसर विकसित करने पर केंद्रित है। सम्मेलन में मानव रचना शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भल्ला, डॉ. एच. डी. चरण, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि से जुड़े सदस्य, देशभर के विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रति-कुलपति और निदेशक तथा विभिन्न प्रमुख तकनीकी एवं प्रबंधन संस्थानों के प्रतिनिधि, शिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए। बेहतर मनुष्य के साथ बेहतर पृथ्वी का लक्ष्य मानव रचना शिक्षण संस्थानों के 30 वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि संस्थान का आदर्श वाक्य ह्यबेहतर मनुष्य का निर्माणह्न तभी अधिक सार्थक होगा, जब इसे बेहतर पृथ्वी के निर्माण की जिम्मेदारी से जोड़ा जाए। उनके अनुसार बेहतर मनुष्य और बेहतर पृथ्वी एक-दूसरे से अलग लक्ष्य नहीं हो सकते। उन्होंने जलवायु परिवर्तन को वर्तमान समय की वास्तविकता बताते हुए दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ती गर्मी, सर्दियों में धुंध, वायु प्रदूषण, अचानक आने वाली बाढ़ और भूजल स्तर में गिरावट का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यमुना की स्थिति, वायु गुणवत्ता और भूजल का क्षरण केवल पर्यावरण से जुड़े विषय नहीं हैं, बल्कि इनका सीधा संबंध जनस्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों से है।

मूल अपराध की प्राथमिकी में मिली सुरक्षा स्वतः पीएमएलए मामले में लागू नहीं होगी: अदालत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि मूल अपराध से जुड़ी प्राथमिकी में मिली सुरक्षा का मतलब यह नहीं है कि वह धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही अलग और स्वतंत्र कार्यवाही में भी लागू होगी। उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी पीएमएलए मामले में अभियोजन का सामना कर रहे एक कारोबारी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए की। इसने याचिकाकर्ता की इस दलील को मानने से इनकार कर दिया कि गिरफ्तारी की उसकी आशंका पर उच्चतम न्यायालय द्वारा मूल अपराध की प्राथमिकी में उसे दी गई सुरक्षा के संदर्भ में विचार किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति मधु जैन ने 18 अगस्त के अपने आदेश में कहा, मूल अपराध की प्राथमिकी में दी गई सुरक्षा उसी प्राथमिकी के संदर्भ में लागू होती है और इसे अपने आप पीएमएलए के तहत चल रही अलग एवं स्वतंत्र कार्यवाही तक विस्तारित नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा, याचिकाकर्ता केवल इस आधार पर मौजूदा कार्यवाही में गिरफ्तारी से पहले की सुरक्षा का दावा नहीं कर सकता कि उसे मूल अपराध में ऐसी सुरक्षा प्रदान की गई है। अदालत ने कहा कि आर्थिक अपराध एक अलग श्रेणी के अपराध होते हैं और इसलिए जमानत याचिका पर विचार करते समय इनके लिए अलग दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत होती है। यह मामला बाबाजी फाइनेंस ग्रुप के राम सिंह की अग्रिम जमानत याचिका से जुड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के आरोप में मामला दर्ज किया था। ईडी ने दिल्ली स्थित आरोपी के आवास पर तलाशी के बाद यह माना था कि याचिकाकर्ता धनशोधन मामले में मुख्य साजिशकर्ता है। जांच एजेंसी के वकील ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी को राहत के लिए पहले सत्र अदालत का रुख करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि आरोपी जांच में शामिल नहीं हुआ और बार-बार समन जारी होने के बावजूद जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि मामला गंभीर धनशोधन आरोपों से जुड़ा है और कथित अपराध से अर्जित धन की पूरी श्रृंखला की विस्तृत जांच जरूरी है।

रील बनाने के विवाद में किशोर को चाकू से गोदा

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नांगलोई और मंगोलपुरी रेलवे स्टेशनों के बीच रील बना रहे एक 17 वर्षीय किशोर की तीन लड़कों ने चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी। दिल्ली पुलिस की रेलवे यूनिट ने कत्ल की गुत्थी को सुलझाते हुए तीन किशोरों को पकड़ लिया। रेलवे पुलिस के मुताबिक, गुरुवार शाम करीब छह बजे मंगोलपुरी का रहने वाला 17 वर्षीय पीड़ित अपने दो दोस्तों मुन्ना गुप्ता और एक अन्य नाबालिग के साथ राज पार्क औद्योगिक क्षेत्र के पास रेलवे ट्रैक पर मोबाइल से रील बना रहा था। तभी वहां से गुजर रहे तीन लड़के उनके पास आए और रील बनाने में दखल देने लगे। पीड़ित के विरोध करने पर दोनों पक्षों में झड़प शुरू हो गई।

दिल्ली में बीच सड़क पर आग का गोला बनी कार, बाल-बाल बची जान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

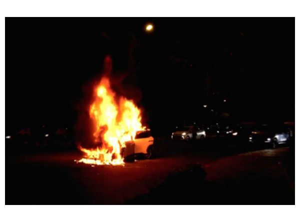

नई दिल्ली। दिल्ली में बीच सड़क पर एक चलती हुई कार आग का गोला बन गई और वह धू-धू कर जलने लगी। आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि, गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह घटना रायसीना रोड की बताई जा रही है। बताया गया कि शुक्रवार को एक परिवार कार में सवार होकर कहीं जा रहा था, तभी अचानक कार में आग लग गई। हालांकि, राहत की बात यह रही है कि इस घटना में जनहानि की कोई खबर नहीं है, कार में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू दिल्ली के रायसीना रोड से सामने आई आगजनी की घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। आग लगने की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल, आग को बुझा लिया गया है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। साथ ही मामले आगे की अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जा रही है। कार चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा दिल्ली के रायसीना रोड में चलती कार में आग लगने के मामले में कार मालिक का बयान भी सामने आया है। कार के मालिक का कहना है, मैं अपने परिवार को लेने जा रहा था। अचानक मेरी कार गर्म होने लगी, लेकिन मुझे इसका पता नहीं चला। दूसरे व्यक्ति ने मुझे इस बारे में बताया। फिर हम कार से बाहर निकले।

आईपीयू में जलवायु-अनुकूल पर्यावरण प्रबंधन पर तकनीकी संगोष्ठी आयोजित

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ समुदायः बड़े प्रभाव के लिए छोटे कदम थीम के तहत वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण पर तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय बदलावों के बीच मलेरिया, डेंगू सहित वेक्टर जनित रोगों के बढ़ते जोखिम पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को आईपीयू के सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज (सीएससीसी), यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट (यूएसईएम) ने आईसीएमआर-राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर), केराह वुमेन फाउंडेशन और दिल्ली नगर निगम के सहयोग से किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता यूएसईएम के डीन प्रो. वरुण जोशी ने की। तकनीकी सत्र में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एनसीडीसी से डॉ. आकाश श्रीवास्तव ने जलवायु जनित डेंगू और मलेरिया जोखिम ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया। केराह वुमेन फाउंडेशन की डॉ. रूप कुमारी ने जलवायु परिवर्तन, वेक्टर जनित रोगों और एकीकृत वेक्टर प्रबंधन के बीच संबंधों पर विचार रखे। संगोष्ठी में वन हेल्थ इन एक्शन विषय पर पैनल चर्चा भी हुई। इसकी अध्यक्षता सीएससीसी, यूएसईएम के प्रमुख प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य ने की, जबकि सह-अध्यक्षता प्रो. एन. सी. गुप्ता ने की। सत्र का संचालन आईसीएमआर-आरएमआरसी गोरखपुर के पूर्व निदेशक और आईसीएमआर में रोग उन्मूलन के अध्यक्ष डॉ. रजनी कांत ने किया। पैनल में टीसीआई फाउंडेशन के राष्ट्रीय तकनीकी लीड एवं एनआईएमआर के पूर्व वैज्ञानिक जी डॉ. रमेश सी. धीमान, एनआईएमआर-आईसीएमआर के वैज्ञानिक जी डॉ. हिम्मत सिंह और दिल्ली नगर निगम की डॉ. अंजलि ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने वेक्टर नियंत्रण, जलवायु परिवर्तन, शहरी पर्यावरण प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी को एक साथ लेकर चलने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान मलेरिया और वेक्टर जनित रोग नियंत्रण में उल्लेखनीय योगदान के लिए सर रोनाल्ड रॉस पुरस्कार राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र, दिल्ली की निदेशक डॉ. तनु जैन को प्रदान किया गया।

दिल्ली के हॉस्टल में मृत पाई गई 19 साल की नर्सिंग छात्रा, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में एक हॉस्टल के कमरे में बीएससी नर्सिंग की 19 साल की थर्ड-ईयर की छात्रा मृत पाई गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और उसकी मौत से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगा रही है। दिल्ली के नजफगढ़ की रहने वाली यह छात्रा शुक्रवार को अपने हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटकी हुई पाई गई। उसके साथ रहने वाले छात्रों ने उसे देखा था। उसे तुरंत मेडिकल मदद के लिए सर गंगा राम अस्पताल ले जाया गया, जहां अधिकारियों को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर राजेंद्र नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी हॉस्टल पहुंचे और जरूरी कानूनी कार्यवाही शुरू की। जांच के तहत घटनास्थल का मुआयना करने और सबूत इकट्ठा करने के लिए क्राइम टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने कहा कि वे छात्रा की मौत से पहले हुई घटनाओं की जांच कर रहे हैं और यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि घटना किन परिस्थितियों में हुई। आगे की पूछताछ जारी है। सर गंगा राम अस्पताल प्रशासन ने मौत पर हैरानी और चिंता जताई और कहा कि वे जांच अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। अस्पताल ने एक बयान में कहा कि चल रही जांच के तहत मामले के सभी जरूरी पहलुओं, जिसमें घटना से पहले की परिस्थितियां भी शामिल हैं, की जांच की जा रही है। अस्पताल ने कहा, अस्पताल प्रशासन जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग दे रहा है और घटना से पहले की परिस्थितियों सहित सभी जरूरी तथ्यों की जांच की जा रही है। प्रशासन ने आगे कहा कि वे अधिकारियों द्वारा मांगी गई कोई भी जानकारी देंगे और जांच में मामले के तथ्य सामने आने के बाद और जानकारी साझा करेंगे।

सैदुलाजाब इमारत हादसे में आरोपपत्र पर कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के सैदुलाजाब इलाके में इमारत हादसे के मामले में साकेत जिला अदालत ने पुलिस की ओर से दाखिल आरोपपत्र पर संज्ञान ले लिया है। हादसे में छह लोगों की मौत हुई थी और 12 लोग घायल हुए थे। पुलिस ने इस मामले में इमारत मालिक कर्मवीर सिंह समेत तीन लोगों को आरोपी बनाया है। अन्य आरोपियों में बिल्डर मनीष खत्री व अविनाश गुप्ता शामिल हैं। तीनों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शिवम गुप्ता की अदालत ने आरोपपत्र पर संज्ञान लिया। अदालत ने आरोपियों के वकील को आरोपपत्र की प्रति उपलब्ध कराई।

पुलिस ने 15 साल से फरार रंगदारी के मामले में 72 वर्षीय आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने एक ऐसे अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो जबरन वसूली के एक मामले में करीब 15 साल से फरार चल रहा था। दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और राजस्थान में बड़े पैमाने पर अंतर-राज्यीय तलाशी के बाद स्पेशल सेल की साउथ-वेस्टर्न रेंज की टीम ने राजस्थान के जयपुर के रहने वाले 72 वर्षीय आरोपी हरि सिंह शेखावत को गिरफ्तार किया। यह मामला 2008 का है, जब शेखावत ने एक बड़ी मल्टीनेशनल गारमेंट कंपनी में काम करते हुए कथित तौर पर उससे पैसे ऐंठने की कोशिश की थी। इस घटना के बाद स्पेशल सेल पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 384, 389, 506 और 511 के तहत मामला दर्ज किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, इसके बाद शेखावत कई बार अदालत में पेश नहीं हुए और कानूनी कार्यवाही से बचते रहे। लगातार पेश न होने के कारण अदालत ने 2 अप्रैल, 2016 को उन्हें घोषित अपराधी करार दिया। सनसनीखेज अपराधों में शामिल फरार अपराधियों और भगोड़ों का पता लगाने की हालिया कोशिशों को देखते हुए ऐसे अपराधियों का पीछा करने और उन्हें आगे अपराध करने से रोकने के लिए एसडब्ल्यूआर/स्पेशल सेल की एक टीम बनाई गई थी। एसीपी पूरन चंद्र पंत की देखरेख में इंस्पेक्टर संदीप यादव और इंस्पेक्टर नीरज कुमार ने टीम का नेतृत्व किया। अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर निगरानी की और उन अपराधियों का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास किए जो लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि एक महीने से ज्यादा समय तक की कड़ी छानबीन के बाद यह पता चला कि शुरू में वह इस मामले में कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए गुजरात चला गया था और बाद में राजस्थान चला गया। जांचकताओं को पता चला कि शेखावत ने शुरू में रंगदारी के मामले से जुड़ी कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए गुजरात का रुख किया था। इसके बाद वह राजस्थान चले गए, जहां वह छिपकर रहे और कई सालों तक गिरफ्तारी से बचते रहे। 13 अगस्त को स्पेशल सेल की टीम को पक्की जानकारी मिली कि लंबे समय से लंबित मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार आरोपी राजस्थान के जयपुर में छिपा हुआ है। जानकारी मिलने के बाद तुरंत एक खास रेडिंग टीम बनाई गई और उसे जयपुर भेजा गया। पुलिस टीम ने जयपुर में सघन तलाशी अभियान चलाया और आखिरकार पुष्टि की कि आरोपी शहर की एक रिहायशी सोसाइटी में रह रहा था। उसकी मौजूदगी की पुष्टि करने और उसकी पहचान पक्की करने के बाद, टीम ने शेखावत को उस रिहायशी परिसर से पकड़ लिया। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद आरोपी को कानून के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे अधिकारियों से बचकर भागने का उसका लंबा दौर खत्म हो गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ्तारी लगातार निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और कई राज्यों में किए गए समन्वित प्रयासों का नतीजा थी, जिनका मकसद उस आरोपी का पता लगाना था जो कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए बार-बार अपना ठिकाना बदल रहा था। हरि सिंह शेखावत एक्सएलआरआई से ग्रेजुएट हैं और उन्होंने अपने प्रोफेशनल करियर के दौरान कई जानी-मानी मल्टीनेशनल कंपनियों में सीनियर पदों पर काम किया है।

आईपीयू में दूसरे स्पॉट राउंड का सीट आवंटन टला

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) में दाखिला प्रक्रिया के बीच काउंसलिंग सॉफ्टवेयर में तकनीकी खामी सामने आई है। इसके चलते स्पॉट राउंड-2 ऑनलाइन काउंसलिंग में कुछ अभ्यर्थियों को गलती से सीट आवंटित होने का मामला सामने आया है। विश्वविद्यालय ने संबंधित पाठ्यक्रमों के परिणामों की दोबारा जांच कर उन्हें संशोधित करने का फैसला लिया है। इसके साथ ही 23 अगस्त से प्रस्तावित स्पॉट राउंड-3 की ऑफलाइन काउंसलिंग का कार्यक्रम भी वापस ले लिया गया है। विश्वविद्यालय के अनुसार, स्पॉट राउंड-2 में सीट आवंटित होने के बाद कुछ अभ्यर्थियों ने इसकी जानकारी विश्वविद्यालय को दी। जांच में पता चला कि काउंसलिंग सॉफ्टवेयर की तकनीकी त्रुटि के कारण कुछ अभ्यर्थियों को अनजाने में सीट आवंटित हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय ने प्रतिभागी अभ्यर्थियों के हित में परिणामों की दोबारा जांच और जरूरत के अनुसार संशोधन का निर्णय लिया है।

आईआईटी दिल्ली के छात्र ने छठी मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के आईआईटी कैंपस में एक छात्र ने कथित तौर पर छठी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। छात्र की पहचान ऋषिकेश कुमार के रूप में हुई है, जो आईआईटी दिल्ली से एमएससी (फिजिक्स) की पढ़ाई कर रहा है। वह सेकेंड ईयर का छात्र था। शुरूआती जानकारी के अनुसार, ऋषिकेश कुमार ने कथित तौर पर आईआईटी दिल्ली के शैक्षणिक परिसर में लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल से छलांग लगाई। पुलिस ने बताया कि बताया गया कि सुबह लगभग 8.33 बजे किशनगढ़ थाने को एक पीसीआर कॉल मिली कि आईआईटी दिल्ली कैंपस में एक छात्र इमारत से कूद गया है। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को आईआईटी दिल्ली कैंपस के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, छात्र ऋषिकेश सुबह लगभग 8 बजे वह मुख्य गेट से आईआईटी दिल्ली कैंपस में दाखिल हुआ था। इसके बाद वह लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स गया, लिफ्ट से छठी मंजिल पर पहुंचा और इमारत के सामने की तरफ से (लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स की ओर) कूद गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि छात्र ऋषिकेश शालीमार स्थित शिवालिक हॉस्टल में रहता था। वह अपनी मां के साथ कैंपस के बाहर रह रहा था। जांच और सबूत इकट्ठा करने के लिए क्राइम टीम और एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस के अनुसार, गिरने से लगी चोटों के अलावा शरीर पर चोट का कोई और स्पष्ट निशान नहीं मिला है। कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है।

फतेह नगर में सफेदी के दौरान ऊंचाई से गिरे दो मजदूर, एक की मौत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के फतेह नगर इलाके में शुक्रवार को सफेदी का काम करते समय ऊंचाई से गिरने के कारण एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा डीडी-42 और डीडी-43, फतेह नगर में हुआ। पुलिस के मुताबिक, दोनों मजदूर बिना पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम के ऊंचाई पर सफेदी का काम कर रहे थे। इसी दौरान दोनों नीचे गिर गए। पुलिस को 21 अगस्त की दोपहर पीसीआर कॉल के जरिए हादसे की सूचना मिली। सूचना मिलते ही हरि नगर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। तब तक दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा चुका था। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम टीम और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार, अस्पताल में एक अज्ञात मजदूर को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान गोविंदपुरी निवासी मुन्ना शाह (44) के रूप में हुई। वहीं, हादसे में घायल दूसरे मजदूर राजेश निवासी संगम विहार, संडे मार्केट को दशमेश अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। दर्द अधिक होने के कारण वह फिलहाल पुलिस को अपना बयान नहीं दे सका है। पुलिस उसके बयान के आधार पर हादसे से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाएगी। प्रारंभिक जांच में घटनास्थल के निरीक्षण, साक्ष्यों और आसपास की परिस्थितियों के आधार पर सामने आया कि दोनों मजदूर सफेदी का काम करते समय ऊंचाई से नीचे गिरे।

निहाल विहार में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत, ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में 31 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर विनय गुप्ता की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों ने इस वारदात के लिए उसके ससुराल पक्ष के लोगों को जिम्मेदार ठहराते हुए हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग समझौते और सुलह की बात कहकर विनय के घर पहुंचे थे। आरोप है कि घर पहुंचते ही उन्होंने विनय के साथ बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी। मृतक की मां का कहना है कि उन्होंने अपने बेटे को बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उनकी बात नहीं मानी। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि घटना के दौरान विनय की पत्नी ने घर के सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए थे। विनय की मां ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि उनकी बहू ने अपने भाइयों को घर बुलाया था। उनके मुताबिक, परिवार को लगा कि रिश्तेदार आए हैं और वे उनके लिए पानी की व्यवस्था कर रहे थे, लेकिन आरोप है कि घर पहुंचते ही उन लोगों ने विनय के साथ मारपीट शुरू कर दी। मां का दावा है कि आरोपियों ने विनय के हाथ पकड़े, उसका गला दबाया, उसकी छाती पर कूदे और मेरी आंखों के सामने ही पांच मिनट के भीतर उसे मार डाला।

रेलवे यूनिट ने 8 घंटे के अंदर मर्डर केस सुलझाया, तीन नाबालिग हिरासत में

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में नांगलोई और मंगोलपुरी स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर चाकू से हमला और हत्या के मामले को पुलिस ने 8 घंटे में सुलझा लिया है। इस मामले में तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। रेलवे पुलिस के अनुसार, गुरुवार को एक युवक की चाकू से हमला करके हत्या की गई थी। पूछताछ में चश्मदीदों से पता चला कि शाम करीब 6 बजे एक युवक अपने दोस्तों के साथ नांगलोई और मंगोलपुरी रेलवे स्टेशनों के बीच राज पार्क इंडस्ट्रियल एरिया में रेलवे ट्रैक के पास रील बना रहा था। लगभग 17-20 साल की उम्र के तीन अनजान लड़के उनके पास आए और उनकी गतिविधि में दखल देने लगे, जिससे झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान एक आरोपी ने पीड़ित को पकड़ लिया, जबकि दूसरे ने अपने साथी को चाकू थमा दिया, जिसने पीड़ित के पेट में चाकू घोंप दिया। तीनों आरोपी नांगलोई रेलवे स्टेशन की ओर भाग गए। इसके बाद पीड़ित के दो दोस्त उसे घायल अवस्था में अस्पताल ले गए। इसके अनुसार, सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। बाद में रेलवे पुलिस को सूचना मिली कि पीड़ित की चोटों के कारण मौत हो गई है। इस कारण एफआईआर में अन्य धाराएं जोड़ी गईं। शव का पोस्टमार्टम कराया गया और उसे पीड़ित परिवार को सौंप दिया गया। रेलवे पुलिस ने बताया कि चश्मदीदों, रेलवे ट्रैक/स्टेशनों और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय खुफिया जानकारी और तकनीकी जांच के माध्यम से आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे थे। अपराध में इस्तेमाल हथियार को बरामद करने के प्रयास भी किए जा रहे थे। लगातार कोशिशों के बाद तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ा गया।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, रविवार, 23 अगस्त, 2026

केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने साधा कांग्रेस पर निशाना

फरीदाबाद में बोले- मुस्लिम लीग हो गई; वोट बैंक के लिए राष्ट्रीय भावनाओं से खिलवाड़ गलत

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मुझे लगता है कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीग हो गई है और अगर इसे मुस्लिम लीग कांग्रेस कहें तो अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति के लिए देश की राष्ट्रीय भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। वंदे मातरम् के केवल दो छंद गाए जाने को लेकर कांग्रेस के ओर से उठाए गए सवालों पर उन्होंने कहा कि 1937 में मुस्लिम लीग के दबाव में कांग्रेस ने वंदे मातरम् के चार छंदों को हटाकर केवल दो छंदों तक सीमित किया था।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जिन्ना के नेतृत्व वाली मुस्लिम लीग धर्म के आधार पर देश के विभाजन की जिम्मेदार रही, लेकिन आज उसका कोई नेतृत्व नहीं है। इसके बावजूद कांग्रेस उसी रास्ते पर चलती दिखाई दे रही है। कृष्णपाल गुर्जर का यह बयान ऐसे समय आया है जब वंदे मातरम् को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज है। राहुल गांधी के थाने के बाहर प्रदर्शन को लेकर भी कृष्णपाल गुर्जर ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी के नेता का थाने के बाहर धरने पर बैठना शोभा नहीं देता। जिस मामले को लेकर राहुल गांधी प्रदर्शन कर रहे हैं, उसमें सुप्रीम कोर्ट की ओर से कमेटी बनाकर जांच की जा रही है। ऐसे में थाने के बाहर बैठकर धरना देने का क्या औचित्य है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को आत्मचिंतन करने की सलाह दी। वहीं सराय काले खां से DME-KMP को जोड़ने वाले मार्ग के ट्रायल के तौर पर खुलने को उन्होंने फरीदाबाद और पलवल के लोगों के लिए बड़ी सौगात बताया। उन्होंने कहा कि इससे दिल्ली जाने वाले लोगों का सफर काफी आसान होगा और फरीदाबाद से सराय काले खां तक पहुंचने में लगने वाला समय करीब 10 से 15 मिनट तक सिमट सकता है। इससे बदरपुर बॉर्डर, आश्रम और कालिंदी कुंज की ओर ट्रैफिक का दबाव भी कम होने की उम्मीद है। कृष्णपाल गुर्जर ने बताया कि इस परियोजना पर 6 हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुआ है। कहा कि फरीदाबाद को आने वाले समय में जेवर एयरपोर्ट कनेक्टिविटी, मंझावली पुल, फ्फ्ळर और बल्लभगढ़-पलवलक मेट्रो जैसी परियोजनाओं का भी लाभ मिलेगा। आश्रम से सराय ख्वाजा तक जाम खत्म करने के लिए दिसंबर से काम शुरू होने की बात भी उन्होंने कही।

फरीदाबाद में लोगों का 2 दिन का सांकेतिक धरना शुरू

पल्ला-सेहतपुर रोड बदहाल, दो अक्टूबर से भूख हड़ताल की चेतावनी

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। शहर के पल्ला-सेहतपुर रोड का निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से परेशान स्थानीय लोगों ने दो दिन का सांकेतिक धरना शुरू कर दिया। लोगों का कहना है कि सड़क की हालत लंबे समय से खराब है, लेकिन बार-बार अधिकारियों से शिकायत और मुलाकात के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि दो दिनों के धरने के दौरान उन्हें सड़क निर्माण शुरू होने की निश्चित तारीख और समय नहीं बताया गया, तो वे 2 अक्टूबर से भूख हड़ताल शुरू करेंगे। लोगों का कहना है कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, बल्कि निर्माण कार्य की शुरूआत जरूरी है। स्थानीय निवासी सतपाल और रघुवीर ने

बताया कि क्षेत्र के लोग पिछले कई वर्षों से टूटी और जर्जर सड़क की समस्या झेल रहे हैं। उनका कहना है कि जब भी वे संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत लेकर जाते हैं, तो जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया जाता है। इसके बावजूद कई साल बीतने के बाद भी सड़क का काम शुरू नहीं हो पाया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बरसात के दिनों में सड़क की स्थिति और भी खराब हो जाती है। सड़क पर पानी भरने के कारण यहां तालाब जैसी स्थिति बन जाती है। कई बार जलभराव इतना अधिक हो जाता है कि लोगों के लिए अपने घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो जाता है।

लोगों का कहना है कि पानी भरी सड़क से गुजरने के दौरान वाहन ड्राइवरों और पैदल राहगीरों को काफी परेशानी होती है। सड़क पर जलभराव के कारण कई बार लोग हादसों का शिकार भी हो जाते हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क का निर्माण जल्द कराने और जलभराव की समस्या से स्थायी राहत दिलाने की मांग की है। धरने पर बैठे लोगों ने साफ किया कि वे लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि दो दिनों में प्रशासन की ओर से निर्माण कार्य शुरू करने की निश्चित तारीख नहीं बताई गई, तो 2 अक्टूबर से भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। लोगों ने कहा कि अब वे केवल आश्वासन नहीं, बल्कि सड़क निर्माण का काम शुरू होते देखना चाहते हैं।

फरीदाबाद में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

घरेलू सामान जला; मकान मालिक बोला- लाखों का नुकसान हुआ

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। के बीपीटीपी थाना क्षेत्र के पहलादपुर गांव में शनिवार सुबह शॉर्ट सर्किट के कारण एक घर में आग लग गई। आग लगने के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। घर से धुआं निकलता देखकर आसपास के लोगों ने इसकी सूचना मकान मालिक, पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। देखते ही देखते आग पूरे घर में फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मकान मालिक शौकीन अली ने बताया कि वह सुबह करीब 8 बजे काम पर चले गए थे। उनकी पत्नी भी काम पर गई थीं, जबकि बच्चे स्कूल गए हुए थे। करीब 10 बजे उन्हें फोन के जरिए

घर में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही वह अपनी कंपनी से छुट्टी लेकर तुरंत घर पहुंचे। वहां पहुंचने पर उन्होंने देखा कि घर के अंदर आग लगी हुई थी और फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंच चुकी थी। अधिकांश घरेलू सामान जला शौकीन अली के अनुसार, घर के बिजली मीटर के आसपास शॉर्ट सर्किट हुआ था। इसी के बाद आग लगने की आशंका है। आग तेजी से पूरे घर में फैल गई और घर में रखा अधिकांश सामान जल गया। आग में फ्रिज, कूलर, वॉशिंग मशीन, टीवी, कपड़े, बेड और अलमारी समेत अन्य घरेलू सामान पूरी तरह जलकर खराब हो गया। उन्होंने बताया कि आग की तेज गर्मी के कारण घर की ऊपरी छत में भी दरारें आ गई हैं, जिसे अब दोबारा ठीक करवाना पड़ेगा। 15 लाख के नुकसान की आशंका मकान मालिक ने बताया कि आग से करीब चार से पांच लाख रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे कुछ सामान बचाया जा सका। हालांकि ऊपर वाले कमरे में रखा लगभग पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया। बीपीटीपी थाना प्रभारी प्रदीप मोर ने बताया कि सुबह करीब 9:45 बजे पुलिस को पहलादपुर गांव में एक मकान में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया।

गुरुग्राम में गाड़ी की टक्कर से व्यक्ति की मौत

कार में सीएनजी भरवाने के लिए पेट्रोल पंप पर रुका, परिवार समेत मंदिर से लौट रहा

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम जिले में फर्रुखनगर निवासी एक व्यक्ति की द्वारका एक्सप्रेसवे स्थित पेट्रोल पंप पर एक वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान वार्ड नंबर-15, पेरणा मोहल्ला, फर्रुखनगर निवासी मुकेश के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक के बेटे अजय की शिकायत पर अज्ञात वाहन ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अजय ने बताया कि, 19 अगस्त को उनके पिता मुकेश अपने भतीजे अरविंद, उसकी पत्नी और बच्चों के साथ कार से शीतला माता मंदिर, गुरुग्राम दर्शन के लिए गए थे। दर्शन के बाद सभी वापस घर लौट रहे थे। अज्ञात वाहन चालक ने मारी टक्कर दोपहर करीब 12:25 बजे वे सीएनजी

भरवाने के लिए द्वारका एक्सप्रेसवे स्थित सेक्टर-102 के बीपी एक्सप्रेस पेट्रोल पंप पर रुके। अजय के अनुसार, पेट्रोल पंप पर सभी लोग कार से नीचे उतर गए। इसी दौरान उनके पिता मुकेश पानी पीने और बाथरूम के लिए चले गए। वापस लौटते समय जब वह पेट्रोल-डीजल मशीन के पास पहुंचे, तो एक अज्ञात वाहन ड्राइवर ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में मुकेश गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके शरीर से काफी खून बहने लगा। पेट्रोल पंप कर्मचारियों और परिजनों ने उन्हें तुरंत सरकारी अस्पताल सेक्टर-10 गुरुग्राम पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें आगे एसजीटी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 21 अगस्त को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने बयान देने के लिए अयोग्य करार दिया था पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद घायल मुकेश की हालत बयान देने योग्य नहीं थी। चिकित्सकों ने उन्हें बयान के लिए अयोग्य बताया था। बाद में उन्हें बेहतर उपचार के लिए रेफर किया गया। 21 अगस्त को एसजीटी अस्पताल से उनकी मृत्यु की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और डेथ समरी सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए। मृतक के बेटे की शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर थाना राजेंद्र पार्क पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 106 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसजीटी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। अज्ञात वाहन चालक की पहचान के लिए पुलिस जांच कर रही है।

फरीदाबाद के होटल में सीएम फ्लाइंग की रेड

हिरासत में दो महिलाएं, कब्जे में लिए दस्तावेज; गलत कामों की सूचना पर कार्रवाई

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। शहर में अवैध और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर सीएम फ्लाइंग और स्थानीय पुलिस की टीम ने खेड़ी थाना क्षेत्र में देर रात एक निजी होटल में छापेमारी की। टीम ने होटल से 2 महिलाओं को हिरासत में लिया है। पुलिस ने होटल के दस्तावेज भी कब्जे में लिए है। खेड़ी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। एडिशनल एसएसचओ सुरेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि टीम ने होटल के कमरों और अन्य स्थानों की जांच की। पुलिस अब होटल से मिले दस्तावेजों और वहां संचालित गतिविधियों की जांच कर रही है। इन दस्तावेजों के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि होटल में किस तरह की गतिविधियां चल रही थीं और होटल का संचालन नियमों के अनुसार हो रहा था या नहीं। अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल मामले की जांच शुरूआती स्तर पर है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ होगी। यदि जांच में किसी तरह की अनियमितता या कानून का उल्लंघन सामने आता है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं- पुलिस पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फिलहाल पुलिस हिरासत में ली गई दोनों महिलाओं और होटल से मिले दस्तावेजों की जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम में रेलवे ट्रैक से मिला व्यक्ति का शव

नहीं मिला पहचान का कोई दस्तावेज, शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखवाया

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में बसई और गढ़ी हरसरू रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलने पर गुरुग्राम रेलवे पुलिस (GRP) मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतक की उम्र करीब 45 वर्ष बताई जा

रही है। मृतक व्यक्ति की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त को जीआरपी को टेलीफोन के माध्यम से सूचना मिली थी कि मेन लाइन पर एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। थाना प्रभारी विनोद कुमार के निर्देश पर सब-इंस्पेक्टर राजपाल पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को अपने कब्जे में लिया। नहीं हो सकी मृतक की पहचान मृतक के पास से उसके नाम, पते या पहचान से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं मिला है। इस मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 194 के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जीआरपी ने शव को पहचान के लिए गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। शव को अगले 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा ताकि उसकी शिनाख्त हो सके। पुलिस मृतक के चेहरे और कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान कराने का प्रयास कर रही है। इसके लिए आसपास के पुलिस थानों और सोशल मीडिया के माध्यम से भी सूचना प्रसारित की जा रही है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को मृतक के हुलिए से संबंधित कोई जानकारी हो या कोई व्यक्ति लापता हो, तो वह तत्काल जीआरपी गुरुग्राम को सूचित करे।

गुरुग्राम में सड़कों पर उतरा किन्नर समाज

आपसी वर्चस्व और धार्मिक पहचान को लेकर विवाद, अपने ही सहयोगियों पर लगाए आरोप

गुरुग्राम । में किन्नर समाज के सदस्यों ने अपने ही समुदाय के खिलाफ सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। समाज की प्रधान सीमा सिसोदिया के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने अपने ही गुट के सहयोगियों पर गंभीर आरोप लगाए। यह विवाद आपसी वर्चस्व और धार्मिक पहचान को लेकर है। विवाद का मुख्य कारण धार्मिक पहचान, वर्चस्व और जिजमानों (इलाके) पर कब्जे की पुरानी होड़ है। प्रदर्शनकारी किन्नरों ने रेश्मा हाजी और काजल हाजी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। विरोध कर रहे गुट का दावा है कि उनके सनातन धर्म से ताल्लुक रखने वाले सदस्यों पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। उनका आरोप है कि उन्हें मोहरा बनाकर जिजमानों और मीडिया की आंखों में धूल झोंकी जा रही है। गोमूत्र पिलाने और हाजी की उपाधी पर उठाए सवाल प्रदर्शनकारियों ने गोमूत्र पिलाने जैसे बयानों और ह्यहाजीह्व की उपाधियों पर भी सवाल उठाए हैं। गरिमा यादव सहित अन्य सदस्यों ने पुलिस प्रशासन से इस मामले में घर-घर जाकर जांच करने और सच्चाई सामने लाने की गुहार लगाई है। किन्नर समाज की यह अंदरूनी कलह अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गई है। प्रशासन के लिए यह देखना चुनौती होगी कि इस आपसी जंग को कैसे सुलझाया जाता है।

करनाल के CA पर फर्जी प्रमाणपत्र देने का केस

26.19 करोड़ विदेश भेजने का मामला, 49 फॉर्म 15उइ प्रमाणित; सर्वे में खुलासा

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम । करनाल जिला के असंध में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट पर फर्जी प्रमाण पत्र जारी कर एक कंपनी को करीब 26.19 करोड़ रुपए की रकम विदेश भेजने में मदद करने का मामला सामने आया है। आयकर विभाग के जांच अधिकारियों ने बीती 18 अगस्त को सीए के कार्यालय में सर्वे किया था। जांच में संबंधित कंपनी अपने घोषित पते पर नहीं मिली। विभाग की शिकायत पर असंध थाना पुलिस ने बीती 21 अगस्त को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में फर्जी प्रमाणन, धोखाधड़ी और मिलीभगत के आरोप लगाए गए हैं। आयकर विभाग ने 18 अगस्त को किया था सर्वे आयकर विभाग के अनुसार, चंडीगढ़ की टीम ने 18 अगस्त को सीए संदीप के कार्यालय का सर्वे किया था। यह कार्रवाई विदेश में धन भेजने के लिए कथित तौर पर बिना जरूरी जांच-पड़ताल किए प्रमाण पत्र जारी करने के आरोपों को लेकर की गई। सर्वे के दौरान असंध स्थित सीए के

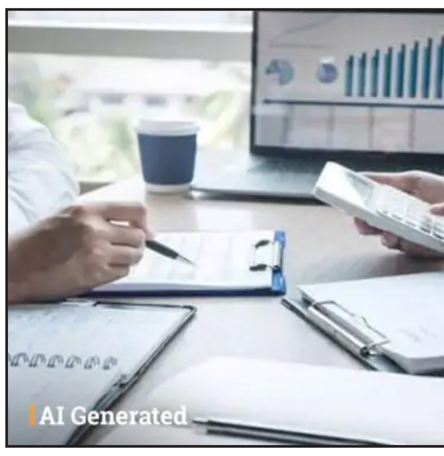

कार्यालय से संबंधित दस्तावेज और जानकारी की जांच की गई। जांच में सामने आया कि सीए संदीप ने विदेश में रकम भेजने के लिए आयकर नियमों के तहत जरूरी फॉर्म प्रमाणित किए थे। विभाग का आरोप है कि इन प्रमाण पत्रों को जारी करने से पहले संबंधित समझौते, खाताबही और अन्य जरूरी दस्तावेजों की उचित जांच नहीं की गई।सीए संदीप पर 49 प्रमाण पत्र जारी करने का आरोप शिकायत के मुताबिक सीए संदीप करनाल के रिसालवा गांव का रहने वाला है। वह असंध में ह्यसंदीप सिंगरोहा एंड एसोसिएट्सह्व नाम से पेशेवर फर्म चलाते हैं। शिकायत के मुताबिक, विभाग ने बताया कि एम/एस डिजीटेक आईटी सॉल्यूशंस नाम की संस्था के लिए वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 49 फॉर्म 15सीबी प्रमाणित किए गए। कंपनी का पता गुरुग्राम बताया गया था। इन प्रमाण पत्रों के आधार पर कुल 26 करोड़ 19 लाख 9 हजार 471 रुपए विदेश भेजे गए। जांच में कंपनी बताए पते पर नहीं मिली शिकायत के अनुसार, आयकर विभाग ने गुरुग्राम के कार्यालय की ओर से कंपनी के घोषित पते का वेरिफिकेशन कराया। वेरिफिकेशन के दौरान एम/एस डिजीटेक आईटी सॉल्यूशंस वहां नहीं मिली। इतनी बड़ी रकम विदेश भेजने के बावजूद संबंधित संस्था इनकम टेक्स रिटर्न भी दाखिल नहीं कर रही थी। इसी आधार पर विभाग ने इसे शेल यानी कागजी या फर्जी संस्था की प्रकृति का बताया है। सर्वे के दौरान सीए संदीप का बयान भी दर्ज किया गया। विभाग का आरोप है कि संदीप ने स्वीकार किया कि उन्होंने संबंधित खाताबही, समझौते और अन्य दस्तावेजों की आवश्यक जांच नहीं की थी। विदेशी मुद्रा भंडार को नुकसान पहुंचाने का आरोप शिकायत में कहा गया है कि सीए द्वारा फॉर्म 15सीबी पर प्रमाणन किए जाने के बाद ही संबंधित संस्थाओं के लिए विदेश में रकम भेजने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकी। विभाग का आरोप है कि बिना उचित वेरिफिकेशन के प्रमाण पत्र जारी करने से 26.19 करोड़ रुपए की राशि विदेश भेजी गई। इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर असर पड़ा और वित्तीय व्यवस्था की अखंडता को नुकसान पहुंचने की बात शिकायत में कही गई है।

मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने के मामले में SHO सस्पेंड

गुरुग्राम में 2 DCP को कारण बताओ नोटिस जारी, 8 कांग्रेस कार्यकर्ता अरेस्ट

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम । गुरुग्राम पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को काले झंडे दिखाने और नारेबाजी करने वाले 8 कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए कार्यकर्ताओं की पहचान नीरज यादव, निवासी मानेसर, शिव, निवासी घटोला, निखिल, निवासी भिवानी, अनुज, निवासी कन्हई, हरकेश, निवासी फिरोज गांधी कॉलोनी, अमन, निवासी पटौदी चौक, मनोहर नगर, राजीव यादव, निवासी कृष्णा नगर और हरेन्द्र, निवासी तावडू जिला मेवात के रूप में हुई है। शुक्रवार को गुरुग्राम में कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष वर्धन राव की अगुवाई में 15 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने अचानक जेब में रखा काला कपड़ा निकाला और मुख्यमंत्री के काफिले को दिखाने लगे। काफिले के साथ चल रही गाड़ियों में मौजूद पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस मामले में सिविल लाइन थाना रव्लड को देर शाम सस्पेंड कर दिया गया। कमिश्नर ने डीसीपी वेस्ट और डीसीपी क्राइम से स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं, इंटेलिजेंस इंचार्ज के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

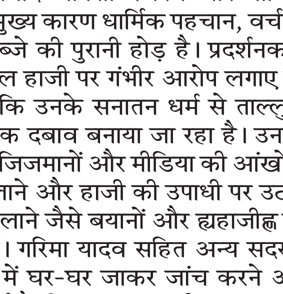

जानेंह्वग्रामीण जिलाध्यक्ष ने क्या कहा ग्रामीण जिलाध्यक्ष वर्धन राव ने कहा कि आज मुख्यमंत्री नायब सैनी गुरुग्राम पहुंचे थे। वे गुरुग्राम में जेन-जी को टारगेट करने के लिए भाजपा पार्टी ने एक टॉस्क दिया है कि जो नौजवान और युवा आपके खिलाफ है, जाकर के उनसे बात करो, संवाद करो उनसे, तो नायब सिंह सैनी का राहुल गांधी के बब्बर शेरों ने काले झंडों के साथ स्वागत किया। ये स्वागत इसलिए किया कि जिस गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में आप जा रहे हो, उस यूनिवर्सिटी के फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स का अभी तक रिजल्ट नहीं आया है। इस गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में इन्फ्रास्ट्रक्चर के नाम पर सरकार ने शून्य सुविधाएं दे रखी हैं। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी तक जाने के लिए स्थानीय और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बस और ट्रांसपोर्टेशन की कोई सुविधा नहीं है। यूनिवर्सिटी के इतने बदतर हालात हैं, मुख्यमंत्री साहब, उन हालात पर भी जाकर चर्चा करें। इसलिए शहीद भगत सिंह ने कहा था कि बहरों को सुनाने के लिए धमाके की जरूरत होती है।

सेक्टर-17सी में बनेगी 40 मीटर सड़क

गुरुग्राम, 22 अगस्त (वेब वार्ता)। नगर निगम गुरुग्राम सेक्टर-17 सी और आसपास के क्षेत्रों में 40 मीटर सड़क का निर्माण करेगा। इस परियोजना पर 11 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र को जलभराव की समस्या से निजात दिलाना है। सड़क को ऊंचा बनाया जाएगा ताकि बारिश के दौरान होने वाले जलभराव से बचा जा सके। यह समस्या लंबे समय से स्थानीय निवासियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों के साथ क्षेत्र का दौरा किया था। उन्होंने परियोजना की आवश्यकता और उसके क्रियान्वयन पर चर्चा की थी। इस सड़क के निर्माण से यातायात सुगम होगा और लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

DND-KMP एक्सप्रेस-वे का 9 किमी हिस्सा खुला फरीदाबाद से दिल्ली का सफर आसान, ढट मोदी करेंगे उद्घाटन; जाम से राहत

फरीदाबाद। दिल्ली-मुंबई-बड़ौदा एक्सप्रेसवे से जुड़े डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे पर महारानी बाग के डीएनडी फ्लाईओवर से जैतपुर पुश्ता रोड तक करीब 9 किलोमीटर लंबा मार्ग ट्रायल के तौर पर यातायात के लिए खोल दिया गया है। इसका लगभग 7.5 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड बनाया गया है। मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि पीएम के विधिवत उद्घाटन के बाद इसको पूरी तरह से खोल दिया जाएगा। इस लिंक के चालू होने से फरीदाबाद से दिल्ली आने-जाने वाले वाहनों को मथुरा रोड, बदरपुर और कालिंदी कुंज के जाम से वैकल्पिक तेज मार्ग मिलेगा। दिल्ली-नोएडा से फरीदाबाद की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी और पीक ऑवर में यात्रा समय कम होने की उम्मीद है। DND-KMP कॉरिडोर को दिल्ली के महारानी बाग से आगे फरीदाबाद होते हुए पलवल के मंडकौला और KMP एक्सप्रेसवे से जोड़ा गया है। इसके अलग-अलग हिस्सों में दिल्ली से जैतपुर पुश्ता तक करीब 9 किमी, उसके बाद फरीदाबाद तक करीब 24 किमी और फरीदाबाद से KMP तक करीब 26 किमी का हिस्सा है। बाकि हिस्सों में अभी निमार्ण कार्य चल रहा है। मंत्री ने बताया नई लाइफ लाइन केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने एक्सप्रेसवे के शुरू होने को फरीदाबाद के लिए नई लाइफलाइन बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के प्रयासों से शहर को आधुनिक और बेहतर कनेक्टिविटी मिल रही है। जेवर एयरपोर्ट तक जुड़ेगा फरीदाबाद गुर्जर ने कहा कि फरीदाबाद को जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से भी जोड़ा जा रहा है। आने वाले समय में फरीदाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक का सफर करीब आधे घंटे में पूरा किया जा सकेगा। इसके अलावा दिल्ली-मुंबई-बड़ौदा एक्सप्रेसवे के मझावली से ग्रेटर नोएडा तक के हिस्से को भी जल्द शुरू किए जाने की उम्मीद है। रेलवे फाटक पूरी तरह के खत्म होंगे केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि फरीदाबाद में सड़क कनेक्टिविटी के साथ-साथ रेलवे क्षेत्र में भी बड़े काम हुए हैं। रेलवे फाटकों को खत्म करने के साथ करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय स्तर का रेलवे स्टेशन तैयार किया जा रहा है।

गुरुग्राम मेट्रो रेल परियोजना की अधुकारियों ने की उच्च-स्तरीय समीक्षा

गुरुग्राम। आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की सचिव व गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड की अध्यक्ष डी. थारा ने शनिवार को गुरुग्राम मेट्रो रेल परियोजना की उच्च-स्तरीय समीक्षा की। उनके साथ गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. चंदर शेखर खरे भी मौजूद रहे। इस दौरान यूटिलिटी शिफ्टिंग और पुनर्स्थापन के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान गुरुग्राम मेट्रो परियोजना में आ रही बाधाओं को दूर कर काम में तेजी लाने पर जोर दिया है। साथ ही बिजली, सड़क संबंधी बुनियादी ढांचे और अन्य सेवाओं के स्थानांतरण पर चर्चा हुई। इस दौरान अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण भी किया। बैठक में जीएमआरएल, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड और हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। अधिकारियों ने उमंग भारद्वाज चौक और हीरो होंडा चौक जैसे प्रमुख परियोजना स्थलों का दौरा किया। उन्होंने चल रहे मेट्रो रेल कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। परियोजना टीमों ने अधिकारियों को विभिन्न घटकों, निर्माण गतिविधियों और बाधाओं की स्थिति से अवगत कराया। अधिकारियों ने प्रभावी अंतर-विभागीय समन्वय के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने अनुमोदित समय-सीमा का पालन करने की आवश्यकता बताई। निर्माण गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को बनाए रखने पर भी बल दिया गया। महत्वपूर्ण परियोजना गतिविधियों के शीघ्र निष्पादन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। संबंधित एजेंसियों को सक्रिय रूप से स्थल-स्तर के मुद्दों को हल करने की सलाह दी गई। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि आवश्यक मंजूरी, अनुमतियां और यूटिलिटी शिफ्टिंग गतिविधियां समन्वित और समयबद्ध तरीके से पूरी हों।

गुरुग्राम में चीनी स्टॉक रखने की सीमा तय

कारोबारी 4000 क्विंटल से अधिक नहीं रख सकेंगे, 30 दिन में बिक्री करना जरूरी

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम । जिले के फर्रुखनगर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने चीनी के कारोबार से जुड़े व्यापारियों, डीलरों, प्रोसेसर्स और थोक विक्रेताओं के लिए नए स्टॉक निर्देश जारी किए हैं। केंद्र और हरियाणा सरकार के आदेशों के तहत, इन कारोबारियों को निर्धारित स्टॉक सीमा का पालन करने के साथ-साथ ऑनलाइन पोर्टल पर स्टॉक की नियमित जानकारी देना अनिवार्य होगा। उक्त जानकारी देते हुए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग गुरुग्राम के फूड इंस्पेक्टर यज्ञ तेवतिया ने बताया कि कोई भी डीलर एक समय में 4000 क्विंटल (400 मीट्रिक

टन) से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख सकेगा। इसके अतिरिक्त, प्राप्त की गई चीनी को 30 दिनों से अधिक समय तक स्टॉक में रखने की अनुमति नहीं होगी। 30 दिन की अवधि की गणना चीनी प्राप्त होने की तारीख से की जाएगी। यह व्यवस्था 30 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी। सभी संबंधित कारोबारियों को भारत सरकार के फूड स्टॉक मॉनिटरिंग पोर्टल पर तुरंत रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए गए हैं। रजिस्ट्रेशन के बाद, उन्हें अपने पास उपलब्ध वर्तमान चीनी स्टॉक की जानकारी पोर्टल पर अपडेट करनी होगी। इसके बाद, प्रत्येक शुक्रवार को स्टॉक की स्थिति नियमित रूप से ऑनलाइन अपडेट करना अनिवार्य होगा। किया जाएगा स्टॉक का भौतिक सत्यापन : तेवतिया खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा कारोबारियों के स्टॉक का भौतिक निरीक्षण भी किया जाएगा। पोर्टल पर दर्ज स्टॉक और मौके पर उपलब्ध वास्तविक स्टॉक का मिलान किया जा सकता है। विभाग ने कारोबारियों से निर्देशों का गंभीरता से पालन करने और स्टॉक संबंधी जानकारी सही एवं पूरी दर्ज करने को कहा है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग गुरुग्राम के इंस्पेक्टर यज्ञ तेवतिया ने बताया कि गलत या अधूरी जानकारी देने, निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक रखने अथवा पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराने की स्थिति में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने सभी चीनी कारोबारियों से इन निर्देशों का तत्काल पालन सुनिश्चित करने की अपील की है।

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, रविवार, 23 अगस्त, 2026

सम्पादकीय

दलितों के प्रति बढ़ती हिंसा और मीडिया की भूमिका

प्रोफेसर हंसराज सुमन

भारत में दलित समाज सदियों से सामाजिक और आर्थिक उत्पीड़न का शिकार रहा है। भले ही भारतीय संविधान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने दलितों को विशेष अधिकार दिए हैं, लेकिन वास्तविकता में सामाजिक समानता आज भी कोसों दूर है। जातीय भेदभाव और हिंसा दलित समाज के साथ जुड़े प्रमुख मुद्दे रहे हैं। पिछले कुछ दशकों में, दलितों के खिलाफ हिंसा के मामले तेजी से बढ़े हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि जातीय भेदभाव की जड़ें समाज में कितनी गहरी पैठ बनाए हुए हैं। इस दृष्टि से वर्तमान संदर्भ में सामाजिक दायित्व से संबंधित मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह समाज के सामने घटनाओं को प्रस्तुत करने, जनमत को प्रभावित करने और सामाजिक सुधार की दिशा में कार्य करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। इस आलेख में हम दलितों के प्रति बढ़ती हिंसा और उस पर मीडिया की भूमिका का गहराई से विश्लेषण करेंगे। भारत में जाति-आधारित सामाजिक व्यवस्था का इतिहास थोड़ा लंबा और जटिल है। यह व्यवस्था न केवल सामाजिक ढांचे को विभाजित करती है, बल्कि इसके तहत निचली जातियों, विशेष रूप से दलितों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता रहा है। चाहे वह छुआछूत की प्रथा हो या फिर सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार, दलित समाज को हमेशा से ही उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। भारत में समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों से दलितों पर हिंसा के मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें सामूहिक हत्याएँ, बलात्कार, सार्वजनिक अपमान, संपत्ति नष्ट करना और सामाजिक बहिष्कार जैसी घटनाएँ होना तो आम बात है। सामाजिक स्तर पर दलितों के साथ होने वाले इस तरह के अत्याचारों को कभी-कभी धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं के तहत जायज ठहराने की कोशिश की जाती है। इसके साथ ही, राजनीतिक और आर्थिक हितों के लिए भी दलित समाज को दबाने का प्रयास होता रहा है। दलितों के खिलाफ होने वाली हिंसा केवल ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है; यह शहरी क्षेत्रों में भी व्याप्त है, जहाँ आधुनिकता और विकास के बावजूद जातीय असमानता अपने अलग-अलग रूपों में देखी जा सकती है। हाल के वर्षों में दलितों के खिलाफ हिंसा में खतरनाक वृद्धि देखी गई है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (ठउफइ) के आंकड़ों के अनुसार, दलितों के खिलाफ हिंसा के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यह वृद्धि कुछ विशिष्ट कारणों से हो रही है।1. राजनीतिक ध्रुवीकरण : जातीय आधार पर राजनीति के कारण समाज में तनाव और असमानता बढ़ी है। दलितों के खिलाफ हिंसा को कई बार सत्ता में बैठे नेताओं द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जाता है। 2. सामाजिक असमानता और आर्थिक विषमता : दलितों के पास भूमि और अन्य संसाधनों की कमी अक्सर होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ संसाधनों का अधिक महत्व होता है, दलितों को उनके अधिकारों से वंचित किया जाता रहा है, जिससे विवाद और हिंसा की स्थिति उत्पन्न होती है। 3. धार्मिक और सांस्कृतिक भेदभाव : सामाजिक और धार्मिक आधार पर दलितों को हमेशा नीचा समझा गया है। जातीय श्रेष्ठता का दावा करने वाले समूहों द्वारा दलितों के खिलाफ हिंसा को सांस्कृतिक या धार्मिक रूप से उचित ठहराया जाता है। यह देखने में आया है कि पिछले कुछ वर्षों में दलित अत्याचारों की घटनाओं में इजाफा हुआ है। एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार - वर्ष 2022 में अनुसूचित जातियों (एससी) के खिलाफ 97.7 प्रतिशत अत्याचार 13 राज्यों में हुए थे, जिनमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में ऐसे मामलों की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश में 12287 मामले (23.78 प्रतिशत), राजस्थान में 8651 मामले (16.75 प्रतिशत) और मध्य प्रदेश में 7732 मामले (14.97 प्रतिशत) दर्ज किए गए। इसके अलावा अन्य राज्यों में अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें बिहार में 6799 मामले (13.16 प्रतिशत), उड़ीसा में 3576 मामले (6.93 प्रतिशत) और महाराष्ट्र में 2706 मामले (5.24 प्रतिशत) शामिल हैं। वर्ष 2022 में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज किए गए। कुल मामलों में से लगभग 81 प्रतिशत केवल इन छह राज्यों में दर्ज किए गए हैं। इस अधिनियम के तहत 2022 में अनुसूचित जातियों के खिलाफ कुल 51656 मामले दर्ज किए गए।ह्व रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि ये मामले भारतीय दंड संहिता के तहत भी दर्ज किए गए हैं।

बस थोड़ा-सा प्रोत्साहन देकर देखिये तो

राजीव थेपडा

बस थोड़ा-सा प्रोत्साहन देकर देखिये तो !! जैसे ही हम जन्म लेते हैं, वैसे ही हमारे अंदर जीने की एक अद्भुत जिजीविषा का जन्म भी हो जाता है और जन्म लेने के पश्चात हम जब तक जीवित रहते हैं, तब तक मृत्यु से भय खाते हैं। किंतु शायद ही कभी हमने इस बात पर थोड़ा भी विचार किया हो कि हम अपने छुटपन से, यानी जीवन के प्रारंभ से ही किस प्रकार अपने से बड़ों के छोटे-छोटे प्रोत्साहन और प्रेरणा से न जाने कितनी ही चीजें सीखते हैं और हमारे बड़े होते-होते वही सारी चीजें हमारी सामर्थ्य बन जाती हैं। थोड़ा सोच कर देखिए कि आपके जीवन के आरंभ में किस प्रकार आपके माता-पिता अपने लाड़ प्यार, अपने अनंत और गहरे प्रेम के द्वारा छोटी-छोटी बातों से प्रोत्साहन देते हुए आपको न जाने कितना कुछ सिखाते हैं। बोलना, गाना, नाचना, चलना, दौड़ना, खाना और अन्य वे सभी बातें जिनसे आप जीवित रहते हैं। और आने वाले दिनों में यही सामर्थ्य आपकी शक्ति बन जाती है। लेकिन जैसे ही हम जीवन में आगे बढ़ते हैं। सबसे पहले इन्हीं बातों को भूलना शुरू करते हैं और इसका परिणाम यह होता है कि हम सब का जीवन नीरस होने लगता है। ध्यान रहे, हम सब, हम सभी के साथ हंसते-बोलते-गाते-बतियाते-नृत्य करते, अर्थात अपनी सामूहिकता में अधिक सुखी होते हैं। संसार में ऐसा कोई नहीं है या ऐसे कम ही लोग होंगे, जो अपने आप में सुखी हैं। अपने आप में मस्त हैं। अपने आप में आनंदित हैं। हमारी समूची सामाजिकता हमारे समाज के रूप में निरंतर तरह-तरह के भांति-भांति के उत्सवों में, आनंद में, सुखों में एक दूसरे के साथ हाथ में हाथ डाले, रिश्तों के रूप में ही दिखाई देती है। कुल मिलाकर हमारा यह समूचा संसार हमारे आपस के रिश्ते ही तो हैं। किंतु मनुष्य में एक बहुत बड़ी कमी यह भी है कि वह स्वयं तो कुछ विशेष बनना चाहता है, होना चाहता है। किंतु किसी दूसरे को विशेष होता देखकर ईर्ष्या से भर जाता है। हमारी यही ईर्ष्या सामाजिकता की, हमारे सामंजस्य की, हमारे सौहार्द की इस संसार में सबसे बड़ी बाधा है। यदि हम अपनी उन ईर्ष्याओं को पहचान लें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें, तो हमारे बीच, हमारे अंतर संबंधों के समस्त पुष्प सदैव पुष्पित रह सकते हैं। किंतु हमें कभी भी इन वास्तविकताओं का भान ही नहीं होता। क्योंकि हम अपनी उस ईर्ष्या को, उस अहंकार को कभी भी पकड़ नहीं पाते। इस प्रकार नित प्रतिदिन समाज का हरेक व्यक्ति अपनी ही ईर्ष्या के चलते सामाजिक होना चाहते हुए भी सामाजिकता से दूर होता चला जाता है! यद्यपि वह दिखावा ऐसा करता है कि उससे बड़ा सामाजिक कोई नहीं! सब कुछ जानते समझते हुए भी हम इस बात को सदैव अनदेखा कर देते हैं कि यह जो परिवार है, यह जो समाज है, यह केवल और केवल हमारे प्रोत्साहन से आगे बढ़ता है। प्रोत्साहन ही वह अद्भुत शक्ति है। जिससे ना केवल किसी को एक संबल प्रदान होता है। बल्कि वह संबल किसी को कहां से कहां तक पहुंचा सकता है, इसके भी लाखों लाख उदाहरण हमारे समाज में सदैव व्याप्त रहे हैं। जैसा कि इस आलेख के आरंभ में बताया गया कि हम अपने जीवन के प्रथमार्ध से ही अपने माता-पिता के विभिन्न प्रोत्साहन से वे सभी बातें सीखते हैं। जो हमें बोलना सीखने से लेकर समाज के बीच अपना स्थान बनाने तक में सदैव सहायता प्रदान करती है। इस प्रकार हम पाते हैं कि हमारा किसी को दिया गया प्रोत्साहन उन्हें कहां से कहां पहुंचा सकता है। किन्तु इस संभावना के बारे में पूर्व में शायद ही हम कभी जान पाते हैं! इसके लिए हमें समस्त महापुरुषों की कथाओं को पढ़ना चाहिए। जिनसे हमें यह पता चलता है कि किस प्रकार किन लोगों को किन प्रोत्साहनों ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ाने को प्रेरित किया और समय-समय पर मिलते गए उन प्रोत्साहनों ने उन्हें अंततः एक ऐसे लक्ष्य पर पहुंचा दिया, जिसके विषय में उन्होंने स्वप्न में भी कभी सोचा ना था। हमारे समाज में हर कोई किसी न किसी कार्य में लगा हुआ है।

राजस्थान विधानसभा में हंगामा, सड़क की राजनीति और विपक्ष की चुनौती

सदन को राजनीतिक प्रदर्शन का मंच बना देना उचित है? विधानसभा का काम केवल सत्ता पक्ष को घेरना या सरकार के खिलाफ नारे लगाना नहीं है। सदन वह जगह है, जहां प्रदेश की जनता से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं, सरकार से जवाब मांगा जाता है और नीतियों की कमियां सामने लाई जाती हैं। यदि यही कामकाज बाधित होने लगे तो नुकसान किसी एक दल का नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान का होता है। मौजूदा सत्र में द्रव्यवती नदी पर एलिवेटेड रोड, खाद-बीज संकट, स्कूलों की मरम्मत और शिक्षा व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषय प्रश्नकाल में उठने थे। कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने द्रव्यवती नदी से जुड़े एलिवेटेड रोड का सवाल लगाया था, जबकि प्रमोद जैन भाया ने खाद-बीज संकट को लेकर सरकार से जवाब मांगने की तैयारी की थी। ऐसे सवालों पर विस्तृत चर्चा होती तो सरकार की नीतियों, योजनाओं और जमीनी स्थिति की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती थी। लेकिन सदन के भीतर हंगामा और नारेबाजी के कारण चर्चा का अवसर ही सीमित हो गया। यह स्थिति विपक्ष के लिए भी आत्ममंथन का विषय है। विपक्ष का सबसे बड़ा हथियार विधानसभा है।

कांतिलाल मांडोत
लेखक

राजस्थान विधानसभा का मौजूदा सत्र जिस तरह हंगामे और नारेबाजी की भेंट चढ़कर अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ, उसने लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है—क्या जनता के मुद्दों पर चर्चा के लिए मिले सदन को राजनीतिक प्रदर्शन का मंच बना देना उचित है? विधानसभा का काम केवल सत्ता पक्ष को घेरना या सरकार के खिलाफ नारे लगाना नहीं है। सदन वह जगह है, जहां प्रदेश की जनता से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं, सरकार से जवाब मांगा जाता है और नीतियों की कमियां सामने लाई जाती हैं। यदि यही कामकाज बाधित होने लगे तो नुकसान किसी एक दल का नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान का होता है। मौजूदा सत्र में द्रव्यवती नदी पर एलिवेटेड रोड, खाद-बीज संकट, स्कूलों की मरम्मत और शिक्षा व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषय प्रश्नकाल में उठने थे। कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने द्रव्यवती नदी से जुड़े एलिवेटेड रोड का सवाल लगाया था, जबकि प्रमोद जैन भाया ने खाद-बीज संकट को लेकर सरकार से जवाब मांगने की तैयारी की थी। ऐसे सवालों पर विस्तृत चर्चा होती तो सरकार की नीतियों, योजनाओं और जमीनी स्थिति की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती थी। लेकिन सदन के भीतर हंगामा और नारेबाजी के कारण चर्चा का अवसर ही सीमित हो गया। यह स्थिति विपक्ष के लिए भी आत्ममंथन का विषय है। विपक्ष का सबसे बड़ा हथियार विधानसभा है। सरकार को घेरने के लिए उसे सड़क पर उतरने से पहले सदन में मिले अवसर का पूरा उपयोग करना चाहिए। सवाल पूछना, पूरक प्रश्न करना, आंकड़े मांगना, विभागीय जवाबों की कमियां उजागर करना और सरकार को कठघरे में खड़ा करना लोकतांत्रिक राजनीति का प्रभावी तरीका है। यदि सदन ही नहीं चलेगा तो विपक्ष सरकार से जवाब किस मंच पर मांगेगा? राजस्थान में विधानसभा चुनाव आने वाले हैं। जाहिर है, राजनीतिक दल अब अपने-अपने मुद्दों को धार देंगे। विपक्ष सरकार के कामकाज पर सवाल उठाएगा और सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियां गिनाएगा। चुनावी राजनीति में यह स्वाभाविक भी है। लेकिन चुनाव की तैयारी और विधानसभा की कार्यवाही में फर्क होना चाहिए। चुनावी संघर्ष के लिए मंच बहुत हैं, लेकिन विधानसभा का समय सीमित है और वह जनता के पैसे से चलता है। इसलिए सदन में हर मिनट की कीमत है। इसी बीच स्कूलों की स्थिति को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के अभियान और बगरू के रामपुरा गांव में हुई मारपीट ने शिक्षा के मुद्दे को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। जर्जर सरकारी स्कूल भवन, बच्चों का वैकल्पिक स्थान पर पढ़ना और बुनियादी सुविधाओं की समस्या निश्चित रूप से गंभीर विषय हैं। यदि किसी सरकारी स्कूल की इमारत इतनी खराब है कि बच्चों को दूसरी जगह पढ़ाना पड़े, तो प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। लेकिन शिक्षा की बदहाली का मुद्दा उठाने और उसे राजनीतिक टकराव में बदल देने के बीच एक महीन अंतर है। किसी संगठन को सरकारी स्कूलों की स्थिति सामने लाने का अधिकार हो सकता है, लेकिन निरीक्षण के नाम पर स्थानीय लोगों से टकराव, आरोप-प्रत्यारोप और फिर हिंसा की स्थिति पैदा होना पूरे मुद्दे को पीछे धकेल देता है। बगरू की घटना में दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग दावे सामने आए हैं। सीजेपी कार्यकताओं ने ग्रामीणों और भाजपा कार्यकताओं पर हमला करने का आरोप लगाया, जबकि ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में बाहरी लोग गांव में पहुंचे और विवाद बढ़ा। ऐसे आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। बिना जांच किसी एक पक्ष को पूरी तरह दोषी ठहरा देना उचित नहीं होगा। सीजेपी के अभियान को लेकर भी यही सवाल है कि क्या सरकारी स्कूलों की समस्याओं को सामने लाने का रास्ता टकराव होना चाहिए? यदि उद्देश्य वास्तव में स्कूलों की स्थिति सुधारना है तो प्रशासन के सामने रिपोर्ट रखना, स्थानीय जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगना, विधानसभा और मीडिया के माध्यम से मुद्दा उठाना तथा संबंधित विभाग को समयबद्ध कार्रवाई के लिए बाध्य करना ज्यादा प्रभावी रास्ता हो सकता है। किसी स्कूल की खराब हालत की तस्वीर से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि उसके बाद वह स्कूल कब सुधरता है। दिल्ली में कभी सरकारी स्कूलों को राजनीतिक बहस का बड़ा मुद्दा बनाया गया था। शिक्षा व्यवस्था के नाम पर सरकारों को घेरना और अपने मॉडल को सामने रखना राजनीति में नया नहीं है। राजस्थान में भी शिक्षा अब आने वाले चुनाव में महत्वपूर्ण मुद्दा बन सकती है। लेकिन किसी दूसरे राज्य या राजनीतिक मॉडल की नकल करने के बजाय राजस्थान को अपने सरकारी स्कूलों की वास्तविक जरूरतों के आधार पर अपनी नीति बनानी होगी। प्रदेश के दूरदराज इलाकों में भवन, शौचालय, पेयजल, बिजली, शिक्षकों की उपलब्धता और डिजिटल सुविधाओं जैसे मुद्दे वास्तविक हैं। इन्हें राजनीतिक नारों से नहीं, ठोस प्रशासनिक फैसलों से हल किया जा सकता है। सीजेपी को भी यह समझना होगा कि आंदोलन और राजनीतिक प्रचार में अंतर होता है। यदि कोई संगठन खुद को व्यवस्था सुधारने वाला मंच बताता है तो उसे अपने आचरण से भी यही साबित करना होगा। स्कूलों की समस्या पर सरकार से सवाल करना उचित है, लेकिन किसी भी अभियान की सफलता इस बात से तय होगी कि उससे बच्चों को क्या मिला, न कि उससे कितनी सुर्खियां बनीं। शिक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दे को टकराव की राजनीति में बदलने से सबसे ज्यादा नुकसान उसी मुद्दे का होता है जिसे लेकर अभियान चलाया जा रहा है। दूसरी तरफ सरकार को भी आलोचना से बचने के बजाय जवाबदेही का रास्ता अपनाना चाहिए। यदि किसी स्कूल की इमारत जर्जर है और बच्चे अस्थायी स्थान पर पढ़ रहे हैं तो सरकार को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि मरम्मत या नए भवन का काम कब शुरू होगा, कितना बजट स्वीकृत है

भाजपा नई पीढ़ी को साधने के लिए विचारधारा बदलेगी या शैली?

उनको साथ लेने की कोशिश में भेस बदलने का मतलब वैसा ही है, जैसा गैर-भाजपा पार्टियों का सॉफ्ट हिंदुत्व। यह टिप्पणी भारतीय राजनीति में एक बड़े सवाल की ओर संकेत करती है कि क्या राजनीतिक दल अपनी मूल विचारधारा और पहचान को बनाए रखते हुए नई पीढ़ी को अपने साथ जोड़ सकते हैं? या फिर युवा मतदाताओं की बदलती पसंद, भाषा और जीवनशैली के अनुरूप उन्हें अपनी राजनीतिक शैली में बड़ा बदलाव करना पड़ेगा? आज जेन-जी यानि जनरेशन जेड और आने वाली जेन-अल्फा भारतीय राजनीति के लिए केवल नए मतदाता समूह नहीं हैं। ये ऐसे सामाजिक समूह हैं जिनका दुनिया को देखने का नजरिया पिछली पीढ़ियों से काफी अलग है। इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वैश्विक संस्कृति और त्वरित सूचना इनके जीवन का हिस्सा हैं। इनके लिए राजनीति केवल भाषण, रैली और चुनावी घोषणापत्र तक सीमित नहीं है। जेन-जी और जेन-अल्फा के लिए राजनीतिक संवाद का तरीका बदल चुका है। लंबा भाषण सुनने के बजाय वे कुछ सेकंड के वीडियो, मीम, शॉर्ट्स, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए राजनीतिक विचारों से परिचित होते हैं। यह पीढ़ी सवाल पूछती है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भाजपा का डीएनए जेन-जी और जेन-अल्फा वाला नहीं है। उनको साथ लेने की कोशिश में भेस बदलने का मतलब वैसा ही है, जैसा गैर-भाजपा पार्टियों का सॉफ्ट हिंदुत्व। यह टिप्पणी भारतीय राजनीति में एक बड़े सवाल की ओर संकेत करती है कि क्या राजनीतिक दल अपनी मूल विचारधारा और पहचान को बनाए रखते हुए नई पीढ़ी को अपने साथ जोड़ सकते हैं? या फिर युवा मतदाताओं की बदलती पसंद, भाषा और जीवनशैली के अनुरूप उन्हें अपनी राजनीतिक शैली में बड़ा बदलाव करना पड़ेगा? आज जेन-जी यानि जनरेशन जेड और आने वाली जेन-अल्फा भारतीय राजनीति के लिए केवल नए मतदाता समूह नहीं हैं। ये ऐसे सामाजिक समूह हैं जिनका दुनिया को देखने का नजरिया पिछली पीढ़ियों से काफी अलग है। इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वैश्विक संस्कृति और त्वरित सूचना इनके जीवन का हिस्सा हैं। इनके लिए राजनीति केवल भाषण, रैली और चुनावी घोषणापत्र तक सीमित नहीं है। जेन-जी और जेन-अल्फा के लिए राजनीतिक संवाद का तरीका बदल चुका है। लंबा भाषण सुनने के बजाय वे कुछ सेकंड के वीडियो, मीम, शॉर्ट्स, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए राजनीतिक विचारों से परिचित होते हैं। यह पीढ़ी सवाल पूछती है। वह राजनीतिक दावों को तुरंत स्वीकार नहीं करती, बल्कि अलग-अलग स्रोतों से उनकी जांच भी करती है। रोजगार, शिक्षा, महंगाई, तकनीक, पर्यावरण, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, डिजिटल अधिकार और जीवन की गुणवत्ता जैसे मुद्दे उसके लिए महत्वपूर्ण हैं। इसलिए किसी राजनीतिक दल के सामने चुनौती केवल यह नहीं है कि वह युवाओं तक पहुंचे, बल्कि यह भी है कि वह युवाओं से किस भाषा में संवाद करे। भारतीय जनता पार्टी की राजनीति की पहचान लंबे समय से राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, संगठनात्मक अनुशासन और मजबूत नेतृत्व जैसे तत्वों से जुड़ी रही है। यही उसकी राजनीतिक पहचान और समर्थक आधार का महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। भाजपा के लिए इसलिए यह सवाल महत्वपूर्ण है कि नई पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास में वह अपनी मूल पहचान को कितना बदल सकती है। युवाओं तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया की भाषा अपनाना एक बात है और अपनी वैचारिक पहचान बदलना दूसरी। आधुनिक संचार तकनीक, नए प्रचार माध्यम और युवाओं के अनुरूप राजनीतिक प्रस्तुति अपनाना किसी भी दल के लिए स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन यदि बदलाव इतना अधिक हो जाए कि मूल पहचान ही धुंधली पड़ने लगे, तो वह राजनीतिक रणनीति के बजाय पहचान के संकट का रूप ले सकता है। भेस बदलने का अर्थ यहां राजनीतिक शैली को पूरी तरह बदल देने से है। किसी दल का अपनी भाषा को सरल बनाना, युवाओं से संवाद के लिए नए माध्यम अपनाना या नए मुद्दों को प्राथमिकता देना भेस बदलना नहीं है। समस्या तब पैदा होती है जब राजनीतिक दल केवल मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए अपनी मूल वैचारिक स्थिति से अलग दिखने का प्रयास करता है। युवा मतदाता राजनीतिक संदेशों में बनावटीपन को जल्दी पकड़ लेते हैं। सोशल मीडिया के दौर में किसी नेता के पुराने बयान, पुराने वीडियो और पुराने राजनीतिक रुख कुछ ही मिनटों में सामने आ सकते हैं। इसलिए आज राजनीति में विश्वसनीयता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। भारतीय राजनीति में गैर-भाजपा दलों द्वारा समय-समय पर हिंदू धार्मिक प्रतीकों, मंदिर यात्राओं या धार्मिक आयोजनों के प्रति सार्वजनिक रूप से अधिक सक्रिय रुख अपनाने को अक्सर ह्वसॉफ्ट हिंदुत्वह्व की राजनीति के रूप में देखा गया है। इसके पीछे चुनावी गणित भी रहा है। जब किसी पार्टी को लगता है कि समाज में धार्मिक पहचान का प्रभाव बढ़ रहा है, तो वह अपने राजनीतिक संदेश को उसी के अनुरूप ढालने की कोशिश कर सकती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या मतदाता इसे स्वाभाविक राजनीतिक परिवर्तन मानता है या चुनावी मजबूरी? यही प्रश्न भाजपा के सामने भी अलग रूप में मौजूद है। यदि पार्टी जेन-जी और जेन-अल्फा को आकर्षित करने के लिए अपनी भाषा, पहनावा, सोशल मीडिया व्यवहार और राजनीतिक प्रस्तुति बदलती है, तो क्या वह बदलाव वास्तविक पीढ़ीगत संवाद होगा या केवल चुनावी रणनीति? नई पीढ़ी को केवल वोट बैंक के रूप में देखना राजनीतिक दलों की सबसे बड़ी भूल हो सकती है। जेन-जी रोजगार चाहती है। वह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहती है। वह डिजिटल अर्थव्यवस्था में अवसर चाहती है। वह स्टार्टअप, कौशल, नई तकनीक और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दुनिया में आगे बढ़ना चाहती है। उसे यह भी जानना है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उसकी नौकरी को कैसे प्रभावित करेगा। वह पूछती है कि पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार कहां मिलेगा? छोटे शहरों के युवाओं को महानगरों जैसी सुविधाएं कब मिलेंगी? इंटरनेट की पहुंच, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन स्वतंत्रता का भविष्य क्या होगा? इन सवालों के जवाब केवल सांस्कृतिक या धार्मिक पहचान के आधार पर नहीं दिए जा सकते। भाजपा के सामने चुनौती जितनी बड़ी है, अवसर भी उतना ही बड़ा है। पार्टी के पास देशव्यापी संगठन, डिजिटल पहुंच और मजबूत राजनीतिक नेतृत्व की वजह से युवा पीढ़ी तक पहुंचने के पर्याप्त साधन हैं। जरूरत इस बात की है कि युवा मतदाता को केवल प्रचार का लक्ष्य न बनाया जाए, बल्कि नीति

रक्षाबंधनः क्या है ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पौराणिक कथा

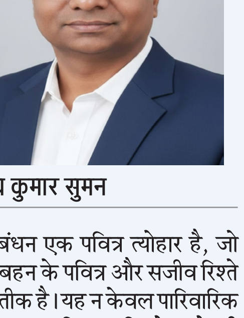

संजय कुमार सुमन

रक्षा बंधन एक पवित्र त्योहार है, जो भाई-बहन के पवित्र और सजीव रिश्ते का प्रतीक है। यह न केवल पारिवारिक बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है और यह रिश्तों की अनुकूलता को सिद्ध करता है। भारत त्योहारों का देश है। भारत में हर महीने एक नया त्योहार आता है जो लोगों को एक साथ लाता है। ऐसा ही एक त्योहार है रक्षा बंधन। यह बहनों और भाइयों के बीच के बंधन का एक बहुत ही खास अवसर है। बहनें अपने भाई की कलाई पर विश्वास और आस्था की डोर बांधती हैं। रक्षाबंधन भाई बहनो के बीच मनाया जाने वाला पर्व है।इस दिन बहन अपने भाइयों को रक्षाधागा बंधती हैं और भाई अपनी बहनों को जीवन भर उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं।इस त्यौहार के दिन सभी भाई बहन एक साथ भगवान की पूजा आदि करके आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।रक्षाबंधन से सम्बंधित कुछ पौराणिक कथाएं जुडी हुई है। भविष्यत पुराण के अनुसार दैत्यों और देवताओं के मध्य होने वाले एक युद्ध में भगवान इंद्र को एक असुर राजा, राजा बलि ने हरा दिया था।इस समय इंद्र की पत्नी सची ने भगवान विष्णु से मदद माँगी।भगवान विष्णु ने सची को सूती धागे से एक हाथ में पहने जाने वाला वयल बना कर दिया। इस वलय को भगवान विष्णु ने पवित्र वलय कहा।सची ने इस धागे को इंद्र की कलाई में बाँध दिया तथा इंद्र की सुरक्षा और सफलता की कामना की।इसके बाद अगले युद्ध में इंद्र बलि नामक असुर को हारने में सफल हुए और पुनः अमरावती पर अपना अधिकार कर लिया। यहाँ से इस पवित्र धागे का प्रचलन आरम्भ हुआ।इसके बाद युद्ध में जाने के पहले अपने पति को औरतें यह धागा बांधती थीं। इस तरह यह त्योहार सिर्फ भाइयों बहनों तक ही सीमित नहीं रह गया। भगवत पुराण और विष्णु पुराण के आधार पर यह माना जाता है कि जब भगवान विष्णु ने राजा बलि को हरा कर तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया, तो बलि ने भगवान विष्णु से उनके महल में रहने का आग्राह किया।भगवान विष्णु इस आग्रह को मान गये।हालाँकि भगवान विष्णु की पत्नी लक्ष्मी को भगवान विष्णु और बलि की मित्रता अच्छी नहीं लग रही थी, अतः उन्होंने भगवान विष्णु के साथ वैकुण्ठ जाने का निश्चय किया।इसके बाद माँ लक्ष्मी ने बलि को रक्षा धागा बाँध कर भाई बना लिया।इस पर बलि ने लक्ष्मी से मनचाहा उपहार मांगने के लिए कहा।इस पर माँ लक्ष्मी ने राजा बलि से कहा कि वह भगवान विष्णु को इस वचन से मुक्त करे कि भगवान विष्णु उसके महल मे रहेंगे।बलि ने ये बात मान ली और साथ ही माँ लक्ष्मी को अपनी बहन के रूप में भी स्वीकारा। भगवान विष्णु के दो पुत्र हुए शुभ और लाभ।इन दोनों भाइयों को एक बहन की कमी बहुत खलती थी, क्यों की बहन के बिना वे लोग रक्षाबंधन नहीं मना सकते थे। इन दोनों भाइयों ने भगवान गणेश से एक बहन की मांग की।कुछ समय के बाद भगवान नारद ने भी गणेश को पुत्री के विषय में कहा।इस पर भगवान गणेश राजी हुए और उन्होंने एक पुत्री की कामना की।भगवान गणेश की दो पत्नियों रिद्धि और सिद्धि, की दिव्य ज्योति से माँ संतोषी का अविर्भाव हुआ। इसके बाद माँ संतोषी के साथ शुभ लाभ रक्षाबंधन मना सके। महाभारत युद्ध के समय द्रौपदी ने कृष्ण की रक्षा के लिए उनके हाथ मे राखी बाँधी थी।इसी युद्ध के समय कुंती ने भी अपने पौत्र अभिमन्यु की कलाई पर सुरक्षा के लिए राखी बाँधी। एक अन्य पौराणिक कहानी के अनुसार, मृत्यु के देवता यम जब अपनी बहन यमुना से 12 वर्ष तक मिलने नहीं गये, तो यमुना दुखी हुई और माँ गंगा से इस बारे में बात की।गंगा ने यह सुचना यम तक पहुंचाई कि यमुना उनकी प्रतीक्षा कर रही हैं।इस पर यम युमना से मिलने आये।यम को देख कर यमुना बहुत खुश हुई और उनके लिए विभिन्न तरह के व्यंजन भी बनायीं।यम को इससे बेहद खुशी हुई और उन्होंने यमुना से कहा कि वे मनचाहा वरदान मांग सकती हैं।इस पर यमुना ने उनसे ये वरदान माँगा कि यम जल्द पुनः अपनी बहन के पास आयें।

उत्तर प्रदेश में पर्याप्त चीनी उपलब्ध, कतई परेशान न हों आमजन : मुख्यमंत्री योगी

-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की चीनी उपलब्धता की समीक्षा

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि राज्य में चीनी की कोई कमी नहीं है, इसलिए आम नागरिक कतई परेशान न हों। प्रदेश की चीनी मिलों में वर्तमान में 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडार उपलब्ध है। चीनी मिलों ने दो महीने (जून-जुलाई) में 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है। मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि आवश्यकता पड़ने पर चीनी मिलें 15 अक्टूबर से संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में कहा कि सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की चीनी मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख कुंतल (कुल 179.38 लाख कुंतल) चीनी प्रदेश में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जून व जुलाई में चीनी मिलों ने 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है, इसमें से अधिकांश चीनी अभी भी खुले बाजार में उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर 15 अक्टूबर से चीनी मिलों को संचालित किया जाए। भ्रम फैलाने व कालाबाजारी करने वालों पर करें कार्रवाई मुख्यमंत्री योगी ने आमजन से अपील की कि चीनी की कमी बताकर भ्रम फैलाने वालों से सावधान रहें। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि चीनी की कालाबाजारी और भ्रम फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने भारत सरकार के निर्देश के क्रम में कहा कि कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक चीनी स्टॉक का भंडारण नहीं करेगा और वे एक समय में 400 टन से ज्यादा स्टॉक भी नहीं रख सकते। बल्क कंज्यूमर्स (10 मीट्रिक टन प्रतिमाह खपत) भी 15 दिन से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकते। चीनी मिलें भी अपने मासिक कोटे के अंतर्गत विक्रित चीनी को विक्रय की तिथि से सात दिन से अधिक अवधि तक गोदाम में नहीं रोकेंगी। भौतिक सत्यापन कराएं जिलाधिकारी मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद की समस्त पंजीकृत चीनी मिलों, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं के गोदामों का भौतिक सत्यापन कराते हुए उपलब्ध स्टॉक की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट प्राप्त करें। निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक धारित करने अथवा जमाखोरी पर कठोर कार्रवाई की जाए। जनपद में चीनी की उपलब्धता एवं मूल्य पर सतत निगरानी रखते हुए किसी भी प्रकार की कृत्रिम कमी अथवा मूल्यवृद्धि की स्थिति में तत्काल शासन को अवगत कराएं।

SN मेडिकल कॉलेज में बच्चे की मौत पर भड़के सपाई

प्रबंधन पर खुद को बचाने के लिए जल्दबाजी में रिपोर्ट तैयार करने का आरोप लगाया

प्रात: किरण संवाददाता

आगरा। के एसएन मेडिकल कॉलेज में 10 वर्षीय उमैर की मौत को लेकर शनिवार को सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्राचार्य कार्यालय पहुंचे और कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि बच्चे की मौत के बाद प्रबंधन ने अपने बचाव में रिपोर्ट तैयार कर ली। बाद में प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने नेताओं से मुलाकात कर बच्चे की मेडिकल रिपोर्ट दिखाई और मौत का कारण गंभीर बीमारी बताया। प्रदर्शन की जानकारी पर पुलिस और महिला पुलिसकर्मी पहले से प्राचार्य कार्यालय के बाहर तैनात थे। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को गेट पर रोक दिया। इस दौरान सपा नेताओं और पुलिस के बीच तीखी बहस भी हुई। बाद में प्राचार्य की सहमति से शब्बीर अब्बास समेत कुछ कार्यकर्ताओं ने उनसे मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। प्लास्टर गिरने से हुई थी 10 वर्षीय उमैर की मौत एसएन इमर्जेंसी के बच्चा वार्ड में भर्ती 10 वर्षीय उमैर के सिर पर शुक्रवार को छत का प्लास्टर टूटकर गिर गया था। इस घटना के कुछ घंटों बाद उमैर की मौत हो गई। सपा ने कॉलेज प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। शनिवार दोपहर लगभग 2.30 बजे महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ता प्राचार्य कार्यालय के बाहर प्रदर्शन को पहुंचे। पूर्व निर्धारित प्रदर्शन की जानकारी होने पर मौके पर पुलिस बल पहुंच गया। प्राचार्य कार्यालय के बाहर महिला पुलिस भी तैनात कर दी गई। सपा कार्यकर्ताओं ने सरकार और मेडिकल कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। सपा के प्रदर्शन को देखते हुए प्राचार्य कार्यालय के दरवाजे बंद कर दिए गए। पुलिस ने सपाइयों को गेट के बाहर ही रोक दिया। इस पर सपा नेताओं और पुलिस के बीच तीखी बहस हो गई। इसके बाद में प्राचार्य की सहमति के बाद महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता से मिले। प्राचार्य ने बताया, बच्चे की मौत बीमारी के कारण हुई है। वह पहले से ही गंभीर बीमारी से ग्रसित था। इस संबंध में प्राचार्य ने सपा नेताओं को बच्चे की मेडिकल रिपोर्ट भी दिखाई। मगर, सपाई इससे संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि कॉलेज प्रबंधन ने अपने बचाव के लिए पहले ही रिपोर्ट तैयार करके रखी है।

जिस बच्चे पर गिरा प्लास्टर इलाज के दौरान उसकी मौत

आगरा के SN अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती हुआ था मासूम उमैर

प्रात: किरण संवाददाता

आगरा। के एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी के बच्चा वार्ड में शुक्रवार दोपहर छत का मोटा प्लास्टर गिरने से घायल हुए 10 वर्षीय उमैर की शनिवार सुबह मौत हो गई। उमैर को गंभीर हालत में एक दिन पहले ही एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। वह गंभीर निमोनिया से पीड़ित था और बचपन से ही उसे दौरे पड़ते थे। हादसे में उसके ऊपर करीब एक फीट चौड़ा और मोटा प्लास्टर गिरा था। जिसके बाद उसका इलाज इमर्जेंसी के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा था। हादसे के अगले ही दिन सुबह करीब छह बजे उसकी मौत हो गई।इ उमैर की मां के मुताबिक, हादसे से करीब चार घंटे पहले ही बच्चे को उस बेड पर शिफ्ट किया गया था, जहां बाद में छत का प्लास्टर गिरा। तेज आवाज के साथ प्लास्टर गिरने से वहां अफरा-तफरी मच गई। प्लास्टर की चपेट में आने से उमैर को हल्की खरोंच आई, लेकिन कोई गंभीर चोट नहीं लगी। मां ने कहा, भगवान का शुक्र रहा कि बच्चे को कुछ नहीं हुआ। बहुत मोटा प्लास्टर मेरे बच्चे पर गिरा था, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद अस्पताल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर उमैर समेत वार्ड में भर्ती सभी 15 बच्चों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया। उमैर की सीटी स्कैन समेत अन्य जांच कराई गईं, जिनमें किसी तरह की अंदरूनी चोट नहीं मिली थी। उस समय डॉक्टरों ने भी बच्चे को प्लास्टर गिरने की घटना से गंभीर नुकसान नहीं होने की बात कही थी। एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि उमैर की हालत पहले से ही गंभीर थी। उन्होंने बताया कि बच्चे को करीब पांच महीने की उम्र से दौरे पड़ते थे और वह वेस्ट सिंड्रोम से पीड़ित था। इसके साथ ही उसे गंभीर निमोनिया था, जिसके इलाज के लिए उसे एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। प्राचार्य ने बताया कि प्लास्टर गिरने की घटना उमैर के साथ महज एक संयोग था। हादसे में बच्चे को मामूली खरोंच आई थी और जांच में कोई अंदरूनी चोट नहीं मिली थी। गंभीर बीमारी से जूझ रहे उमैर की शनिवार सुबह करीब छह बजे मौत हो गई। इस तरह जिस बच्चे को परिवार गंभीर बीमारी के बीच जिंदगी की उम्मीद लेकर एसएन मेडिकल कॉलेज लेकर आया था, उसकी हादसे के अगले ही दिन मौत हो गई। हालांकि अस्पताल प्रशासन के अनुसार उसकी मौत गंभीर बीमारी की वजह से हुई और प्लास्टर गिरने की घटना में उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई थी।

पांडू नदी का पानी वरुण विहार बस्ती में घुसा

100 घरों के लोग परेशान, बोले- दूसरे के घरों में रहने को मजबूर, खाना भी नहीं बन रहा

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर। में गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ पांडू नदी भी उफान पर है। बर्रा-8 की वरुण बिहार कच्ची बस्ती में नदी का पानी घुस गया है। यहां करीब 80 से 100 झोपड़ियों में रहने वाले 2 हजार लोग प्रभावित हैं। दैनिक भास्कर की टीम शुक्रवार को बस्ती पहुंची तो गलियों से लेकर घरों तक पानी भरा मिला। कहीं डेढ़ से दो फीट पानी है तो पांडू पुल के पास घरों में 4 से 6 फीट तक पानी पहुंच गया है। लोग घर छोड़कर रिश्तेदारों और पड़ोसियों के यहां रहने को मजबूर हैं। बस्ती में बच्चों की पढ़ाई भी रुक गई है। रास्तों में पानी भरा होने से वे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। घरों में रखा राशन और गृहस्थी का सामान पानी में डूब गया है। लोगों का कहना है कि एक सप्ताह से हालात ऐसे ही हैं, लेकिन राहत के इंतजार में उनकी परेशानी लगातार बढ़ रही है। पढ़िए पूरी रिपोर्टङ्क पुल के पास घरों में 4 से 6 फीट तक पानी वरुण बिहार की कच्ची बस्ती में करीब 80 से 100 कच्चे-पक्के घर और झोपड़ियां हैं। इनमें रहने वाले करीब 2 हजार लोग पांडू नदी का पानी बढ़ने से प्रभावित हैं। पांडू नदी के पुल के आसपास बने घरों में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। यहां पानी 4 से 6 फीट तक भर गया है। बस्ती के रास्तों में डेढ़ से दो फीट तक पानी भरा है। इसके चलते लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। गुनिया बोलीं- एक सप्ताह से परेशान हैं वरुण बिहार में रहने वाली 58 साल की महिला गुनिया ने बताया कि पानी भर जाने के बाद से दिक्कत लगातार बढ़ रही है। एक सप्ताह से परेशान हैं। न खाना बना पा रहे हैं, न कहीं जा पा रहे हैं। कहीं रहने की जगह नहीं है। कहीं इधर बैठे हैं तो कहीं उधर, जहां मन हुआ, बना-खाकर रह लिया। घर पूरी तरह से डूब गए हैं। गृहस्थी का सामान सब पानी में रह गया।

नागकूप में 80 फीट नीचे नागेश्वर महादेव ने दिए दर्शन

वाराणसी । में नागपंचमी के बाद जैतपुरा स्थित ऐतिहासिक नागकूप का पानी निकाल दिया गया है। करीब 80 फीट नीचे स्थित नागेश्वर महादेव के शिवलिंग के दर्शन अब श्रद्धालुओं को हो रहे हैं। साल में सिर्फ एक बार खुलने वाले इस कूप में दर्शन के लिए शनिवार सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कूप परिसर में बाबा के जयकारे गूंज रहे हैं। कराई गई कूप की सफाई नागपंचमी के बाद कूप का पानी निकालकर सफाई की जाती है। इसके लिए मोटरों का इस्तेमाल किया जाता है। पुजारियों के अनुसार, कूप के भीतर से लगातार पानी आता रहता है। पानी निकालने के बाद नीचे स्थित शिवलिंग श्रद्धालुओं को दिखाई देता है। इसके बाद रुद्राभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। कूप करीब 80 फीट गहरा बताया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसके नीचे सात तल हैं, हालांकि वर्तमान में सिर्फ एक तल तक ही पहुंच संभव है। सालभर कूप पानी से भरा रहता है।

10 फीट जमीन के लिए दो भाइयों में मारपीट

कानपुर में डंडा लगने से 2 घंटे पहले जन्मे बच्चे की मौत, मां को भी पीटा

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर। में 10 फीट जमीन को लेकर दो भाइयों में विवाद हो गया। बड़े भाई और उसके परिवार वालों ने छोटे भाई की पत्नी पर लाठी-डंडों से वार कर दिया। इस दौरान महज दो घंटे पहले जन्मे नवजात को भी डंडा लग गया। डंडा लगने से नवजात की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर घर पहुंचे नवजात के पिता पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ-पैर में फ्रैक्चर हो गया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो आरोपी धमकी देते हुए भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया और नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला महराजपुर थाना क्षेत्र के कंधईखेड़ा गांव का है। 6 साल से चल रहा है बड़े भाई से विवा

कंधईखेड़ा गांव के रहने वाले महेंद्र खेती-किसानी करते हैं। परिवार में पत्नी ज्योति और एक चार साल का बेटा है। महेंद्र के बड़े भाई ब्रजेंद्र ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब साढ़े छह बजे महेंद्र के दूसरे बेटे का जन्म हुआ था। महेंद्र का बड़े भाई सुरेंद्र से पिछले छह साल से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। बच्चे के जन्म के करीब दो घंटे बाद महेंद्र किसी काम से घर से बाहर गया था। इसी दौरान सुरेंद्र अपने बेटे शिवा, बेटी उन्नति, पूनम और एक अन्य युवक के साथ ज्योति के कमरे में घुस गया और उसके साथ मारपीट करने लगा। डंडा लगने नवजात की मौत ज्योति के साथ मौजूद महिलाओं ने विरोध किया तो आरोपियों ने उन पर भी लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इसी दौरान मारपीट में डंडा नवजात को लग गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर महेंद्र घर पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की, जिससे उसके हाथ-पैर में फ्रैक्चर हो गया। महेंद्र की हालत गंभीर देखकर ग्रामीणों ने हमलावरों को दौड़ाया तो वे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। इसके बाद परिजनों ने महेंद्र को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। थाना प्रभारी जर्नादन सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर सुरेंद्र उसके बेटे व बेटी के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। बच्चे की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर धाराओं की बढ़ोत्तरी की जाएगी।

संजय प्लेस के फ्रेंड्स टावर के बेसमेंट में लगी आग

आगरा में फ्लेक्स के गोदाम में हादसा, धुआं भरने फायरकर्मियों को ऑक्सीजन मास्क लगाना पड़ा

प्रात: किरण संवाददाता

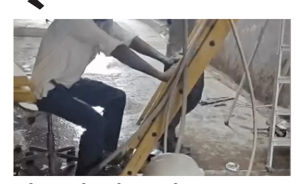

आगरा । के संजय प्लेस स्थित फ्रेंडस टॉवर में शनिवार सुबह बेसमेंट में बने फ्लेक्स के गोदाम में शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग की सूचना पर तत्काल फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गई। बेसमेंट में धुआं भरा होने के कारण फायर कर्मियों को ऑक्सीजन सिलेंडर लगाकर आग बुझानी पड़ी। बेसमेंट में बिना फायर सेफ्टी के गोदाम बना रखा है। गनीमत रही कि समय पर आग पर काबू पा लिया गया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। फ्लेक्स के गोदाम में आग लगी, धुआं उठा तो पता चला फ्रेंड्स टॉवर के बेसमेंट में श्याम सुंदर माहेश्वरी का फ्लेक्स का गोदाम है। सुबह करीब 6 बजे लोगों ने बेसमेंट से धुआं उठता देखा। इसकी सूचना दुकान स्वामी को दी। सूचना पर संजय प्लेस फायर स्टेशन से दमकल की तीन गाड़ियां भी पहुंच गई। बताया गया है कि बेसमेंट का रास्ता दुकान के अंदर से होकर था। ऑक्सीजन मास्क लगाकर पहुंची दमकल टीम ऐसे में दमकल कर्मियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बेसमेंट के अंदर धुआं भरा होने के कारण ऑक्सीजन मास्क लगाकर आग बुझानी पड़ी। गनीमत रही कि आग बेसमेंट में ही रही, अगर आग भड़कती तो कई दुकानें चपेट में आ सकती थीं। इससे गंभीर हादसा हो सकता था। बताया गया है कि आग से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई गई है। बेसमेंट में बने हैं कई गोदाम संजय प्लेस में अधिकांश मार्केट के बेसमेंट में गोदाम बने हुए हैं। इन गोदामों में आग बुझाने के साधन भी नहीं है। ऐसे में अगर कभी कोई बड़ा हादसा हुआ तो बड़ा नुकसान हो सकता है। अग्निशमन विभाग भी इस ओर कोई ध्यान नहीं देता है।

वाराणसी में घर से 24 लाख की चोरी

सोता रह गया परिवार, 22 लाख के जेवर और 2 लाख नकदी उठा ले गए चोर

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। के लंका थाना क्षेत्र के नरोत्तमपुर में चोरों ने एक घर में धावा बोलकर करीब 22 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और 2 लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। परिवार को घटना की जानकारी शनिवार तड़के करीब 4 बजे हुई, जब घर का छोटा बच्चा जागा। कमरे का दरवाजा खुला देखकर परिजनों को शक हुआ। अंदर जाकर देखा तो दीवान बेड का पल्ला हटा था और उसमें रखी नकदी व जेवर गायब थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। देर रात कमरे का दरवाजा खुला मिला सूरज सिंह ने बताया कि 21 अगस्त की रात परिवार के सभी सदस्य खाना खाने के बाद सोने चले गए थे। भोर में चार बजे छोटा बच्चा उठा तो परिवार के अन्य लोग भी जाग गए। इसी दौरान प्रथम तल पर स्थित उस कमरे का दरवाजा खुला मिला, जिसे सोने से पहले बंद किया गया था। कमरे में जाकर देखा गया तो दीवान बेड का एक पल्ला हटा हुआ था। उसमें रखी दो लाख रुपये की नकदी और लाखों रुपये के आभूषण गायब थे। परिवार ने घर में रखे अन्य सामान की जांच की तो चोरी का पता चला।हार, कंगन और झुमके समेत लाखों के जेवर चोरी सूरज सिंह के मुताबिक, चोर सोने का हार, सोने के कंगन, चार सेट कान के झुमके, पायल, महिलाओं की चार अंगूठियां और चांदी की करधनी समेत अन्य आभूषण ले गए।

आगरा में कुछ देर की बारिश के बाद बढ़ी उमस

दोपहर बाद बदला मौसम, 23 अगस्त तक बूंदाबांदी की संभावना

आगरा । में शनिवार दोपहर को मौसम बदल गया। बादलों की आवाजाही के बीच अचानक कुछ क्षेत्रों में बारिश हुई, जिससे उमसभरी गर्मी बढ़ गई। मौसम विभाग ने 23 अगस्त तक ऐसा ही मौसम रहेगा। बादल छाए रहने के साथ ही बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है। दोपहर लगभग 2 बजे 15 मिनट तक एमजी रोड, नेहरू नगर, सूर्य नगर, खंदारी, मदिया कटरा, लोहामंडी, जयपुर हाउस, साकेत कॉलोनी, मानस नगर, रामनगर की पुलिया पर बारिश हुई। आगरा में सुबह से बादलों की आवाजाही बनी हुई थी। कभी धूप निकल रही थी तो कभी बादल छा रहे थे। सामान्य से अधिक हवा चल रही थी। मगर, उमसभरी गर्मी बरकरार थी। दिन में गरज के साथ एक या दो बार बारिश की संभावना जताई गई थी। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.9 डिग्री सेल्सियस रहा। जोकि सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस अधिक है। जबकि गुरुवार को अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार, आज दोपहर बाद मौसम बदल सकता है। तेज हवाओं के साथ रुक-रुक कर बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 23 अगस्त तक बादलों की लुका-छुपी चलती रहेगी। गरज के साथ बूंदाबांदी या बारिश के आसार बने रहेंगे। हालांकि 24 अगस्त को मौसम खुलने के आसार हैं। इस बीच अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

कानपुर में जेन-अल्फा छात्र स्कूल के बाहर बैठे

तिरंगा लेकर 4 घंटे प्रदर्शन किया, कहा- दो कमरों के स्कूल में 122 बच्चे, नई बिल्डिंग बनाई जाए

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर। में शनिवार को जर्जर विद्यालय भवन की जगह नया भवन बनवाने की मांग को लेकर शनिवार को छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शन किया। स्कूल पहुंचे जेन-अल्फा बच्चों ने कक्षाओं में जाने से इनकार कर दिया। बाहर बैठकर करीब चार घंटे तक नारेबाजी की। दो कमरों में 122 बच्चों की पढ़ाई होने से छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों ने ह्यहमारी मांगें पूरी करोह्न और ह्यभारत माता की जयह्न के नारे लगाते हुए विद्यालय भवन बनवाने की मांग उठाई। बारिश शुरू होने के बाद छात्र-छात्राएं घर लौट गए। मामले की जानकारी मिलने पर खंड शिक्षा अधिकारी दीपक अवस्थी दोपहर में विद्यालय पहुंचे और ग्रामीणों व शिक्षकों से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली। मामला घाटमपुर स्थित समूही भटपुरवा गांव के प्राथमिक विद्यालय का है। खुले में बैठकर पढ़ाई को मजबूर छात्रों ने किया प्रदर्शन समूही भटपुरवा प्राथमिक विद्यालय का भवन जर्जर हालत में है। साल 2023 में भवन का जर्जर हिस्सा गिरने से एक बच्ची घायल हो गई थी। इसके बाद शिक्षा विभाग की अनुमति से जर्जर हिस्से को ढहा दिया गया और उसकी नीलामी कर दी गई। तब से विद्यालय महज दो कमरों में संचालित हो रहा है। वर्तमान में यहां 122 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। विद्यालय में प्रधानाध्यापिका प्रियंका तिवारी के अलावा दो सहायक अध्यापक और दो शिक्षामित्र तैनात हैं। विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र के लिए भी भवन उपलब्ध नहीं है। इसके चलते केंद्र एक ग्रामीण के घर में चलाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले तीन वर्षों से विद्यालय भवन निर्माण की मांग को लेकर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। दो कमरों में 122 बच्चों की पढ़ाई होने से उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को बच्चों ने विद्यालय में प्रवेश करने के बजाय बाहर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

वाराणसी में दोस्तों ने शराब पिलाकर युवक का गला काटा

5 टुकड़ों में बोरे में शव भरकर गोबर में दबाया, बरामदगी में फेल पुलिस ने 3 आरोपी दबोचे

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। में 16 दिन से लापता युवक की उसके ही दोस्तों ने हत्या कर दी। पहले सब ने शराब पी। उसके बाद उसकी पिटाई की। जब वह लहूलुहान होकर अधमरा हो गया तो गला रेतकर मार डाला। हत्या के बाद उसका शव बोरे में भरकर लहरतारा में नाले के पास गोबर में दबा दिया। वारदात को अंजाम देकर हमलावर फरार हो गए। 6 अगस्त की रात से लापता युवक की तलाश में परिजन जुटे दर-दर भटकते रहे। पुलिस ने कोई रिपोर्ट भी नहीं लिखी। परिजनों की गुहार पर 11 दिन बाद 17 अगस्त को गुमशुदगी दर्ज हुई। शुक्रवार रात युवक का सड़ा-गला शव नाले के किनारे गोबर के ढेर से बरामद हुआ। युवक के गले पर गहरे घाव थे। शरीर पर भी चोट के निशान थे। पूरा शव पांच टुकड़ों में बंटा था। जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। घरवालों को जानकारी देने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला सिगरा थाना क्षेत्र का है। अब पूरा मामला विस्तार से जानिएङ्क सिगरा थाना क्षेत्र के शिवपुरवा इलाके में 19 वर्षीय युवक ईशू कनौजिया की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। 6 अगस्त से लापता ईशू का शव पुलिस ने रेलवे क्वार्टर के पास गोबर के ढेर से बरामद होने के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों प्रदीप, रोहित और रामकिशन को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबि तीनों आरोपियों ने 6 अगस्त की रात को ईशू को अपने साथ रेलवे क्वार्टर ले गए। वहां सभी ने शराब पी। जब ईशू नशे में हो गया तो तीनों उसी जगह रखे लोहे की रॉड से ईशू की पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान वह जब अधमरा हो गया तो तीनों दोस्तों ने उसकी हत्या करने की योजना बनाई। इसके बाद धारदार हथियार से उसका गला रेत दिया। हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को प्लास्टिक के बोरे में बंद किया गया। उसके बाद रात में ही पास स्थित गोबर के ढेर में दबा दिया और वहां से फरार हो गए। 11 दिन बाद दर्ज हुई गुमशुदगी ईशू के अचानक लापता होने के बाद परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। थाना सिगरा के कई चक्कर लगाए, लेकिन थानेदार ने तलाश के लिए कोई कदम नहीं उठाए बल्कि परिवार को बैरंग लौटा दिया। इसके बाद 17 अगस्त को सिगरा थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए संदिग्धों से पूछताछ की तो कड़ियां जुड़ती रहीं। जांच में पता चला कि युवक की हत्या हो गई है और दोस्तों ने मिलकर उसका शव छिपाया है। घरवालों का कहना है कि लापता होने के बाद पुलिस को अपहरण की आशंका जताते हुए तहरीर दी थी। मगर पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया। अब उसका शव बोरे में मिला है।

कटरी में नाव से स्कूल जा रहे बच्चों को रोका

ग्रामीण जुटे तो लाइफ जैकेट पहनाकर मोटरबोट से भेजा, गंगा का पानी बढ़ रहा

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर। में गंगा का जलस्तर बढ़ने के साथ ही कटरी क्षेत्र के गांवों में मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। शनिवार सुबह लोधवाखेड़ा ग्राम पंचायत के बच्चों को नाव से नदी पार कर स्कूल जाने से पुलिस ने रोक दिया। बच्चों को रोके जाने की सूचना पर नदी किनारे ग्रामीण और स्कूल ड्रेस में बच्चे जुट गए। विरोध की स्थिति बनने पर ग्राम प्रधान रवि निषाद भी मौके पर पहुंचे। ग्राम प्रधान ने पुलिस अधिकारियों से की बात पुलिस का कहना था कि गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है, ऐसे में बच्चों का नाव से नदी पार करना जोखिम भरा हो सकता है। बच्चों को स्कूल जाने से रोके जाने की जानकारी मिलने के बाद ग्राम प्रधान ने पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। इसके बाद बच्चों को लाइफ जैकेट पहनाकर मोटरबोट के जरिए सुरक्षित स्कूल भेजने की व्यवस्था की गई। पांच गांवों के बच्चे नाव से पहुंचते हैं शहर लोधवाखेड़ा ग्राम पंचायत के मजरा देवनीपुरवा, चैनपुरवा, धारमखेड़ा, पहाड़ीपुर और छोटा मंगलपुर के करीब 30-35 बच्चे बेहतर शिक्षा के लिए रोज नाव के सहारे गंगा पार कर शहर आते हैं। बच्चे परमट और बाबा घाट पर उतरकर शहरी क्षेत्र के स्कूलों में पढ़ाई करते हैं। नदी का जलस्तर बढ़ने पर इन बच्चों की स्कूल तक पहुंच प्रभावित होने लगी है। ग्रामीण बोले- दो से तीन महीने की हो स्थायी व्यवस्था गांव के रहने वाले सर्वेश का कहना है कि गंगा का जलस्तर अभी और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में अगले दो से तीन महीने तक बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। प्रशासन को बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई जारी रखने के लिए कोई स्थायी व्यवस्था करनी चाहिए। ग्रामीणों ने मांग की है कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में बच्चों के लिए सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था प्रशासन की ओर से कराई जाए, ताकि उनकी पढ़ाई बाधित न हो। प्रशासन स्थायी व उचित व्यवस्था करे ग्राम प्रधान रवि निषाद ने बताया कि मेरे ग्राम पंचायत से लगभग 30-35 बच्चे रोज गंगा पार करके स्कूल पढ़ने जाते हैं। आज बच्चों को पुलिस ने नाव से स्कूल जाने से रोका। सूचना पर मैं पहुंचा और बातचीत हुई तो लाइफ जैकेट पहनाकर बच्चों को भेजा गया है। पानी बढ़ने की संभावना को देखते हुए प्रशासन को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए स्थायी व्यवस्था करनी चाहिए। चेतावनी बिंदु के करीब गंगा गंगा का जलस्तर भी बीते कई दिनों से बढ़ रहा है। शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर 112.29 मीटर रहा जो कि खतरे के निशान से 71 सेमी दूर है। इस स्थान पर चेतावनी बिंदु 113 मीटर व खतरे का निशान 114 मीटर है। घाटों पर लोगों के नहाने व बोटिंग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

वाराणसी में गंगा का जलस्तर शीतला माता मंदिर तक पहुंचा

वाराणसी। में शनिवार को गंगा का जलस्तर 69.04 मीटर पहुंच गया है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गंगा का जलस्तर करीब दो सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा। गंगा का चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर और खतरे का निशान 71.262 मीटर है। इस तरह गंगा चेतावनी बिंदु से महज करीब सवा मीटर नीचे रह गई है। जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने तटवर्ती इलाकों के साथ किसानों की चिंता भी बढ़ा दी है। रविदास घाट से नमो घाट तक तेजी से फैल रहा पानी गंगा का पानी रविदास घाट से लेकर नमो घाट तक तेजी से फैलता दिखाई दे रहा है। अस्सी घाट पर सुबह-ए-बनारस का मंच पूरी तरह डूब चुका है, जबकि दशाश्वमेध घाट पर जल पुलिस चौकी की दहलीज तक पानी पहुंच गया है। घाटों पर पानी बढ़ने के कारण प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी कर रही हैं। राजस्व विभाग के कर्मचारी गंगा के जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं। एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें स्नानार्थियों को सावधानी बरतने और सुरक्षित तरीके से स्नान करने की हिदायत दे रही हैं। 27 अगस्त तक तेज बारिश के आसार नहीं मौसम वैज्ञानिक डॉ. मनोज श्रीवास्तव के मुताबिक मानसून द्रोणिका का पश्चिमी छोर अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक गया है। इसके चलते वाराणसी में फिलहाल तेज बारिश की संभावना कम है। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त तक बनारस में तेज बारिश के आसार नहीं हैं। हालांकि आसमान में बादलों की आवाजाही जारी रह सकती है और बीच-बीच में बूंदाबांदी होने की संभावना है। शनिवार सुबह वाराणसी में तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार करीब छह किलोमीटर प्रति घंटे रही, जबकि आर्द्रता 70 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम में उमस६के बीच बादलों की आवाजाही से लोगों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

काशी में गंगा के बाद वरुणा उफनाई, पलायन शुरू

यूपी। में मानसून एक्टिव है। शनिवार सुबह से लखनऊ, संभल, बाराबंकी समेत 30 शहरों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। शामली-बरेली में इतनी बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। बहराइच में 2 घंटे की बारिश से मेडिकल कॉलेज में पानी घुस गया। लखनऊ में शुक्रवार को इस सीजन में सबसे ज्यादा रिकॉर्ड 56.4 मिमी बारिश हुई। इससे पहले 15 अगस्त को 40.9 मिमी बारिश हुई थी। मौसम विभाग ने आज 66 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें 29 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। मेरठ में बारिश के बाद छछफ्ट मेडिकल कॉलेज में जलभराव हुआ। मरीज और स्टाफ पानी के बीच से निकले। प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर 24 घंटे में 37-38 सेंटीमीटर बढ़ गया। बड़े हनुमान मंदिर की दो सीढ़ियों तक पानी पहुंचा। इधर, लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। बाराबंकी-अयोध्या, गोंडा में घाघरा (सरयू), बदायूं-बलिया में गंगा, लखीमपुर में शारदा, प्रयागराज में टोंस, सोनभद्र में सोन और चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। करीब एक लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं।

वाराणसी में निकला जुलूस-ए-अमारी, मोहर्रम का आखरी मातम

वाराणसी। में करबला के 72 शहीदों और शिया मुसलमानों के 11वें इमाम हसन अस्करी की याद में दालमंडी से शनिवार सुबह अमारी का जुलूस निकाला गया। यह जुलूस दो महीने 8 दिन चलने वाले शिया मुसलमानों के गम के महीने का अंतिम जुलूस होता है। जुलूस दालमंडी स्थित शफ्फन सफदर के इमामबाड़े से निकाला गया। दरगाह फातमान, लल्लापुरा में जाएगा। इसमें आसपास के जिलों से भी बड़ी तादाद में जायरीन पहुंचे हैं। सन 61 हिजरी में इमाम हुसैन हुए थे करबला की शहादत लखनऊ से आए मौलाना इरशाद अब्बास ने बताया - इमाम हुसैन और उनके साथियों को करबला की सरजमीं पर सन 61 हिजरी को 10 मोहर्रम के दिन में उस वक्त के दुर्दान्त आतंकवादी यजीद और उसकी फौज ने तीन दिन का भूखा प्यासा शहीद कर दिया था। तब से शिया मुसलमान इमाम हुसैन और उनके साथ शहीद हुए उनके भाई, बेटे और साथियों की शहादत का गम मनाते हैं जो इस्लामिक महीने मोहर्रम की एक तारीख से शुरू होकर इस्लामिक माह रबीअव्वल की 8 तारीख तक मनाया जाता है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में अर्धनारीश्वर स्वरूप में हुआ भव्य श्रृंगार

वाराणसी। में श्रावण मास के तृतीय सोमवार और नागपंचमी के पावन पर्व पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान श्री विश्वेश्वर का भव्य अर्धनारीश्वर श्रृंगार किया गया। 17 अगस्त को भगवान का यह विशेष श्रृंगार अत्यंत दिव्य और मनोहारी था। अर्धनारीश्वर स्वरूप में भगवान शिव और माता पार्वती के संयुक्त रूप दर्शकों को आकर्षित कर रहा था। मंदिर में दिव्य श्रृंगार के साथ-साथ आरती दर्शन भी भक्तों को उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन का लाभ उठाया। ट्रस्ट ने इस पावन अवसर की तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए हैं, जिनमें भगवान का भव्य श्रृंगार साफ दिखाई दे रहा है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठकः स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति परखी, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

एनीमिया मुक्त भारत में बिजनौर प्रदेश में 5वें स्थान पर, टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 के प्रचार पर जोर

प्रात : किरण अवनीश त्यागीता

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। थैलेसीमिया मरीजों को रक्त की कमी न हो जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि थैलेसीमिया रोगियों को ब्लड बैंक से रक्त उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की बाधा न आने पाए। इसके लिए नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित कर रक्त की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरसात के मौसम को देखते हुए डीएम ने जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वॉटर लॉगिंग प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य कैंप लगाए जाएं तथा संक्रामक एवं मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव अनिवार्य रूप से कराया जाए। परिवार कल्याण और एनीमिया अभियान बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 07 पुरुष नसबंदी और 729 महिला नसबंदी के केस हुए हैं। एनीमिया मुक्त भारत अभियान में जनपद बिजनौर ने पूरे प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। जिलाधिकारी ने अभियान को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। आरबीएसके की उत्कृष्ट टीम सम्मानित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (फ्इरङ) की समीक्षा के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली टीमों को जिलाधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसएएम बच्चों को चिह्नित करने के लिए चल रहे ह्यसंभवह्न अभियान में पात्र बच्चों की समय से पहचान, उपचार और फॉलोअप सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन 14416 टेली मानस पोर्टल की समीक्षा में बताया गया कि मस्तिष्क संबंधी बीमारियों एवं मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 14416 संचालित है। डीएम ने इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। अन्य महत्वपूर्ण बिंदु - जननी सुरक्षा योजनाः 6,511 डिलीवरी के सापेक्ष 4,918 लाभार्थियों (75.33%) को भुगतान किया जा चुका है, शेष को शीघ्र भुगतान के निर्देश।पोषण पुनर्वास केंद्र (ठफ्ळ): बेड ऑक्यूपेंसी दर 75 प्रतिशत पाई गई। टीकाकरणः 19 अगस्त 2026 तक एचपीवी टीकाकरण में 77% और अप्रैल से जुलाई 2026 तक पूर्ण टीकाकरण में 93% उपलब्धि हासिल। टीबी उन्मूलनः वर्ष 2026 में अब तक 8,189 क्षय रोगियों का उपचार जारी, जिनमें से 7,506 को निक्षय मित्र संस्थाओं/अधिकारियों द्वारा गोद लिया गया है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी कार्यों की प्रगति समय से ऑनलाइन फीड करने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं की वास्तविक स्थिति प्रदर्शित हो सके। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, समस्त एमओआईसी एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम-एसपी ने थाना समाधान दिवस में सुनी फरियादियों की समस्याएं

भूमि विवादों के निस्तारण में पुलिस-राजस्व की संयुक्त टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। शासन की मंशा के अनुरूप फरियादियों को त्वरित एवं न्यायपूर्ण समाधान उपलब्ध कराने के लिए शनिवार को जनपद के सभी थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसी क्रम में थाना गजरौला में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। डीएम और एसपी ने थाना पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और प्राप्त प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कुछ शिकायतों का मौके पर ही समाधान कराया गया, जबकि अन्य मामलों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने विशेष रूप से भूमि संबंधी मामलों के निस्तारण पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें मौके पर जाकर प्रकरण की जांच करें और नियमानुसार त्वरित एवं न्यायपूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करें। इससे फरियादियों को अपनी शिकायत के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनपद के अन्य थानों में भी पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में थाना समाधान दिवस आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनी गईं। राजस्व कर्मियों के साथ समन्वय कर शिकायतों के निस्तारण की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने कहा कि जनशिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

हरिओम मौर्य बने उज्ज्वला योजना के रामपुर जिला चेयरमैन

स्वार में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश प्रजापति ने की घोषणा

प्रात : किरण संवाददाता

स्वार। स्वार ब्लॉक सभागार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाभार्थी विभाग की ओर से विशाल सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश प्रजापति तथा विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड के राज्य मंत्री एवं अमरोहा जिले के उज्ज्वला योजना अध्यक्ष ओमप्रकाश गोला रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश प्रजापति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत देशभर में 11 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि पहले महिलाओं को गैस कनेक्शन लेने के लिए विधायक और सांसदों की सिफारिश लगवानी पड़ती थी, लेकिन उज्ज्वला योजना ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। उन्होंने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आज आयुष्मान योजना के तहत पात्र लोगों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक के उपचार की सुविधा मिल रही है। इसी दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश प्रजापति ने नगर पंचायत मसवासी के निवर्तमान अध्यक्ष हरिओम मौर्य को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाभार्थी विभाग का रामपुर जिला चेयरमैन घोषित किया। घोषणा के बाद मौजूद लोगों ने उनका स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि ओमप्रकाश गोला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के दुख-दर्द को समझते हुए उज्ज्वला योजना शुरू की। पहले महिलाएं लकड़ी और उपलों के चूल्हे पर खाना बनाने के कारण धुएं से परेशान रहती थीं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। उज्ज्वला योजना से महिलाओं को चूल्हे के धुएं से काफी राहत मिली है। नवनियुक्त जिला चेयरमैन हरिओम मौर्य ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी मेहनत, लगन और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर जिला चेयरमैन ऊधमसिंहनगर खड़क सिंह, प्रदेश मंत्री ओबीसी मोर्चा उत्तराखंड मनोज प्रजापति, क्षेत्रीय प्रभारी उज्ज्वला योजना एवं मुरादाबाद चेयरमैन ओमपाल सैनी, देवकरन गंगवार, चेतन स्वरूप मौर्य, देवेंद्र दिवाकर, यशपाल मौर्य, प्रताप सिंह मौर्य, अजय सिंह मौर्य, पंकज सैनी, संजीव कुमार वर्मा, परमिंदर मौर्य, मुकुट लाल, जगदीश सिंह, दुर्गेश बाबू गंगवार, नत्था सिंह कंबोज, अतर सिंह, विनेश गंगवार, नीरज मौर्य, मयंक मौर्य, पवन मौर्य समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

अंतिम सोमवार के जलाभिषेक को लेकर डीएम-एसपी ने कांवड़ मार्ग का किया

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। कांवड़ यात्रा के अंतिम सोमवार को होने वाले जलाभिषेक को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने शनिवार को कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कांवड़ियों की आवाजाही, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, बैरिकेडिंग समेत अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अंतिम सोमवार के जलाभिषेक को देखते हुए जिले के सभी शिव मंदिरों एवं शिवालयों में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक इंतजाम पूरी तरह दुरुस्त रखे जाएं। मंदिरों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की सुगम आवाजाही के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए, ताकि कहीं भी भीड़ अथवा अव्यवस्था की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि अंतिम सोमवार को बड़ी संख्या में शिवभक्त शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे। ऐसे में सभी अधिकारी पूरी सतर्कता के साथ व्यवस्थाओं पर नजर रखें और आपसी समन्वय से कार्य करें। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक ने भी पुलिस अधिकारियों एवं ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। कांवड़ मार्ग पर यातायात को सुचारु रखने के लिए की गई व्यवस्थाओं और सुरक्षा इंतजामों की भी समीक्षा की गई। जिला प्रशासन की ओर से कांवड़ यात्रा के प्रथम दिन से ही शिवभक्तों की सुरक्षा और सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। डीएम और एसपी द्वारा लगातार कांवड़ मार्गों, शिविरों और शिवालयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। अंतिम सोमवार को जलाभिषेक के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग के ऑडिट प्रस्तरों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

ऑडिट में अभिलेख न देने पर सचिव और प्रधान के विरुद्ध नोटिस व वसूली होगी : जिलाधिकारी

प्रात : किरण अवनीश त्यागीता

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पंचायती राज विभाग के वर्ष 2012-13 से 2024-25 तक के लम्बित ऑडिट प्रस्तरों के निस्तारण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, सहकारी समितियां एवं पंचायतें को निर्देश दिए कि ऑडिटरों की रोस्टरवार टीम बनाकर ग्राम पंचायतों के लम्बित ऑडिट प्रस्तरों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में वसूली की धनराशि संबंधित सचिव एवं ग्राम प्रधान द्वारा जमा करा दी गई है, उन प्रकरणों को संतोषजनक मानते हुए आख्या प्रेषित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन प्रकरणों में संबंधित सचिव की मृत्यु हो चुकी है, उनमें नियमानुसार कार्यवाही कर जिलाधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को अवगत कराया जाए। जिन विकास खण्डों में ऑडिट के अधिक प्रस्तर लम्बित हैं, वहां एक से अधिक ऑडिटर लगाकर निस्तारण में तेजी लाई जाए। मनरेगा से संबंधित प्रस्तरों को उपायुक्त मनरेगा को प्रेषित कर उनके माध्यम से निस्तारण कराने के निर्देश भी दिए। खण्डवार ऑडिटरों की तैनाती के निर्देश जिलाधिकारी ने विकास खण्ड अफजलगढ़ में ऑडिटर श्री अमित, अतुल एवं गुरुदेव, किरतपुर में श्री भैयालाल, कोतवाली में श्री संजीव मौर्या व रमाकांत, नजीबाबाद में श्री संजीव मौर्य तथा नूरपुर में ऑडिटर श्री राकेश को लगाकर ऑडिट प्रस्तरों का निस्तारण कराने के निर्देश दिए। साथ ही ऑनलाइन ऑडिट के प्रकरणों का निस्तारण ऑडिटर श्री सुनील एवं रविन्द्र द्वारा सुनिश्चित कराने को कहा। 29 ग्राम पंचायतों के ऑडिट की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने वर्ष 2024-25 की 29 ग्राम पंचायतों के ऑडिट प्रस्तरों की गहन समीक्षा की। इनमें विकास खण्ड मोहम्मदपुर देवमल की फरीदपुर निजाम, अकबरपुर अंगखेड़ी, करीमपुर बमनौली, रफीउल्लानगर उर्फ रावली, शहजादपुर, रामजीवाला, हल्दौर की बल्दिया, जलालपुर हसना, ननपुरा, किरतपुर की गोविन्दपुर एवं पाडला, नहटौर की नकीपुर एवं बूढ़पुर, स्योहारा की अमानतपुर, हुसैनपुर कला, लाम्बाखेड़ा, मुबारकपुर मधु उर्फ गढ़ी, बूढ़ा नंगला, बिसनपुर, फेजुल्लापुर, कुरी बांगर, नामदारपुर चांदन एवं कासमाबाद तथा जलीलपुर की त्रिपुड़ी, महमूदपुर, बुन्दा कलां, थुरैला, मुबारकपुर एवं मनौटा ग्राम पंचायतें शामिल हैं। लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन ऑडिट प्रकरणों में संबंधित सचिव द्वारा अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जा रहे हैं, ऐसे मामलों में संबंधित सचिव व तत्कालीन ग्राम प्रधान/प्रशासक के विरुद्ध पंचायती राज अधिनियम 1947 के अंतर्गत नियमानुसार नोटिस एवं वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

कालिंदी विहार में फिर धंसी सड़क, पत्थर लदा ट्रक फंसा

आगरा। के कालिंदी विहार में सड़क धंसने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार रात पत्थर के माल से लदा एक ट्रक सड़क धंसने के कारण फंस गया। घंटों की मशक्कत के बाद ट्रक को बाहर निकाला जा सका। निर्माण कार्य कर रही कंपनी पर लापरवाही बरतने का आरोप है। यह घटना शुक्रवार रात को हुई, जब एक ट्रक के पिछले पहिये अचानक सड़क में धंस गए। चालक को वाहन निकालने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। एक राहगीर ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसमें सड़क की बदहाल स्थिति स्पष्ट दिख रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कालिंदी विहार में सड़क धंसने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले एक निजी एंबुलेंस भी इसी सड़क में फंस चुकी है। लगभग नौ दिन पूर्व दिन के समय भी पत्थर के माल से लदा एक अन्य ट्रक सड़क में धंस गया था, जिसे माल उतारने के बाद ही निकाला जा सका था। लगातार हो रही इन घटनाओं के बावजूद निर्माण कंपनी के अधिकारी सड़क की स्थिति सुधारने को लेकर गंभीर नहीं दिख रहे हैं।

मंडल स्तरीय कुश्ती में राधा ने जीता स्वर्ण पदक

53 किलो वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर बढ़ाया कॉलेज और जनपद का मान

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। हेविट मुस्लिम इंटर कॉलेज, मुरादाबाद में आयोजित मंडल स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में जेएस हिंदू इंटर कॉलेज अमरोहा की कक्षा 12 विज्ञान वर्ग की छात्रा कु. राधा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 53 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया। कु. राधा ने प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के बाद अब वह सितंबर माह में गोरखपुर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। विद्यालय के खेल प्रशिक्षक राजवीर सिंह ने बताया कि छात्रा ने कड़ी मेहनत और लगन से यह सफलता हासिल की है। छात्रा की उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. जीपी सिंह, प्रबंधक पंकज गुप्ता सहित समस्त स्टाफ ने कु. राधा और उसके परिजनों को बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यालय लौटने पर छात्रा का सम्मान समारोह आयोजित कर उसकी उपलब्धि का उत्साहवर्धन किया जाएगा। राधा के स्वर्ण पदक जीतने से विद्यालय के छात्र-छात्राओं और स्टाफ में खुशी का माहौल है।

विधायक मदन भैया ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर लोनी की विद्युत आपूर्ति समस्या से कराया अवगत

प्रात : किरण संवाददाता

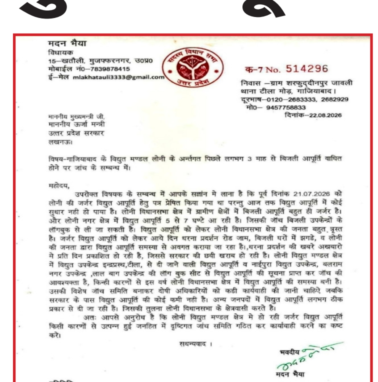

मदन भैया
विधायक
15-खतौली, मुजफ्फरनगर, उ0प्र0
मोबाईल नं0-7839878415
ई-मेल mlakhatauli3333@gmail.com

सदस्य विधान सभा उत्तर प्रदेश

क-7 No. 514296

निवास -ग्राम शरफुद्दीनपुर जावली
थाना टीला मोड़, गाजियाबाद।
दूरभाष-0120-2683333, 2682929
मो0- 9457758833
दिनांक-22.08.2026

माननीय मुख्यमन्त्री जी,
माननीय ऊर्जा मन्त्री
उत्तर प्रदेश सरकार
लखनऊ।

विषय-गाजियाबाद के विद्युत मण्डल लोनी के अर्न्तगत पिछले लगभग 3 माह से बिजली आपूर्ति वाधित होने पर जांच के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक के सम्बन्ध में आपके सज्ञांन मे लाना है कि पूर्व दिनांक 21.07.2026 को लोनी की जर्जर विद्युत आपूर्ति हेतु पत्र प्रेषित किया गया था परन्तु आज तक विद्युत आपूर्ति में कोई सुधार नही हो पाया है। लोनी विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहुत ही जर्जर है। और लोनी नगर क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति 5 से 7 घण्टे आ रही है। जिसकी जॉच बिजली उपकेन्द्रों के लॉगबुक से ली जा सकती है। विद्युत आपूर्ति को लेकर लोनी विधानसभा क्षेत्र की जनता बहुत त्रस्त है। जर्जर विद्युत आपूर्ति को लेकर आये दिन धरना प्रदर्शन रोड जाम, बिजली घरों में झगडे, व लोनी की जनता द्वारा विद्युत आपूर्ति समस्या से अवगत कराया जा रहा है।,धरना प्रदर्शन की खबरे अखबारो मे प्रति दिन प्रकाशित हो रही है, जिससे सरकार की छवी खराब हो रही है। लोनी विद्युत मण्डल क्षेत्र में विद्युत उपकेन्द्र इन्द्रप्रस्थ,टीला, से दी जाने वाली विद्युत आपूर्ति व नाईपुरा विद्युत उपकेन्द्र, बलराम नगर उपकेन्द्र ,लाल बाग उपकेन्द्र की लॉग बुक सीट से विद्युत आपूर्ति की सूचना प्राप्त कर जॉच की आवश्यक्ता है, किन्ही कारणों से इस वर्ष लोनी विधानसभा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की समस्या बनी है। उसकी विशेष जॉच समिति बनाकर दोषी अधिकारियों को कडी कार्यवाही की जानी चाहिऐ जबकि सरकार के पास विद्युत आपूर्ति की कोई कमी नही है। अन्य जनपदों में विद्युत आपूर्ति लगभग ठीक प्रकार से दी जा रही है। जिसकी तुलना लोनी विधानसभा के क्षेत्रवासी करते है।

अतः आपसे अनुरोध है कि लोनी विद्युत मण्डल क्षेत्र मे हो रही जर्जर विद्युत आपूर्ति किसी कारणों से उत्पन्न हुई जनहित में दृष्टिगत जांच समिति गठित कर कार्यावाही करने का कष्ट करे।

सधन्यवाद ।

भवदीय
मदन भैया

प्रतिलिपि-
१. अध्यक्ष उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लि० लखनऊ।
२. प्रबन्धक निदेशक पश्चिमांचल विद्युत वितरण मेरठ।

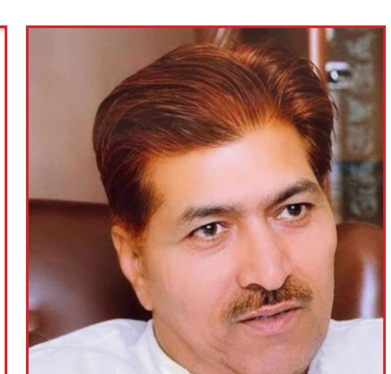

लोनी। ग्राम जवाली निवासी खतौली विधायक मदन भैया ने गाजियाबाद के विद्युत मण्डल लोनी के अर्न्तगत पिछले लगभग 3 माह से बिजली आपूर्ति वाधित होने पर जांच के सम्बन्ध में मा. मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखा है। उन्होंने अपने पत्र के माध्यम से उक्त मंडल क्षेत्र में हो रही जर्जर विद्युत आपूर्ति किस कारणों से उत्पन्न हुई जनहित में दृष्टिगत जांच समिति गठित कर कार्रवाई करने की अपील की है।विधायक मदन भैया ने मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र में उल्लेख किया है कि पूर्व दिनांक 21 जुलाई 2026 को भी लोनी की जर्जर विद्युत आपूर्ति हेतु पत्र प्रेषित किया गया था. परन्तु आज तक विद्युत आपूर्ति में कोई सुधार नही हो पाया है। लोनी विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति अत्यंत खराब स्थिति में है जबकि लोनी नगर क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति 5 से 7 घण्टे आ रही है। जिसकी जॉच बिजली उपकेन्द्रों के लॉगबुक से ली जा सकती है। विद्युत आपूर्ति को लेकर लोनी विधानसभा क्षेत्र की जनता बहुत ही त्रृस्त है। जर्जर विद्युत आपूर्ति को लेकर आये दिन धरना प्रदर्शन, रोड जाम, बिजली घरों में झगडे, व लोनी की जनता द्वारा विद्युत आपूर्ति समस्या से अवगत कराया जा रहा है। धरना प्रदर्शन की खबरे अखबारो में प्रति दिन प्रकाशित हो रही है, जिससे सरकार की छवी खराब हो रही है। लोनी विद्युत मण्डल क्षेत्र में विद्युत उपकेन्द्र इन्द्रप्रस्थ, टीला, से दी जाने वाली विद्युत आपूर्ति व नाईपुरा विद्युत उपकेन्द्र, बलराम नगर उपकेन्द्र, लाल बाग उपकेन्द्र की लॉग बुक सीट से विद्युत आपूर्ति की सूचना प्राप्त कर जॉच की आवश्यक्ता है, किन्ही कारणों से इस वर्ष लोनी विधानसभा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की समस्या बनी है। उसकी विशेष जॉच समिति बनाकर दोषी अधिकारियों पर कडी कार्यवाही की जानी चाहिऐ जबकि सरकार के पास विद्युत आपूर्ति की कोई कमी नही है। अन्य जनपदों में विद्युत आपूर्ति लगभग ठीक प्रकार से दी जा रही है। जिसकी तुलना लोनी विधानसभा के क्षेत्रवासी करते है। मदन भैया ने अनुरोध किया है कि लोनी विद्युत मण्डल क्षेत्र मे हो रही जर्जर विद्युत आपूर्ति किसी कारणों से उत्पन्न हुई जनहित में दृष्टिगत जांच समिति गठित कर कायार्वाही कराई जाए।

बिजनौर को मिले नए पुलिस कप्तान, आईपीएस कृष्ण कुमार ने संभाला पदभार

रिजर्व पुलिस लाइन में गार्ड की सलामी के साथ हुआ स्वागत, अधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

प्रात : किरण अवनीश त्यागीता

बिजनौर। शासन द्वारा किए गए तबादले के क्रम में जनपद बिजनौर में नवागत पुलिस अधीक्षक के रूप में श्री कृष्ण कुमार (भा0पु0से0) ने गुरुवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। जनपद में प्रथम आगमन पर रिजर्व पुलिस लाइन स्थित गेस्ट हाउस में पुलिस बल द्वारा उन्हें सलामी दी गई। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी सहित समस्त क्षेत्राधिकारीगण एवं प्रतिसार निरीक्षक मौजूद रहे। अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नवागत पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवागत पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण कुमार ने पुलिस कार्यालय में अधिकारियों के साथ औपचारिक बैठक कर जनपद की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं लंबित विवेचनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखना तथा आमजन को त्वरित न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी तथा पीड़ितों की सुनवाई को सर्वोपरि रखा जाएगा।

गंगाजल लेकर रामपुर पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष, हुआ जोरदार स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

रामपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार शनिवार को अपने जत्थे के साथ हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा करते हुए रामपुर पहुंचे। उनके रामपुर आगमन पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने पुष्प वर्षा और ह्यहर-हर महादेवह्न, ह्यबोल बमह्न के जयकारों के साथ जोरदार स्वागत किया। कांवड़ यात्रा के दौरान हरीश गंगवार ने अपने जत्थे के साथ हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हुए रामपुर तक की यात्रा पूरी की। उनके पहुंचने पर भाजपा कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।कार्यकताओं ने उनकी कांवड़ यात्रा की सफलता एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा सदर विधायक आकाश सक्सेना, पूर्व विधायक ज्वाला प्रसाद गंगवार, जिला महामंत्री रविंद्र सिंह रवि, अर्जुन रस्तोगी, करतार सिंह, विकास दीक्षित, मोहन कुमार लोधी, सुनील मौर्य, कुंवर बहादुर राजपूत, ऋषि पांडे, पवन कुमार, राजू सुमन, देवेंद्र सैनी, सरदार विक्रम सिंह, अवधेश शर्मा, जूही सिंह, ओमप्रकाश लोधी, ओमप्रकाश सैनी, निखिल दिवाकर, साहिल अरोरा, अनुभव शर्मा, अनुज भारद्वाज, पीयूष कुमार, आकाश यादव, महेंद्र मौर्य, यशपाल मौर्य सहित मंडल पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, श्रद्धा, अनुशासन और संकल्प का प्रतीक है। यह भगवान शिव के प्रति भक्ति एवं समर्पण की भावना को मजबूत करती है। जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने स्वागत के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा और सभी की शुभकामनाओं से कांवड़ यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव की आराधना के साथ ही समाज में सेवा, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार से लाए गए पवित्र गंगाजल से सोमवार को उनके ग्राम धनेली उत्तरी स्थित नर्मदेश्वर मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान कार्यकताओं ने प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए भगवान शिव से जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार के स्वस्थ एवं सफल जीवन की प्रार्थना की।

जुलूसे अमारी बरामद, अजाखानों से उतरे काले अलम

इमाम हसन असकरी की शहादत पर हुई मजलिस, मातमी अंजुमनों ने नौहाख्वानी व मातम किया

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। हजरत इमाम हसन असकरी अलैहिस्सलाम की शहादत के मौके पर शनिवार को शहर में जुलूसे अमारी बरामद हुआ। इस दौरान अजाखानों में मजलिसों का आयोजन किया गया और शहर के विभिन्न इमामबाड़ों से काले अलम उतारे गए। जुलूस की शुरूआत काजीजादा स्थित इमामबाड़ा चांदसूरज से हुई। 8 रबीउल अव्वल को 11वें इमाम हजरत इमाम हसन असकरी अलैहिस्सलाम की शहादत का दिन मनाया जाता है। अजाखाने में सिब्ते सज्जाद व हमनवां ने मरसिया ख्वानी की। मौलाना अजहर अब्बास ने फजाइल व मसाइब बयान किए। उन्होंने इमाम हसन असकरी अलैहिस्सलाम की शहादत के प्रसंग पर प्रकाश डाला। जुलूस में सबसे आगे ऊंटों पर अमारियां थीं। इसके बाद अलम, ताबूत और जुलजनाह चल रहे थे। जुलूस काजीजादा से सद्दो, नख्शबी, दरबार मीराखां, चाहगौरी, मजापोता, कोट, दानिशमंदान, बंगला, शफातपोता, कटरा गुलाम अली, गुजरी, मच्छरहट्टा, मंडी चौब, दरबारे कलां, अहमद नगर, कटकूई, काली पगड़ी, जाफरी और पचदरा होता हुआ काजी गली स्थित इमामबाड़ा छज्जी पहुंचा। यहां मुदस्सिर अली खां व साथियों ने मरसिया पढ़ा, जबकि मौलाना शहवार हुसैन ने मजलिस को खिताब किया। इसके बाद जुलूस नौबतखाना पहुंचा, जहां इमामबाड़ा सैयद चांद नौबतखाने से अलम उतारा गया। जुलूस सट्टी, हक्कानी और घेर कर्म अली खां से गुजरता हुआ मौलकड़ा स्थित इमामबाड़ा सज्जादियां पहुंचकर समाप्त हुआ। जुलूस के दौरान शहर की मातमी अंजुमनों ए असगरी, बनी हाशिम, रजा-ए-हुसैनी, गुलजारे हैदरी, सज्जादिया, मोहम्मदी, मासूमिया, सादात, इमामिया, अकबरी, हुसैनी और हाशमी ने नौहाख्वानी व मातम किया। जुलूस की समाप्ति के साथ शिया समुदाय में शोक का दौर समाप्त हुआ और अब खुशी के कार्यक्रम शुरू होंगे। जुलूस का संचालन अंजुमन रजाकाराने हुसैनी ने किया। मोहर्रम, चेहलुम और जुलूसे अमारी के सफल आयोजन पर काईद शाने मुज्तबा व जनरल सेक्रेटरी खुर्शीद हैदर जैदी ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर पालिका, विद्युत विभाग और मीडिया के सभी लोगों का आभार जताया। इस दौरान काईद शाने मुज्तबा, जनरल सेक्रेटरी खुर्शीद जैदी, नायब काईद शिराज गालिब, गुलाम सज्जाद, सैयद मुज्तबा, रजा शमीम, इमदाद आब्दी, डॉ. चंदन नकवी, वसीम जैदी, मोहम्मद तकी हसन काजिम, हुसैन अब्बास और नजीर हैदर सहित अन्य लोग जुलूस के संचालन में मौजूद रहे।

मेरठ की घटना के विरोध में मार्च से पहले कांग्रेस जिलाध्यक्ष को घर में किया डिटेन

ओमकार कटारिया बोले–किसानों, नौजवानों और दलितों पर हो रहे कथित अन्याय के खिलाफ कांग्रेस मजबूती से उठाएगी आवाज

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। मेरठ में किसान नेता दिग्विजय भाटी और नेता मोहित कुमार जाटव के साथ कथित पुलिस बर्बरता के विरोध में प्रस्तावित विरोध मार्च से पहले अमरोहा पुलिस प्रशासन ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार कटारिया को शनिवार सुबह उनके आवास पर डिटेन कर लिया। कांग्रेस की ओर से हसनपुर में महाराणा प्रताप की प्रतिमा से तहसील परिसर तक विरोध मार्च प्रस्तावित किया गया था। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार कटारिया ने आरोप लगाया कि मेरठ में किसान नेता दिग्विजय भाटी और मोहित कुमार जाटव के साथ पुलिस ने बर्बरता की। उन्होंने कहा कि दोनों के शरीर पर चोट के निशान कथित जुल्म और अन्याय की गवाही दे रहे हैं। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की। कटारिया ने कहा कि किसानों, छात्रों और दलितों के साथ अन्याय के खिलाफ कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोकतांत्रिक तरीके से सवाल उठाने वाले विपक्षी नेताओं और सामाजिक संगठनों के साथ दमनात्मक रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि जहां भी जुल्म और अन्याय होगा, कांग्रेस मजबूती से पीड़ितों के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्ष के रूप में पिछले छह वर्षों में उन्हें करीब 70 बार पुलिस प्रशासन द्वारा डिटेन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता जुल्म, अन्याय और कथित तानाशाही का लोकतांत्रिक तरीके से मुकाबला करते रहेंगे। कटारिया ने दावा किया कि प्रदेश सरकार किसानों, नौजवानों, छात्रों और दलितों की समस्याओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में किसान, नौजवान, छात्र और दलित सरकार को सत्ता से बाहर करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि रात कितनी भी अंधेरी हो, सूरज का उदय निश्चित है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
नई दिल्ली, रविवार, 23 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

रैली-जुलूस की अनुमति अब 7 दिन पहले लेनी होगी

रायपुर में रैली, जुलूस, सार्वजनिक खेल मैदान में कार्यक्रम, पंडाल या अस्थायी ढांचा लगाने के लिए अब पहले से अनुमति लेना जरूरी होगा। इसके लिए नगर निगम ने संबंधित जोन कार्यालयों को अनुमति देने की जिम्मेदारी दी है। इच्छुक व्यक्ति या संस्था कार्यालयीन दिवसों में तय समय के दौरान संबंधित जोन कमिश्नर कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। नगर निगम के मुताबिक, रैली-जुलूस या सार्वजनिक स्थान पर किसी आयोजन के लिए कम से कम 7 दिन पहले निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना अनिवार्य होगा। आवेदन के साथ संबंधित विभागों की अनापत्ति प्रमाण-पत्र (ठडउ) भी जमा करनी होगी। छत्तीसगढ़ नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशों के तहत नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने सार्वजनिक खेल मैदान, आयोजन, पंडाल और अस्थायी संरचना से संबंधित अनुमति के लिए संबंधित जोन कमिश्नरों को अधिकृत किया है। इसलिए रैली-जुलूस या किसी सार्वजनिक आयोजन के लिए लोगों को नगर निगम मुख्यालय के बजाय संबंधित जोन कार्यालय में आवेदन करना होगा। रैली-जुलूस के बाद सफाई का शुल्क दोगुना नगर निगम ने रैली-जुलूस के बाद सफाई व्यवस्था के लिए लिया जाने वाला शुल्क भी बढ़ा दिया है। मेयर इन काउंसिल की 23 सितंबर 2025 की बैठक के संकल्प और सामान्य सभा के 29 अक्टूबर 2025 के संकल्प के अनुसार अब प्रति आयोजन 1000 रुपए सफाई शुल्क लिया जाएगा। पहले यह शुल्क 500 रुपए था। यानी सफाई शुल्क को दोगुना कर दिया गया है। निगम ने लोगों से समय पर आवेदन करने कहा नगर निगम ने आयोजन करने वाले व्यक्ति और संस्थाओं से अपील की है कि अनुमति के लिए निर्धारित प्रारूप में समय पर आवेदन करें और सभी जरूरी ठडउ साथ में जमा करें। इससे आयोजन के दौरान अनुमति से जुड़ी किसी तरह की परेशानी से बचा जा सकेगा।

रायपुर में स्टूडेंट ने टीचर से 1.54 करोड़ ठगे

रायपुर में क्रिप्टो ट्रेडिंग में तय मुनाफा दिलाने का झांसा देकर स्टूडेंट ने अपने टीचर से 1 करोड़ 54 लाख 90 हजार की ठगी कर ली। शिक्षक का आरोप है कि आरोपियों ने शुरुआत में कुछ समय तक मुनाफा देकर उनका भरोसा जीता। इसके बाद अलग-अलग खातों में रकम जमा कराई। जब शिक्षक ने अपनी मूल रकम वापस मांगी तो आरोपी मुझसे पैसा आने, ट्रेडिंग अकाउंट फ्रीज होने और रकम फंसने जैसे बहाने बनाने लगे। बाद में दोबारा निवेश के नाम पर भी पैसे लिए गए और 5 फरवरी 2026 से आरोपी मोबाइल बंद कर मकान छोड़कर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर पुलिस मामले में आरोपियों की भूमिका और पैसों के लेन-देन की जांच कर रही है। आरोपियों का नाम नेहल अग्रवाल, ललित अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, सीमा अग्रवाल और नमित अग्रवाल है। यह मामला आजाद चौक थाना क्षेत्र का है। शिकायतकर्ता पुष्कर जैन ने पुलिस को बताया कि वह कॉमर्स के टीचर हैं। 2020-21 में कोचिंग में स्टूडेंट नेहल अग्रवाल से उनकी पहचान हुई थी। इसके बाद नेहल ने उन्हें ललित अग्रवाल उर्फ लक्की, विवेक अग्रवाल और अपने कुछ अन्य परिजनों से मिलवाया। आरोपियों ने बताया कि वे क्रिप्टोकरेंसी और वरऊळ ट्रेडिंग का काम करते हैं। उन्होंने दावा किया कि इस कारोबार से हर महीने 25 से 30 प्रतिशत तक मुनाफा होता है। आरोपियों ने पुष्कर जैन को निवेश करने पर 8 से 10 प्रतिशत का तय मुनाफा देने का दावा किया।

नाबालिग से रेप, आरोपी को 20 साल की सजा

रायपुर की प्रथम फास्ट ट्रैक कोर्ट (POCSO) ने 17 साल की नाबालिग बच्ची को घर से भगाकर ले जाने, शादी करने और अलग-अलग जगहों पर कई बार दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी संजय चंद्राकर को 20 साल की कठोर सजा सुनाई है। कोर्ट के न्यायाधीश अब्दुल्लाह काशी ने यह फैसला सुनाते हुए आरोपी पर 1 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर उसे 2 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने पीड़िता को हुए शारीरिक और मानसिक नुकसान और उसके पुनर्वास के लिए 5 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति देने की अनुशंसा भी की है। मामले में पीड़िता की ओर से विशेष लोक अभियोजक डालेश्वर प्रसाद साहू ने पैरवी की। वकील डालेश्वर साहू ने बताया कि मई 2005 में आरोपी संजय नाबालिग के घर के सामने से आता-जाता था। इसी दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। बाद में आरोपी ने उसे अपना मोबाइल नंबर दिया और फोन पर बातचीत होने लगी। आरोपी नाबालिग से कहता था कि वह उससे प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। शादी नहीं करने पर आत्महत्या करने की बात करता था। इस बात का झांसा देकर आरोपी नाबालिग को घर से भगा का ले गया और महासमुंद के बागबाहरा स्थित मंदिर में शादी की। इसके बाद आरोपी ने नाबालिग के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पहले से शादीशुदा था आरोपी, फिर भी नाबालिग को बताया अविवाहित वकील ने बताया कि आरोपी ने नाबालिग ने बताया था कि वह अविवाहित है, लेकिन बाद में उसे पता चला कि आरोपी दूसरी जाति का है और पहले से शादीशुदा है।

निकाय चुनाव-2026: BJP ने निगमों में पर्यवेक्षक नियुक्त किए

टिकट के दावेदारों की 4 स्तर पर होगी जांच; सर्वे-फीडबैक के बाद चयन समिति लगाएगी मुहर

प्रात: किरण संवाददाता

राजस्थान में निकाय चुनाव-2026 को लेकर बीजेपी ने संगठन स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। टिकट सिफारिश या स्थानीय प्रभाव के आधार पर नहीं, बल्कि सर्वे, स्थानीय संगठन की रिपोर्ट, प्रदेश से भेजे गए प्रभारी-पर्यवेक्षकों के फीडबैक और प्रदेश स्तरीय चुनाव चयन समिति के निर्णय के आधार दिए जाएंगे। बीजेपी का फोकस ऐसे चेहरों पर रहेगा, जिनकी स्थानीय स्तर पर पकड़ मजबूत हो और जो संबंधित वार्ड या निकाय में पार्टी के लिए जीत की संभावना बढ़ा सके। 1. सर्वे एजेंसी की रिपोर्ट: टिकट दावेदारों को सबसे पहले सर्वे एजेंसी की रिपोर्ट से गुजरना होगा। पहले चरण में पार्टी संभावित दावेदारों की लोकप्रियता, स्थानीय पकड़, संगठन में सक्रियता और चुनाव जीतने की संभावना को लेकर फीडबैक जुटाएगी। सर्वे में यह भी देखा जाएगा कि संबंधित दावेदार की अपने वार्ड में स्वीकार्यता कितनी है और उसके पक्ष में स्थानीय समीकरण किस तरह के हैं। 2. पार्टी पदाधिकारी- स्थानीय प्रभारी देंगे जानकारी: दूसरे चरण में स्थानीय चुनाव प्रभारी और संगठन से जुड़े पदाधिकारी अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे। इसमें वार्ड के स्थानीय समीकरण, जातीय और सामाजिक समीकरण, पिछले चुनाव का प्रदर्शन, कार्यकर्ताओं के बीच दावेदार की स्थिति और जनता के बीच उसकी पकड़ जैसे पहलुओं को शामिल किया जा सकता है। 3. पर्यवेक्षक करेंगे आकलन: तीसरे चरण में पार्टी प्रभारी और पर्यवेक्षक मैदान में उतरेंगे। ये नेता स्थानीय स्तर से मिले फीडबैक और सर्वे रिपोर्ट के आधार पर दावेदारों की स्थिति का आकलन करेंगे। उनकी रिपोर्ट को टिकट चयन की प्रक्रिया में अहम माना जा रहा है। 4. चुनाव समिति तय करेगी नाम: चौथे और अंतिम चरण में प्रदेश स्तरीय चुनाव चयन समिति सभी रिपोर्ट पर मंथन करेगी। सर्वे एजेंसी, स्थानीय संगठन और प्रभारी-पर्यवेक्षकों से मिले फीडबैक को सामने रखते हुए समिति प्रत्याशियों के नाम पर आखिरी फैसला लेगी। पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट से साफ होगी दावेदारों की तस्वीर बीजेपी के लिए निकाय चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इन चुनावों में वार्ड स्तर के स्थानीय समीकरण सीधे तौर पर चुनाव परिणाम को प्रभावित करते हैं। ऐसे में पार्टी केवल बड़े नेताओं की लोकप्रियता के आधार पर टिकट देने के बजाय स्थानीय स्तर पर मजबूत उम्मीदवारों की तलाश कर रही है।

बिना सर्वे और सुनवाई के बेदखल नहीं कर सकेगा नगर-निगम

बिलासपुर के 121 छोटे-कारोबारियों को हाईकोर्ट से राहत

प्रात: किरण संवाददाता

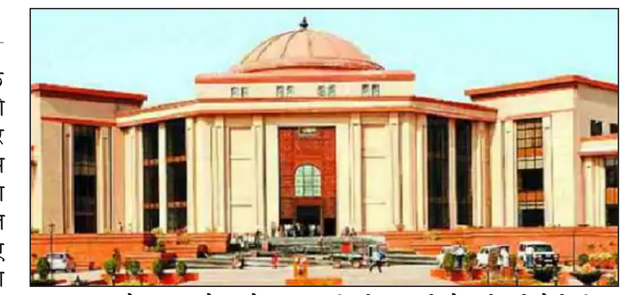

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा है कि स्ट्रीट वेंडर्स और छोटे दुकानदारों को हटाने से पहले उनका सर्वे करना और उनका पक्ष सुनना जरूरी है। जस्टिस एके प्रसाद ने कहा कि नगर निगम बिना कानूनी प्रक्रिया पूरी किए और प्रभावित दुकानदारों को सुनवाई का मौका दिए बिना उन्हें उनकी जगह से नहीं हटा सकता। कोर्ट ने बिलासपुर के 121 छोटे कारोबारियों को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका देने का आदेश दिया है। साथ ही नगर निगम को 90 दिनों के भीतर बेदखली के आदेश पर फैसला लेने को कहा है। तब तक याचिकाकर्ताओं को मिली अंतरिम राहत जारी रहेगी। हाईकोर्ट के इस फैसले से कोनी में ठेला और गुमटी लगाकर कारोबार करने वाले छोटे दुकानदारों को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, नगर निगम के जोन नंबर 8 के तहत कोनी क्षेत्र में गुमटी और ठेला लगाकर कारोबार करने वाले 121 स्ट्रीट वेंडरों को दुकानें हटाने का नोटिस दिया गया था। इस आदेश के खिलाफ कोनी व्यापारी कल्याण संघ ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया कि कोनी क्षेत्र में करीब 121 छोटे दुकानदार लंबे समय से अपनी दुकानें चला रहे हैं। उनकी दुकानें नाली के पीछे और मुख्य सड़क से करीब 10 से 15 फीट दूर है। व्यापारियों का कहना है कि इन दुकानों से सड़क पर आने-जाने वाले लोगों और वाहनों को किसी तरह की परेशानी नहीं होती। बिना सर्वे और सुनवाई के बेदखली नोटिस याचिकाकर्ताओं का कहना था कि नगर निगम ने बिना कानूनी सर्वे कराए और वेंडिंग जोन तय किए बिना ही दुकानदारों को हटाने का नोटिस दे दिया। स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2014 और राज्य की 2016 की नियमावली के अनुसार, जब तक स्ट्रीट वेंडरों का जरूरी सर्वे पूरा नहीं हो जाता और उन्हें वेंडिंग सर्टिफिकेट नहीं मिल जाता, तब तक उन्हें उनकी जगह से हटाया नहीं जा सकता।

झुंझुनूं के 19 निकायों की वोटिंग की तारीख बदली

प्रात: किरण संवाददाता

राज्य निर्वाचन आयोग ने झुंझुनूं जिले की सभी 19 शहरी निकायों में चुनाव कार्यक्रम बदल दिया है। झुंझुनूं के जिन निकायों में पहले फेज में 9 सितंबर को वोटिंग होनी थी, वहां अब दूसरे फेज में 11 सितंबर को वोटिंग होगी। जिन निकायों में दूसरे फेज में 11 सितंबर को वोटिंग होनी थी, वहां अब पहले फेज में 9 सितंबर को वोटिंग होगी। राज्य निर्वाचन आयोग का कहना है कि 10 और 11 सितंबर को मंदिरों में भादवा अमावस्या को वार्षिक पूजा-अर्चना में देशभर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु झुंझुनूं आते हैं। वार्षिक पूजा-अर्चना के दौरान काफी संख्या में पुलिस जाप्ता लगाया जाता है। मंदिरों के आस-पास के भवनों में पोलिंग सेंटर बनाए गए हैं। इस वजह से चुनाव कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। इधर, निकाय चुनाव में टिकट चाहने वाले लोग आवेदन कर रहे हैं। कोटा के जीएमए प्लाजा स्थित बीजेपी के जिला कार्यालय में नगर निगम के वार्ड 22 से पति और पत्नी दोनों ने भाजपा से टिकट के लिए आवेदन किया है। जोधपुर में लॉटरी के बाद 12 वार्डों के परिसीमन का विवाद हाईकोर्ट पहुंच गया।

राजस्थान में 611 स्कूल बिना बिल्डिंग के चल रहे:2,047 में शौचालय की सुविधा नहीं

प्रात: किरण संवाददाता

जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) और ग्रामीणों के बीच शुक्रवार को एक स्कूल में जाने को लेकर विवाद हुआ। जो तबेले में चल रहा था। वहीं, प्रदेश में 611 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जिनके पास अपना भवन नहीं है। इनमें 10 बालिका स्कूल भी शामिल हैं। राज्य में बिल्डिंग वाले 64,484 सरकारी स्कूलों में से 2,047 में शौचालय की सुविधा नहीं है, जबकि 1,049 स्कूलों में पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं है। ये आंकड़े नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के सवाल के जवाब में सरकार की ओर से सामने आए हैं। सरकार ने यह जानकारी समग्र शिक्षा अभियान के तहत वऊखए 2025-26 के आंकड़ों के आधार पर दी है। सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर ये आंकड़े ऐसे समय सामने आए हैं, जब ऋखढ की टीम स्कूल ठीक करो अभियान के तहत प्रदेश के सरकारी स्कूलों का निरीक्षण कर रही है। जयपुर में 38 स्कूल बिना भवन के जयपुर में भी बिना बिल्डिंग चल रहे सरकारी स्कूलों की संख्या कम नहीं है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जयपुर में 38 सरकारी स्कूल बिना भवन के संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा बिना बिल्डिंग के स्कूल झालावाड़ जिले के अकलेरा ब्लॉक में हैं। यहां 23 स्कूलों के पास भवन नहीं है। इसके बाद झालावाड़ के खानपुर में 16 और झालरापाटन में 11 स्कूल बिना बिल्डिंग के चल रहे हैं। फलोदी के बाप ब्लॉक में 11 और बांसवाड़ा के छोटी सरवन ब्लॉक में 10 स्कूल बिना भवन के संचालित हो रहे हैं। इससे साफ है कि स्कूल भवनों की समस्या केवल किसी एक जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सरकारी स्कूल इस समस्या से जूझ रहे हैं। 10 बालिका स्कूलों के पास भी अपना भवन नहीं बिना बिल्डिंग के चल रहे 10 बालिका स्कूल में से जयपुर और अलवर के दो-दो स्कूल हैं। इसके अलावा बाड़मेर, चूरू, डूंगरपुर, करौली, कोटा और राजसमंद में एक-एक बालिका स्कूल बिना भवन के संचालित हो रहा है। 2,047 स्कूलों में शौचालय की सुविधा नहींसरकार के आंकड़ों के अनुसार अपने भवन वाले 64,484 सरकारी स्कूलों में से 2,047 स्कूलों में शौचालय की सुविधा नहीं है। शौचालय की सुविधा के मामले में बांसवाड़ा सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में है। यहां 188 स्कूलों में शौचालय नहीं हैं। इसके बाद डूंगरपुर में 124 और उदयपुर में 98 स्कूल ऐसे हैं।

रायपुर में करंट से मां-बेटे की मौत:कपड़े लेने गई थी

प्रात: किरण संवाददाता

रायपुर में करंट लगने से मां-बेटे की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब मां बालकनी में सूख रहे कपड़े लेने गई थी। कपड़े उतारने के दौरान जैसे ही उन्होंने जीआई पाइप को छुआ, वह करंट की चपेट में आ गई। मां को करंट से चिपका देख उनका बेटा उन्हें बचाने पहुंचा, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मां अपने बेटे के साथ बेटी से मिलने रायपुर आई थीं। उनकी बेटी किराए के मकान में रहती है। शुरुआती जांच में पता चला कि करंट कूलर से जीआई पाइप में फैला था। घटना टिकरापारा थाना क्षेत्र की है। मृतकों की पहचान कल्याणी यादव (54) और उनके बेटे मधुसूदन यादव (23) के रूप में हुई है। जो कि धरसींवा क्षेत्र के कूंरा गांव के रहने वाले थे। परिवार खेती-किसानी से जुड़ा है। कल्याणी अपने बेटे के साथ रायपुर में रह रही बेटी से मिलने आई थीं। उनकी बेटी छत्तीसगढ़ नगर में किराए के मकान में रहकर नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। शुक्रवार दोपहर बालकनी में सूख रहे कपड़े लेने बालकनी में पहुंचीं। जैसे ही उन्होंने पाइप को छुआ, उन्हें तेज करंट लगा और वह पाइप से चिपक गईं। मां को बचाने के लिए मधुसूदन तुरंत उनकी ओर दौड़ा। उसने जैसे ही उन्हें छुड़ाने की कोशिश की, वह भी करंट की चपेट में आ गया। हादसे की जानकारी मिलते ही टिकरापारा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मुआवना किया। इसके बाद दोनों शवों का पंचनामा किया और पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस का कहना है कि मामले में मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि मकान की बालकनी में कपड़े सुखाने के लिए विंडो कूलर और रेलिंग के बीच जीआई पाइप लगाया गया था।

एक करोड़ की उठाईगिरी का आरोपी ओडिशा से गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

सरगुजा जिले के सीतापुर में ज्वेलरी दुकान संचालक से 1 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत के सोने-चांदी के जेवर चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पहले ही करीब 46 लाख रुपए के जेवर बरामद कर लिए थे। इस मामले में अन्य आरोपी अभी फरार हैं। चोरी हुए जेवरों में से करीब आधे सामान की अब तक बरामदगी नहीं हो सकी है। उठाईगिरी में ओडिशा गिरोह का हाथ दरअसल, 26 जुलाई को काशी ज्वेलर्स के संचालक अरुण कुमार सोनी से 1 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत के सोने-चांदी के जेवर की उठाईगिरी हुई थी। अज्ञात युवक उनकी स्कूटी से सोने-चांदी के जेवर से भरा बैग निकालकर फरार हो गया था। जांच में पता चला कि इस घटना के पीछे ओडिशा के उठाईगीर गिरोह का हाथ था। जानिए क्या है पूरा मामला ? दरअसल, 26 जुलाई की सुबह करीब 11:30 बजे सीतापुर में नेशनल हाईवे-43 के किनारे स्थित काशी विश्वनाथ ज्वेलर्स के संचालक अरुण सोनी दुकान खोलने पहुंचे थे। उन्होंने सोने-चांदी के जेवर से भरा बैग अपनी स्कूटी पर लटका दिया था। इसी दौरान एक चोर स्कूटी से बैग निकालकर फरार हो गया। बैग में 800 ग्राम से ज्यादा सोने और करीब ढाई किलो चांदी के जेवर थे। अरुण सोनी को जब तक बैग चोरी होने का पता चला, तब तक आरोपी वहां से भाग चुका था। उउळश फुटेज की जांच में पता चला कि वारदात में चार आरोपी शामिल थे। सभी दो बाइकों से ओडिशा की ओर भागे थे।

तेज रफ्तार पिकअप ट्रक से टकराई, 3 मजदूरों की मौत:बलरामपुर में टमाटर की खेती के लिए जा रहे थे

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में देर रात मजदूरों से भरी तेज रफ्तार पिकअप बाक्साइट लोड ट्रक से टकरा गई। हादसे में 3 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 7 गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा रात करीब 2 बजे राजपुर-कुसमी मार्ग पर सेवारी के पास हुआ। सूरजपुर जिले के 10 मजदूर पिकअप में सवार होकर टमाटर की खेती के काम से शंकरगढ़ जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप की बाक्साइट लोड ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप बुरी तरह डैमेज हो गई और उसमें सवार सभी 10 मजदूर घायल हो गए। इनमें 3 की मौके पर मौत हो गई, जबकि 7 की हालत गंभीर है। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना राजपुर थाना क्षेत्र की है। 3 मजदूरों की मौत, 7 अंबिकापुर रेफर घटना की सूचना मिलते ही राजपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। अस्पताल में जांच के बाद तीन मजदूरों को मृत घोषित कर दिया गया। तीनों के सिर और सीने में गंभीर चोटें आई थीं। वहीं, सात अन्य घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मृतक मजदूरों में रान साय (34), उदय कुमार (25) और अमर साय (35) शामिल हैं। वहीं, घायलों में देव कुमार (34), भानू (32), अमर साय (40), लक्ष्मण (30), अजय कुमार (40), राय सिंह (38) और प्रदीप (34) शामिल हैं। सभी को बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह, सड़क पर लगा जाम हादसे की वजह तेज रफ्तार बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद सड़क पर जाम की स्थिति बन गई थी। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे करवाकर यातायात बहाल कराया। राजपुर थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह ने बताया कि सभी मजदूर सूरजपुर जिले के ग्राम नरोला के रहने वाले हैं। हादसे की सूचना उनके परिजनों को दे दी गई थी। मृतकों के परिजन सुबह राजपुर पहुंचे।

टीचर ने 10th की स्टूडेंट से न्यूड वीडियो मांगे:नहीं भेजने पर एग्जाम में फेल करने की धमकी दी

प्रात: किरण संवाददाता

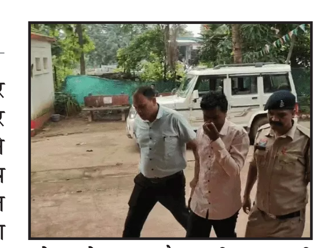

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में टीचर ने छात्रा को अश्लील वीडियो भेजे और उसे भी अपना न्यूड वीडियो भेजने का दबाव बनाया। आरोपी आशीष मंडल (30) हायर सेकेंडरी स्कूल मरोड़ा में मैथ्स पढ़ाता था। एक्स्ट्रा क्लास लेने के बहाने उसने नंबर लिया और मैसेज भेजने लगा। मामला बांदे थाना क्षेत्र का है। आरोप है कि आशीष मंडल ने छात्रा को एग्जाम में फेल करने का भी डर दिखाया। मानसिक रूप से परेशान लड़की ने अपनी मां को सारी बात बताई, जिसके बाद थाने में शिकायत की। पुलिस ने आरोपी टीचर को अरेस्ट कर लिया है। उस पर ढडउरड एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी आशीष मंडल (30) मैथ्स का टीचर है। वह मरोड़ा के हायर सेकेंडरी स्कूल में पिछले 10 साल से पदस्थ है। 16 अगस्त को उसने एक्स्ट्रा मैथ्स की क्लास ली थी। इस दौरान उसने 10वीं की छात्रा का मोबाइल नंबर लिया। फेल करने का डर दिखाने का आरोप आरोप है कि इसके बाद वह उसे अश्लील मैसेज भेजने और उससे न्यूड फोटो-वीडियो भेजने के लिए दबाव बनाने लगा। ऐसा नहीं करने पर छात्रा पर मानसिक दबाव बनाने लगा और उसे एग्जाम में फेल करने का डर भी दिखा रहा था। दबाव बनाए जाने की बात सामने आने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। मां की शिकायत के बाद पुलिस ने शुरू की जांच छात्रा की मां ने 20 अगस्त को बांदे थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपी टीचर को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान आशीष मंडल, निवासी पी.व्ही.-40 पुरुषोत्तम नगर के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी जब्त किया है। BNS, POCSO और IT एक्ट में मामला दर्ज बांदे पुलिस ने आरोपी टीचर के खिलाफ इठर की धारा 75, POCSO एक्ट की धारा 12 और IT एक्ट की धारा 67(ए) के तहत मामला दर्ज किया है। जांच के दौरान पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों और जब्त मोबाइल फोन को भी कार्रवाई का हिस्सा बनाया है। न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक को कोर्ट में पेश किया। न्यायालय के आदेश के बाद आरोपी को जिला जेल कांकेर भेज दिया गया है। मामले में पुलिस की आगे की विवेचना जारी है।

एनकाउंटर में मौत के 1.5 साल बाद गैंगस्टर अमन बरी:डकैती-रंगदारी केस में रायपुर पुलिस नहीं दे सकी सबूत

प्रात: किरण संवाददाता

झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू की एनकाउंटर में मौत के करीब डेढ़ साल बाद रायपुर की अदालत ने उसके खिलाफ दर्ज एक मामले में अहम फैसला सुनाया है। गंज थाना में दर्ज डकैती की साजिश और रंगदारी से जुड़े मामले में थर्ड एडीजे कोर्ट ने अमन साहू समेत सभी 7 आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। कोर्ट रिकॉर्ड के मुताबिक, मामले में 18 अगस्त 2026 को फैसला हुआ। स्टेटस में कॉन्टेस्टेड-एक्विटेड दर्ज है। अमन साहू के अलावा रोहित स्वर्णकार, मुकेश कुमार, देवेंद्र सिंह, राजबेर सिंह, पप्पू सिंह उर्फ पप्सा और सुनील कुमार उर्फ सुनील कुमार मीणा उर्फ मयंक सिंह आरोपी थे। यह मामला गंज थाना में दर्ज डकैती की साजिश और रंगदारी के केस से जुड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ IPC की धारा 399, 402, 386 और 120-इ के तहत केस दर्ज किया था। मीडिया रिपोर्ट्स और उस समय पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मई 2024 में रायपुर पुलिस ने अमन साहू गैंग से जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस का दावा था कि आरोपी रायपुर में एक बड़ी वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे और इस पूरी प्लानिंग के तार मयंक सिंह से जुड़े थे। उस समय मयंक सिंह पर विदेश से गैंग को चलाने का आरोप था। बचाव पक्ष का दावा- पुलिस कोर्ट में साजिश साबित नहीं कर पाई बचाव पक्ष के वकील दीपांकार बनर्जी ने बताया कि दूसरे पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ डकैती की योजना बनाने और हथियार रखने की कहानी पेश की थी, लेकिन ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष अपने आरोपों को साबित नहीं कर सका। उन्होंने कहा, पुलिस जिस व्यक्ति को मयंक सिंह बताकर केस से जोड़ रही थी, उसकी पहचान को लेकर भी कोर्ट में सवाल खड़े हुए। जिस व्यक्ति को मयंक सिंह बताया गया, उसके सुनील कुमार मीणा होने को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी।

नीमकाथाना की पूनम कंवर ने माउंट एल्ब्रुस फतेह किया:18 हजार फीट की ऊंचाई पर फहराया तिरंगा

प्रात: किरण संवाददाता

सीकर के नीमकाथाना के झाड़ली गांव की पूनम कंवर ने माउंट एल्ब्रुस की सफल चढ़ाई पूरी कर शिखर पर तिरंगा और विभागीय ध्वज फहराया। पूनम कंवर ने 21 अगस्त 2026 को मॉस्को समय के अनुसार सुबह 9:15 बजे और भारतीय समयानुसार सुबह 11:45 बजे माउंट एल्ब्रुस के शिखर पर पहुंचकर अभियान पूरा किया। पूनम रेलवे सुरक्षा विशेष बल (फढरऋ) में की 16वीं वाहिनी, आसनसोल में तैनात हैं। पूनम इससे पहले अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो को भी फतेह कर चुकी हैं। पूनम ने बताया- पिछले करीब दो वर्षों से हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में बेसिक और एडवांस पर्वतारोहण प्रशिक्षण ले रही थीं। लगातार अभ्यास और प्रशिक्षण के बाद उन्होंने पहले किलिमंजारो अभियान में सफलता हासिल की और अब एल्ब्रुस की चोटी भी फतेह कर ली। उन्होंने बताया- पर्वतारोहण अभियान में बल मुख्यालय रेलवे सुरक्षा विशेष बल, दयाबस्ती का विशेष सहयोग रहा। मुख्यालय की ओर से अभियान के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं और तिरंगा व बल का ध्वज देकर उन्हें अभियान के लिए रवाना किया गया। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करना अगला लक्ष्यपूनम ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करना है। वह पर्वतारोहण के जरिए महिला सशक्तिकरण का संदेश देना चाहती हैं। मैं महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिलने चाहिए और वे साहसिक गतिविधियों के जरिए नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं।

जयपुर-पति की हत्या के लिए पिता से मंगवाया था जहर

प्रात: किरण संवाददाता

जयपुर में पति को जहर देकर हत्या करने की आरोपी पत्नी ने पुलिस पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोपी कविता मीणा (23) ने बताया कि- घर पर जहर देकर मारने पर फंसने का डर था। इसलिए 5 अगस्त को मंदिर जाने के बहाने उसे बाहर लेकर गई। वहां, जूस में जहर मिलाकर पिला दिया। पहले पति महेश ने जूस पीने से मना किया, लेकिन उसे प्यार का वास्ता देकर जबरन पिला दिया। फिर तड़पते महेश को लेकर ही घूमती रही। कविता का कहना है कि उसने बॉयफ्रेंड गणेश मीणा (27) के दबाव में हत्या की प्लानिंग की थी। क्योंकि वो दोनों शादी करना चाहते थे। हत्या के लिए 4 महीने पहले कीटनाशक दवा (जहर) पिता से बहाने से मंगवाई थी। महेश मीणा हत्याकांड में विश्वकर्मा थाना पुलिस ने महिला और उसके बॉयफ्रेंड को 19 अगस्त को गिरफ्तार किया था। शुक्रवार (21 अगस्त) को आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। 1. घरवालों ने जबरन महेश से शादी की: कविता ने बताया- मेरा करीब 9 साल से पड़ोस में रहने वाले गणेश से अफेयर था। मैं उससे शादी करना चाहती थी, लेकिन कर नहीं पाई। डेढ़ साल पहले घरवालों ने नहीं चाहते हुए भी मेरी शादी महेश मीणा से कर दी। मैं महेश के साथ नहीं रहना चाहती थी, इसलिए कई बार छोड़ने का प्रयास किया। पहली-दूसरी बार बात नहीं बनने पर पति पर मारपीट-टॉर्चर करने का आरोप लगाकर पीहर जाने लगी। बहन की शादी भी उसी घर में होने के कारण रिश्ता बनाए रखने का परिवारवाले दबाव बनाते रहे। 2. बॉयफ्रेंड ने दिया हत्या करने का सुझाव: कविता मीणा ने पूछताछ में कबूला कि पति को छोड़ने का कई बार प्रयास किया, लेकिन घरवालों के दबाव के चलते नहीं हो सका। वहीं दूसरी ओर गणेश की ओर से भी अक्सर मिलने और पति महेश को छोड़ने का दबाव बनाया जाता। बार-बार अपनी परेशानी के बारे में बताने पर गणेश ने पति महेश की हत्या करने का सुझाव दिया। गांव में रहने वाले व्यक्ति की जहर से मौत होने पर उसी तरीके को चुन लिया। 3. पिता से मंगवाई कीटनाशक दवा, थोड़ी मर्डर के लिए रख ली: आरोपी ने बताया कि करीब 4 महीने पहले पति की हत्या की प्लानिंग की थी। पिता से कीटनाशक दवा मंगवाई। उसे अपने ससुराल ले आई। जहर घर में कहां से आया, इस बात पर पकड़े जाने से बचना जरूरी थी। इसलिए कुछ दवाई सास को अनाज में डालने के लिए दे दी। कुछ अपने पास रख ली। कविता को आशंका थी कि घर पर महेश को जहर दिया तो घरवाले उसे हॉस्पिटल ले जाकर बचा लेंगे। इसलिए ये प्लान कैंसिल कर दिया। 4. चलती बाइक पर जहर वाला जूस पिलाया: 5 अगस्त 2026 को गणेश के कहे अनुसार कविता ने महेश को नई नाथ मंदिर ले जाने को कहा था। दोपहर करीब 11 बजे मंदिर जाने के दौरान रास्ते में जूस खरीदा। चलती बाइक पर जूस में साथ लाई कीटनाशक दवा को मिला दिया।

जयपुर में 12 मिठाई शॉप पर फूड डिपार्टमेंट का छापा:खराब तेल में पका रहे थे कचौरी

प्रात: किरण संवाददाता

जयपुर में फूड सेफ्टी टीमों ने कान्हा स्वीट्स, रावत मिष्ठान भंडार, सोढाणी स्वीट्स, बीएमबी सहित 12 बड़ी मिठाई की दुकानों पर शुक्रवार को छापा मारा। टीमों ने इन दुकानों से घेवर, बर्फी, मावा, समोसा, मिल्क केक के सैंपल लिए। जांच के दौरान कुछ जगहों पर खराब मावा, मिठाई और घेवर मिले, जिनको नष्ट करवा दिया गया। रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुए चलाए जा रहे ह्यशुद्ध आहार-मिलावट पर वारह्ण अभियान के तहत खाद्य विभाग ने यह कार्रवाई की। जयपुर सीएमएचओ डॉ. मनीष मित्तल के नेतृत्व में टीम ने सबसे पहले जगतपुरा स्थित रावत मिष्ठान भंडार पर छापा मारा। यहां से टीम ने केसर पिस्ता बर्फी और इस्तेमाल किए जा रहे कुकिंग ऑयल के सैंपल लिए। दुकान में जिस तेल में प्याज की कचौरी पकाई जा रही थी, उसकी क्वालिटी भी खराब मिली। सीएमएचओ के मुताबिक- वहां मौजूद हलवाई ने बताया यहां चार दिन में तेल बदलते हैं। मैनेजर ने बताया- रोज लगभग 700-800 कचौरी तैयार करते हैं। इस तरह 3-4 दिन तक उसी तेल में कचौरी तैयार करने से तेल का टोटल पोलर कंपाउंड्स (टी.पी.सी) बहुत ज्यादा होने की संभावना रहती। इससे तेल में ट्रांस फैट की मात्रा बढ़ जाती है। यह स्वास्थ्य के लिए गंभीर हानिकारक हो सकता है। 150 किलोग्राम खराब घेवर नष्ट करवाया, प्रोडक्शन यूनिट सील जयपुर सीएमएचओ फर्स्ट डॉ. रवि शेखावत के निर्देशन में टीम ने बिंदायका में सिंवार मोड़ स्थित प्रधान स्वीट्स एंड कैटर्स पर छापा मारा।

छत्तीसगढ़ में 7 दिन बारिश का अलर्ट:रायपुर में बरसे बादल, कई इलाकों में जलभराव

प्रात: किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ में आज भी बारिश का अलर्ट है। रायपुर में सुबह से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। तेज बारिश से सुंदरनगर इलाके में महादेवघाट रोड पर जलभराव हो गया है। उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में अगले 7 दिन तक कुछ जगहों पर मध्यम से भारी बारिश का अलर्ट है। प्रदेश में अब तक सामान्य से सिर्फ 6% कम बारिश हुई है। बारिश के बीच बिलासपुर के मल्हार में लीलागर नदी पार करते समय दो युवक बाइक समेत तेज बहाव में फंस गए। मनाडेरा के मोहन लाल केवट, महेश केवट और आदित्य केवट ने लकड़ी की मदद से दोनों को बाहर निकाला। समय रहते मदद मिलने से दोनों की जान बच गई। एसएसपी ने तीनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं, मनेंद्रगढ़ में जनकपुर के पास गोहड़ारी नदी की करीब 50 साल पुरानी पुलिया तेज बहाव में डैमेज हो गई। खंभे टूटने से पुलिया का करीब 70% हिस्सा खराब हुआ है। भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। आज कई हिस्सों में हल्की, कहीं भारी बारिश का अलर्ट मौसम विभाग ने आज (शनिवार) प्रदेश के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है। अगले दो दिनों में भी कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में भारी बारिश और गरज-चमक की संभावना बनी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

घंघोला गांव के किसानों को आबादी के भूखंड मिलेंगे

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के घंघोला गांव के किसानों को आबादी के भूखंड अगले सप्ताह मिल जाएंगे। प्राधिकरण ने इसकी प्रक्रिया पूरी कर ली है। जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसान लंबे समय से आबादी भूखंड की मांग कर रहे हैं। अधिकारी के मुताबिक घंघोला गांव के 16 किसानों को 25 अगस्त को ड्रॉ के जरिए भूखंडों का आवंटन किया जाएगा। इसके बाद मौके पर विकास कार्य कर कब्जा दे दिया जाएगा। इन किसानों को 62 से 168 वर्ग मीटर तक के भूखंड मिलेंगे। भूखंड का आकार पहले से ही तय है। ड्रॉ के माध्यम से यह तय होगा कि किस किसान को कौन सी लोकेशन मिलेगी। ओएसडी अजय शर्मा ने बताया कि ड्रॉ में शामिल होने के लिए किसान अपनी पहचान के रूप में आधार कार्ड और नक्शा-11 लेकर आएं। वहीं, घंघोला गांव के कुछ और किसानों को भी आबादी के भूखंड दिए जाने हैं, उनकी प्रक्रिया भी चल रही है। ग्रेटर नोएडा के सीईओ रवि कुमार एनजी ने भूखंड देने के लिए सैद्धांतिक सहमति दे दी है। नियोजन विभाग ने पात्र किसानों की सूची बनाकर उनका नियोजन प्रस्ताव तैयार कर लिया है। इस पर किसानों से आपत्ति और सुझाव मांगे गए हैं। आपत्ति का निस्तारण होने के बाद उन्हें भी भूखंड दे दिए जाएंगे।

स्कूटी सवार बदमाश युवक का मोबाइल लेकर फरार

ग्रेटर नोएडा। नोएडा के सेक्टर-142 थाना क्षेत्र में एक सोसाइटी के गेट के समीप खड़े एक युवक से स्कूटी सवार बदमाश मोबाइल छीनकर ले गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक पारस टियरा सोसाइटी में अश्विनी मट्टू परिवार के साथ रहते हैं। वह 17 अगस्त को अपनी सोसाइटी के गेट के समीप कंपनी की बस के इंतजार में खड़े थे। इसी बीच एक स्कूटी पर सवार बदमाश उनके पास पहुंचा और हाथ से मोबाइल झपटकर ले गया। पीड़ित ने बताया कि बदमाश की स्कूटी पर नंबर प्लेट नहीं थी। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सीसीटीवी की फुटेज देख रही है। लुटेरे का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

कुत्ते के विवाद में जान से मारने की धमकी

लोनी। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में गली में कुत्ता घुमा रही युवती के साथ पड़ोस में रहने वाली मां बेटी ने गाली गलौज की। आरोप है कि विरोध करने पर युवक ने महिला पर पिस्टल तान कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दो महिला समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र की रामपार्क कॉलोनी में धर्मेंद्र तंवर रहते हैं। उनकी बेटी कीर्ति ने बताया कि 18 अगस्त शाम करीब आठ बजे छोटी बहन गली में पालतू कुत्ता को घुमा रही थी। इस दौरान पड़ोस में रहने वाली महिला प्रिया और उसकी बेटी अक्षरा छत पर खड़ी थी। दोनों छत से ही बहन के साथ गाली गलौज करने लगी। शोर सुनकर वह बाहर आई। महिला की बेटी ने छत से पिस्टल दिखाकर उन्हें धमकाया। कुछ देर बाद महिला की बेटी का पति रितिक उनके घर पर आया। आरोप है कि उसने गाली-गलौज करते हुए मां पर पिस्टल तान कर जान से माने की धमकी दी। उसके बाद अक्षरा और तुषार ने बहन के साथ मारपीट की। पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना देने पर हमलावर भाग गए। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी राम किशन ने बताया कि पीड़िता की बहन की शिकायत पर दो महिला समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को मारपीट कर निकाला

दादरी। कोतवाली दादरी क्षेत्र के नगर स्थित गढ़ी गांव में दहेज में कार एवं सोने की मोहर की मांग पूरी न होने पर विवाहिता की पिटाई कर घर से मायके छोड़ दिया। आरोप है कि नाबालिग होने पर शादी की गई थी। पीड़िता ने तीन महिला समेत आठ लोगों के खिलाफ कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में लगी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया, दादरी कोतवाली क्षेत्र के गढ़ी गांव निवासी प्रिया धामा की शादी एक मार्च 2025 को लुहारली गांव निवासी जतिन से हुई थी। आरोप है शादी के समय वह नाबालिग थी। माता-पिता के अनपढ़ होने के चलते विश्वास में लेकर लड़के पक्ष के दादा विजे उर्फ विजय ने आधार कार्ड में जन्मतिथि बदलवा दी थी। गर्भ में लड़की होने की जांच कराने बाद गर्भपात करा दिया गया। कई बार विवाहिता के साथ मारपीट की गई। मोबाइल भी पति व परिजनों ने छीन लिया। पति परिजनों ने अपने साथ रखने से इन्कार कर छोड़ गए। पीड़िता ने विजे उर्फ विजय, ललित उर्फ कलुवा, दीपक, जतिन, कमलेश, आशा, पूजा व अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

मानसिक रूप से मंद बच्ची से दुष्कर्म और साक्ष्य मिटाने के आरोपी दंपती बरी

ग्रेटर नोएडा। पॉक्सो एक्ट की विशेष अदालत ने मानसिक रूप से मंद बच्ची से दुष्कर्म और साक्ष्य मिटाने के मामले में आरोपी दंपती को बरी कर दिया है। यह फैसला गवाहों के अपने बयानों से पलटने के बाद आया। यह मामला वर्ष 2020 का है। तब सेक्टर-39 थाने में एक नाबालिग से दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पीड़िता की मां ने बताया था कि बेटी के कपड़ों पर खून के धब्बे थे। बेटी ने पड़ोस में रहने वाले आरोपी के घर गलत काम होने की बात कही थी। पुलिस ने आरोपी अजय के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। बाद में उसकी पत्नी पर सबूत मिटाने का आरोप लगा। पुलिस ने 19 जून 2020 को दोनों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। सुनवाई के दौरान पीड़िता की मां ने घटना से इन्कार किया। उन्होंने कहा कि बेटी ने उन्हें कभी कुछ नहीं बताया था। पीड़िता ने भी गवाही में कहा कि वह खेलते समय गिरी थी और चोट लगने से खून के धब्बे आए थे। उसने पुलिसकर्मियों के कहने पर बयान देने की बात कही।

2050 तक अस्पतालों पर बढ़ सकता है दबाव, निवारक स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता दें : राजनाथ सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश को रक्षा क्षेत्र के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र को भी मजबूत करने पर समान रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने निवारक स्वास्थ्य सेवा को भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि यदि अभी से बीमारियों की रोकथाम और समय पर पहचान पर ध्यान नहीं दिया गया तो 2050 तक अस्पतालों पर अत्यधिक दबाव बढ़ सकता है। राजनाथ सिंह शनिवार को नोएडा के सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र में महाजन इमेजिंग एंड लैब्स के नए एकीकृत जांच केंद्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली, बीमारियों के स्वरूप में बदलाव, उपचार की बढ़ती लागत और आने वाले वर्षों में बुजुर्ग आबादी में वृद्धि को देखते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था में समय रहते बदलाव करना आवश्यक है। बीमारी बढ़ने से पहले पहचान जरूरी रक्षा मंत्री ने कहा कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर, गुर्दे की विफलता और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं तेजी से बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियां बन रही हैं। इनमें से कई बीमारियां अचानक पैदा नहीं होतीं, बल्कि वर्षों के दौरान धीरे-धीरे विकसित होती हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ा हुआ रक्त शर्करा, अधिक कोलेस्ट्रॉल, वसायुक्त यकृत और सामान्य सीमा के करीब पहुंचा रक्तचाप जैसे संकेत भविष्य में गंभीर बीमारी का कारण बन सकते हैं। इसलिए स्वास्थ्य व्यवस्था का ध्यान केवल बीमारी सामने आने के बाद उपचार करने पर नहीं, बल्कि जोखिम की पहचान, समय पर जांच और रोकथाम पर भी होना चाहिए। निवारक स्वास्थ्य सेवा से कम हो सकता है उपचार का खर्च राजनाथ सिंह ने कहा कि गंभीर अवस्था में पहुंच चुकी बीमारियों के उपचार में लाखों रुपये खर्च हो सकते हैं, जबकि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच, जीवनशैली में सुधार और शुरुआती स्तर पर उपचार की लागत अपेक्षाकृत कम होती है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सरकार, बीमा कंपनियों और नियोक्ताओं के लिए भी यह आवश्यक होगा कि बीमारियों की पहचान शुरुआती अवस्था में हो और उन्हें गंभीर होने से पहले नियंत्रित किया जाए। इससे व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कम किया जा सकेगा। 2050 तक अस्पतालों पर बढ़ सकता है दबाव रक्षा मंत्री ने भारत की बदलती जनसंख्या संरचना का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान में देश में युवाओं की संख्या अधिक है, लेकिन आने वाले दशकों में बुजुर्ग आबादी का अनुपात बढ़ेगा।

बाजारों में रक्षाबंधन की रौनक, प्राकृतिक और धार्मिक राखियों की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। रक्षाबंधन त्योहार नजदीक आने से शहर के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। राखी की दुकानों पर बहनों की भीड़ दिखाई दे रही है। इस बार पारंपरिक राखियों के साथ प्राकृतिक सामग्री और धार्मिक थीम वाली राखियों की विशेष मांग है। चंदन, रुद्राक्ष, मोती, कान्हा, त्रिशूल और विभिन्न स्टोन से बनी राखियां लोगों को आकर्षित कर रही हैं। इनमें आकर्षक डिजाइन के साथ स्वदेशी और टिकाऊ सामग्री का उपयोग किया गया है। ग्रेटर नोएडा के जगतफार्म, रामपुर, तुगलपुर, कासना, सूरजपुर व दादरी के बाजारों में चंदन और प्राकृतिक राखियां सबसे अधिक पसंद की जा रही हैं। चंदन की मनमोहक खुशबू और प्राकृतिक स्वरूप के कारण बहनें इन्हें भाई की कलाई के लिए चुन रही हैं। दुकानदारों के अनुसार, चंदन से बनी राखियां पर्यावरण अनुकूल और त्वचा के लिए भी बेहतर विकल्प हैं। इनकी बिक्री में अच्छी वृद्धि देखने को मिल रही है। बाजार में 10 रुपये से लेकर करीब 500 रुपये तक की राखियां उपलब्ध हैं। राखी विक्रेता राजीव कुमार ने त्योहार नजदीक आने पर ग्राहकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद जताई है। धार्मिक थीम वाली राखियों की लोकप्रियता बाजार में धार्मिक आस्था से जुड़े डिजाइन भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। राम मंदिर, कृष्ण, त्रिशूल, ओम, खाटू श्याम और महाकाल की कलाकृतियों वाली राखियां विशेष रूप से पसंद की जा रही हैं। इनमें धार्मिक प्रतीकों और आकर्षक रंगों का इस्तेमाल हुआ है। कान्हा और त्रिशूल डिजाइन वाली राखियां युवा और बच्चों के लिए खास तौर पर पसंद की जा रही हैं। राखियों की विस्तृत रेंज और खरीदारी इस बार बाजार में हर वर्ग के ग्राहकों के लिए राखियों की विस्तृत रेंज उपलब्ध है।

पुरुष वर्ग में गौतमबुद्धनगर ने बुलंदशहर को 10-0 से हराया

प्रात : किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शनिवार को 27वीं अंतरजनपदीय पुलिस हॉकी प्रतियोगिता का आगाज हुआ। मेरठ जोन की तीन दिवसीय प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग के मुकाबले कराए जा रहे हैं। पुरुष वर्ग में गौतमबुद्धनगर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुलंदशहर को 10-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। रविवार को सेमीफाइनल में गौतमबुद्धनगर का मुकाबला बागपत से होगा। प्रतियोगिता में मेरठ जोन के आठ जनपदों के 175 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 122 पुरुष और 53 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। पुरुष वर्ग में मेरठ ने गाजियाबाद को 1-0 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। बागपत ने सहारनपुर को 6-1 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, मुजफ्फरनगर और हापुड़ के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विजेता टीम सेमीफाइनल में मेरठ से भिड़ेगी। महिला वर्ग के सेमीफाइनल में गाजियाबाद ने हापुड़ को 6-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में मेरठ ने गौतमबुद्धनगर को 2-0 से शिकस्त दी। अब महिला वर्ग का फाइनल गाजियाबाद और मेरठ के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय कुमार ने किया। इस दौरान आयोजन सचिव एवं पुलिस उपायुक्त लाइन डॉ. प्रवीण रंजन सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा संतोष कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम कृष्णपाल सिंह, जिला हॉकी संघ के सचिव मंजीत सिंह, मीडिया प्रभारी हरेंद्र भाटी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के संचालन की जिम्मेदारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज को सौंपी गई है। रविवार को होंगे पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल रविवार को पहले मुजफ्फरनगर और हापुड़ के बीच क्वार्टर फाइनल होगा। इसकी विजेता टीम सेमीफाइनल में मेरठ से भिड़ेगी।

पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से लोग पानी के लिए तरसे

प्रात : किरण संवाददाता

ट्रांस हिंडन। ट्रांस हिंडन क्षेत्र में सड़क कि खुदाई के दौरान शनिवार को तीन स्थानों पर पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो हई। इस कारण लोगों के सामने पेयजल संकट गहरा गया। कई स्थानों पर कम दबाव से पानी पहुंचा तो कई जगह गंदे पानी की आपूर्ति हुई। इंदिरापुरम और वैशाली में सीएम ग्रिड योजना तहत सड़क खुदाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। ज्ञान खंड-दो स्थित डी मॉल के पास सड़क खुदाई के दौरान गंगाजल लाइन टूट गई। वैशाली सेक्टर-दो के मुख्य मार्ग पर सड़क खुदाई के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इस कारण लोगों को कम दबाव और गंदे पानी की समस्या से जुझना पड़ा। मजबूरी में लोगों ने बाजार से बोतल बंद पानी खरीद काम चलाया। इसके अलावा शालीमार गार्डन के डेढ़ सौ फुटा रोड पर भी निर्माण कार्य के दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से आसपास के क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रही। करीब 20 हजार लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ा। इंदिरापुरम निवासी शेलेंद्र कुमार ने बताया कि निगम की लापरवाही से गंगाजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से दिक्कत हुई। सुबह में पेयजल नहीं मिल सका। मजबूरी में बाजार से बोतल बंद पानी लाकर गुजारा किया। वहीं शालीमार गार्डन निवासी जुगल किशोर ने बताया कि पहले से ही पानी की समस्या इलाके में बनी रहती है। शनिवार को पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण समस्या अधिक विकराल हो गई। लोगों के घरों में गंदा पानी पहुंचा और साफ पानी के लिए लोगों को बाजार का रुख करना पड़ा। करीब 100 से 150 रुपये तक लोगों को खर्च करने पडे। वहीं अवर अभियंता जलकल विभाग सोमेंद्र तोमर का कहना है कि मामला की जानकारी नहीं है। जांच कर मरम्मत करा दी जाएगी।

आरोप के बाद उद्यान विभाग के निविदा कार्यों में बदलाव

प्रात : किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। प्राधिकरण के उद्यान विभाग की निविदाओं में गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर उच्च अधिकारियों ने कार्रवाई की गई है। संबंधित अधिकारी से निविदा कार्यों की जिम्मेदारी हटाकर दूसरे को सौंपी गई है। उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय कुमार रावल के मुताबिक उद्यान विभाग के अंतर्गत प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक ज्ञानेंद्र कुमार द्वारा देखे जा रहे निविदा संबंधी सभी कार्य अब प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक श्यामा प्रसाद देखेंगे। आदेश में कहा गया है कि तत्काल प्रभाव से श्यामा प्रसाद यह जिम्मेदारी अपने वर्तमान कार्यों के साथ-साथ निभाएंगे। बता दें कि नोएडा- ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट से परी चौक तक हरियाली बढ़ाने के लिए पूर्व में जारी की गई निविदा में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। संबंधित क्षेत्र के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक/उप निदेशक उद्यान पर अपने चहेते ठेकेदार की फर्म को लाभ पहुंचाने की कोशिश का आरोप लगा था। जांच के बाद निविदा निरस्त कर दी गई। सीईओ के निर्देश पर नए सिरे से निविदा जारी कर दी गई है।वहीं, 105 मीटर चौड़ी सड़क की सेंट्रल वर्ज और हरित क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के लिए जारी की गई निविदा प्रक्रिया की भी जांच की जा रही है। फर्म का चयन कर कार्य आदेश जारी कर दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीईओ के निर्देश पर इस काम की भी जांच की जा रही है।

ग्रेटर नोएडा में अतिक्रमण हटाने के लिए संसाधन बढ़ेंगे

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा शहरी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान और तेज किया जाएगा। इसके लिए डंपर, जेसीबी और ट्रैक्टर- ट्रॉली की संख्या बढ़ाई जाएगी। एक साल के लिए किराये पर लेने के लिए प्राधिकरण ने निविदा जारी की है। इस पर 1.60 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं, ग्रेटर नोएडा ईस्ट और वेस्ट के लिए दो प्रवर्तन टीमें पहले ही गठित की जा चुकी हैं। दरअसल, ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में अतिक्रमण की समस्या लगातार बढ़ रही है। आवासीय सेक्टरों के अंदर और मुख्य सड़कों के किनारे ठेली पटरी की संख्या बढ़ने से यातायात प्रभावित हो रहा है। शाम के वक्त अल्फा- 1, 2, डेल्टा- 1, जगत फार्म, रामपुर, अमृतपुरम और ग्रेटर नोएडा वेस्ट इलाके में जाम लग जाता है। प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग के पास अतिक्रमण हटाने के लिए संसाधन के नाम पर मात्र एक डंपर और एक जेसीबी होने की वजह से काम में तेजी नहीं आ पा रही है। एक ही इलाके में कार्रवाई हो पाती है। इसको देखते हुए संसाधन बढ़ाने का फैसला लिया गया है। योजना के तहत पहले चरण में ग्रेटर नोएडा ईस्ट और वेस्ट के लिए दो जेसीबी, दो डंपर और दो ट्रैक्टर-ट्रॉली एक साल के लिए किराए पर ली जाएगी। अर्बन सर्विसेज विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक सन्नी यादव ने बताया कि निविदा की प्रक्रिया पूरी कर अगले डेढ़ से दो माह में संसाधन बढ़ाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद दोनों इलाकों में नियमित रूप से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। चरणबद्ध तरीके से संसाधन और टीमें बढ़ाने का काम किया जाएगा। इस संबंध में सीईओ रवि कुमार एनजी द्वारा निर्देश दिए गए हैं। ग्रेटर नोएटा ईस्ट और वेस्ट के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं।

संदेह का लाभ देकर हत्या का आरोपी बरी

ग्रेटर नोएडा। दनकौर थाना क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में अदालत ने आरोपी मोहल्ला गढ़ी दनकौर निवासी सलमान उर्फ हड़िया और राशिद को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है। अदालत ने पाया कि अभियोजन पक्ष को हत्या साबित करने में असफल रहा है। वादी हैप्पी शर्मा ने 8 मार्च 2023 की रात थाना दनकौर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका भाई मनीष उर्फ अंकित शर्मा होली के दिन सुबह गढ़ी मोहल्ले के सलमान और राशिद के साथ बाइक पर गया था। शाम को कस्बे के लोगों ने मनीष को दोनों आरोपियों के साथ बाइक पर अचेत हालत में देखा। मोहल्लेवासियों के पीछा करने पर आरोपी मौके पर बाइक छोड़कर भाग गए। मनीष को जिम्स अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना के बाद आरोप पत्र दाखिल किया था।

जालसाजों ने तीन लोगों से 19 लाख रुपये ठगे

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा। साइबर अपराधियों ने अलग-अलग तरह से तीन लोगों को जाल में फंसाकर 19 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। तीनों पीड़ितों ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। अब साइबर थाना पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सलारपुर गांव में रहने वाले राजकुमार ने पुलिस को बताया कि वह फेज-दो स्थित मोबाइल डिस्प्ले बनाने वाली एक कंपनी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने ई-सिम लेने की प्रक्रिया सोशल मीडिया पर खोजी। ठग ने चार अप्रैल 2025 को ई-सिम उपलब्ध कराने के बहाने संपर्क किया। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद दो दिन में सिम चालू होने की बात कही। दो दिन बाद भी सिम चालू नहीं होने पर जिओ स्टोर से नया सिम लेने पर पता चला कि ठगों ने तीन क्रेडिट कार्ड से सात लाख रुपये की ठगी कर ली है। वहीं, सेक्टर-51 निवासी श्याममल के पास ठग ने एक दिसंबर 2025 को आईजीएल कर्मी बनकर फोन किया। ठग ने पेमेंट बकाया होने की बात कही। श्याम ने पूरा बिल क्लीयर होना बताया तो ठगों ने नए ऐप डाउनलोड करने का सुझाव दिया। मोबाइल पर आईजीएल ऐप का लिंक भेज दिया। जल्दबाजी में लिंक से आईजीएल ऐप इंस्टाल करने के चक्कर में एपीके फाइल डाउनलोड कर ली। उसके बाद मोबाइल का एक्सेस ठगों के पास पहुंच गया। ठगों ने उनकी तीन क्रेडिट कार्ड की जानकारी प्राप्त कर ली। इसकी मदद से ठगों ने छह लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। इसी तरह ठगों ने सेक्टर-62 के नीरज के बैंक खाते से छह लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। तीनों पीड़ितों ने एनसीआरपी पोर्टल और साइबर क्राइम थाना पुलिस से शिकायत की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत पर मामले दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

क्रियो उत्सव में देश-विदेश के 600 छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। शास्त्री नगर स्थित नेहरू वर्ल्ड स्कूल में चल रहा अंतर्राष्ट्रीय अंतरविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव क्रियो-2026 शनिवार को संपन्न हो गया। अंतिम दिन लगभग 55 स्कूलों के 600 छात्रों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति से हुई। स्कूल की एग्जीक्यूटिव हेड सुसैन होम्स ने कहा कि क्रियो ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने, मौलिक विचारों को तलाशने और रचनात्मकता के साथ स्वयं को अभिव्यक्त करने का मंच दिया है। इस अंतर्राष्ट्रीय उत्सव में मालदीव, यूएई, लंदन, अमेरिका, नॉर्वे, नेपाल, लुधियाना, हैदराबाद, बेंगलुरु सहित देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित स्कूल शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन पर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। थियेट्रियो लौग्स में नेहरू वर्ल्ड और वनस्थली पब्लिक स्कूल, माइंड मेज में सर्वोत्तम इंटरनेशनल, रिदम्स में नेहरू वर्ल्ड और सेंट जेवियर्स, पोप आर्ट में नेहरू वर्ल्ड और डीएवी राजेंद्र नगर, ब्रांड रिबूट में नेहरू वर्ल्ड और सोमरविले, ड्यू एक्सटेम्परी में नेहरू वर्ल्ड और सफायर, करियर कैटेलिस्ट में डीपीएस सिद्धार्थ विहार और क्रियो क्रॉनिकल्स में नेहरू वर्ल्ड और वनस्थली विजेता रहे। मेजबान होने के नाते नेहरू वर्ल्ड स्कूल ने चल वैजयंती ट्रॉफी द्वितीय स्थान पर रहे वनस्थली पब्लिक स्कूल को सौंप दी और दोनों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया।

स्कूल के बाहर वाहन खड़े होने से जाम लगा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित द मिलेनियम स्कूल के बाहर शनिवार को भीषण जाम की स्थिति बन गई। स्कूल में अभिभावकों की गाड़ियों के लिए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में वाहन मुख्य सड़क पर खड़े कर दिए गए। इसके चलते सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इस दौरान लोग परेशान रहे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्कूल के बाहर वाहनों को खड़ा करने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं है। स्कूल में बच्चों को छोड़ने और लेने आने वाले अभिभावक मजबूरी में अपनी गाड़ियां सड़क किनारे खड़ी कर देते हैं। देखते ही देखते मुख्य सड़क का बड़ा हिस्सा पार्किंग में तब्दील हो जाता है। शनिवार को भी यही स्थिति बनी और स्कूल के बाहर से काफी दूर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम के कारण स्कूल के आसपास से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों को भी परेशानी हुई। सड़क पर वाहनों की संख्या बढ़ने से यातायात की रफ्तार काफी धीमी हो गई।

सीवर ओवरफ्लो, पेयजल संकट और अघोषित बिजली कटौती से जूझ रहे वसुंधरा सेक्टर-11 के निवासी

प्रात : किरण संवाददाता

ट्रांस हिंडन। वसुंधरा सेक्टर-11 के लोग मूलभूत सुविधाओं की बदहाल व्यवस्था से परेशान हैं। क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो, पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति न होना, अघोषित बिजली कटौती और जगह-जगह फैली गंदगी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। निवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो रहा है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों को कहना है कि सेक्टर के कई हिस्सों में सीवर और नालियों की समस्या बनी हुई है। सीवर ओवरफ्लो होने से गंदा पानी सड़कों और आसपास के क्षेत्रों में फैल जाता है। इससे बदबू के साथ ही लोगों को आने-जाने में भी परेशानी होती है। स्थानीय निवासी अशोक कुमार ने बताया कि करीब तीन माह से सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की जा रही है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही। इसके अलावा पर्याप्त पेयजल आपूर्ति न मिलने से लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। अघोषित बिजली कटौती से भी दिनचर्या प्रभावित हो रही है। गर्मी और उमस के बीच बिजली जाने से बच्चों, बुजुर्गों और घरों में रहने वाले लोगों को सबसे अधिक दिक्कत होती है। उन्होंने बताया कि इसकी शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। वहीं जोनल प्रभारी राजेश गुप्ता का कहना है कि शिकायत मिली है। जल्द ही समस्या का समाधान कराया जाएगा।

मोबाइल हैक कर 99 हजार रुपये ठगे

लोनी। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र में ठग ने तीन माह पूर्व युवक का मोबाइल हैक कर 99 हजार रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। विकास कुंज कॉलोनी निवासी अजय पांचाल ने बताया कि तीन मई को करीब 11 बजे के बाद ठगों ने उनका मोबाइल हैक कर लिया। इसके बाद करीब 30 मिनट में उनके खाते से 99 हजार रुपये निकाल लिए। मोबाइल पर मैसेज आने पर ठगी का पता चला। उन्होंने महज एक घंटे के अंदर मामले की शिकायत साइबर हेल्पलाइन नंबर पर की। सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बैंक से पत्राचार कर मामले की जांच की जा रही है।

निजी विश्वविद्यालय के खिलाफ दूसरे दिन भी प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। मरियम नगर स्थित क्राइस्ट विश्वविद्यालय पर परीक्षाओं में अनियमितता और छात्रों का शोषण करने का आरोप लगाते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दूसरे दिन शनिवार को भी प्रदर्शन किया। एबीवीपी कार्यकताओं ने विश्वविद्यालय का पुतला बनाकर मरियम नगर में विरोध मार्च निकाला और मुख्य गेट पर पुतला दहन किया। एबीवीपी के मुताबिक विश्वविद्यालय प्रशासन परीक्षा में अनियमितता कर रहा है और बिना ठोस कारण के छात्रों को डिटेन (रोका) किया जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर शुक्रवार को भी एबीवीपी ने प्रदर्शन किया था, लेकिन प्रशासन से कोई ठोस आश्वासन न मिलने पर कार्यकताओं ने इसे अनिश्चितकालीन धरने में बदल दिया। एबीवीपी गाजियाबाद महानगर के कार्यकताओं का कहना है कि पीड़ित छात्र और उनके परिजन लगातार विश्वविद्यालय से समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की समस्याओं को सुनने के बजाय उन्हें टाल रहा है। ऐसे में शनिवार को दूसरे दिन भी धरना जारी रहा। शनिवार को एबीवीपी कार्यकताओं ने विश्वविद्यालय का पुतला बना कर मरियम नगर में मार्च निकाला और विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर पुतला दहन कर विरोध जताया। एबीवीपी कार्यकताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों की मांगों पर कोई निर्णय नहीं लिया तो एबीवीपी विश्वविद्यालय की शव यात्रा निकालकर पूरे नंदग्राम क्षेत्र में प्रदर्शन करेगी। एक तरफ एबीवीपी विश्वविद्यालय पर छात्रों का शोषण करने का आरोप लगाकर प्रदर्शन कर रही है। दूसरी तरफ विश्वविद्यालय प्रशासन ने एबीवीपी के कार्यकताओं पर शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर में अवैध तरीके से घुसने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और मौके पर मौजूद कर्मियों के साथ अभद्रता करने आदि आरोप लगाते हुए नंदग्राम थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई करने की मांग की है।

शोधार्थियों का विश्वविद्यालय में स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय में 397 से अधिक नवप्रवेशित पीएचडी शोधार्थियों के लिए दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति डॉ. बलविंदर शुक्ला, डॉ. गुरिंदर सिंह और डॉ. केएम सोनी ने शोधार्थियों के साथ हवन कर की। संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान ने शोधार्थियों से समाज और राष्ट्र की वर्तमान चुनौतियों के समाधान पर केंद्रित शोध करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अमेरिका से आए विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधिमंडल ने भी भाग लिया। एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान ने छात्रों से कहा कि वर्तमान अनिश्चित दौर में, जब पूरी दुनिया मार्गदर्शन के लिए भारत की ओर देख रही है, ऐसे में शोधार्थियों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने शोधार्थियों से ऐसे विषयों का चयन करने का आह्वान किया, जो वर्तमान चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करें और समाज के लिए उपयोगी सिद्ध हों और राष्ट्र निर्माण में सहायक हो जिससे हम विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल कर सकें। एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला ने कहा कि किसी भी संस्थान में शोध करने वाले शोधार्थी उस संस्थान को नई पहचान प्रदान करते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए पथप्रदर्शक बनते हैं। एमिटी सदैव युवाओं को अनुसंधान के लिए प्रेरित करते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। अनुसंधान एवं नवाचार, देश उन्नती की रीढ़ है ऐसे में आप वर्तमान चुनौतियों को समझ कर उनके निवारण हेतु शोध करें। एमिटी ग्रुप वाइस चांसलर डॉ. गुरिंदर सिंह ने कहा कि कि एमिटी में शोधार्थियों को विकास के सभी अवसर जैसे वैश्विक अनवारण तथा अपनी जिज्ञासाओं के उत्तर प्राप्त होंगे, जो उनके व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विकास में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि प्रार्थनाओं में बड़ी शक्ति होती है और आपके लिए सदैव आपके अभिभावक एवं शिक्षक प्रार्थना करते है। एमिटी न केवल शोधार्थियों के अनुसंधान कार्य में सहयोग करेगा, बल्कि उनके शोध एवं नवाचार को पेटेंट कराने तथा उसके व्यावसायिक उपयोग के लिए उद्यम प्रारंभ करने में भी सहायता प्रदान करेगा।

प्रातः किरण राष्ट्रीय दैनिक
स्पोर्ट्स
नई दिल्ली, रविवार, 23 अगस्त, 2026

दो टूक आलोचनाओं पर गौतम गंभीर का जवाब

मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है

कोलंबो एजेंसी। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आलोचनाओं और बाहरी शोर को दरकिनार करते हुए साफ कहा है कि उनका एकमात्र लक्ष्य भारत के लिए ट्रॉफियां जीतना है। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले गंभीर ने कहा कि उन्हें आलोचना, विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है और उनका पूरा ध्यान भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने पर है।

आलोचनाओं पर गंभीर का दो टूक जवाब

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार तथा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मिली शिकस्त के बाद गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठे हैं। हालांकि, इंग्लैंड दौरे पर भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। आलोचनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर गंभीर ने कहा, 'मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है। मैं सिर्फ इसी में विश्वास करता हूं और इसी की परवाह करता हूं। यही मेरे और बाकी लोगों के बीच अंतर है। मुझे विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है।'

अगरकर से सिर्फ क्रिकेट पर फोकस

चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ अपनी बातचीत के बारे में गंभीर ने कहा कि दोनों के बीच चर्चा का मुख्य विषय भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाना और सही फैसले करना होता है। उन्होंने कहा कि बातचीत इस बात पर केंद्रित रहती है कि भारतीय क्रिकेट को किस दिशा में आगे बढ़ाया जाए, क्या महत्वपूर्ण है और खेल की बेहतरी के लिए कौन से फैसले लेने चाहिए।भारत फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की तालिका में पांचवें स्थान पर है। उससे ऊपर ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं। हालांकि, गंभीर ने रैंकिंग को लेकर ज्यादा चिंता नहीं जताई। उन्होंने कहा, 'रैंकिंग मायने नहीं रखती। हम संघर्ष नहीं कर रहे हैं। इंग्लैंड दौरे के बाद से हमने संतोषजनक टेस्ट क्रिकेट खेला है।'

कुलदीप यादव का गंभीर ने किया बचाव

दूसरे टेस्ट में टीम संयोजन में बदलाव को लेकर गंभीर ने कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव का समर्थन किया। गंभीर ने कहा कि टीम ऐसी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी इकाई उतारने की कोशिश करेगी, जो 20 विकेट हासिल कर सके। गॉल टेस्ट में कुलदीप ने दोनों पारियों में कुल 25 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्हें कम ओवर दिए जाने के सवाल पर गंभीर ने कहा, 'कुलदीप एक अच्छे गेंदबाज हैं और कभी-कभी यह कप्तान पर भी निर्भर करता है।'

सुथार और पडिक्कल के प्रदर्शन को सराहा

पहले टेस्ट में भारत की 165 रन की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मानव सुथार और देवदत्त पडिक्कल की भी गंभीर ने जमकर सराहना की। पडिक्कल ने मैच में कुल 211 रन बनाए, जबकि सुथार ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट हासिल किए। गंभीर ने कहा कि क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके देकर उनका समर्थन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी के बारे में फैसला सिर्फ एक-दो मैचों के प्रदर्शन के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए।

सलाह दी द्रविड़ ने तीनों प्रारूप में खेलने का किया समर्थन

टेस्ट क्रिकेट को वैभव की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट को वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी की जरूरत है। द्रविड़ ने कहा कि सूर्यवंशी को लाल गेंद क्रिकेट के लिए काफी समय और एक्सपोजर की जरूरत है। वैभव सूर्यवंशी इस बार दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की तरफ से खेल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत रविवार से हो रही है। वैभव इस दौरान टीम के उपकप्तान की भूमिका में भी नजर आने वाले हैं।

नई सनसनी बनकर उभरे हैं वैभव

वैभव सूर्यवंशी क्रिकेट की नई सनसनी बनकर उभरे हैं और उन्होंने आईपीएल 2026 में दमदार प्रदर्शन किया था। वैभव ने इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू किया था। वैभव अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। राहुल द्रविड़ जब राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच थे तो राजस्थान फ्रेंचाइजी ने वैभव को आईपीएल नीलामी में खरीदा था। अब द्रविड़ ने वैभव को टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार बता दिया है।

द्रविड़ ने यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के अनावरण के लिए डबलिन में एक इवेंट में कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि वैभव को भारत में आईपीएल के जरिए कुछ सीमित ओवर प्रारूप में क्रिकेट खेलने का अनुभव मिल रहा है, लेकिन उन्हें भारतीय घरेलू सिस्टम में वापस जाकर लाल गेंद क्रिकेट खेलने और अपने टेस्ट करियर को आगे बढ़ाने का भी समय मिल रहा है। इस युवा बल्लेबाज को सीमित ओवर और टेस्ट क्रिकेट के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। हम सभी टेस्ट क्रिकेट को जिंदा देखना चाहते हैं और आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। हमें वैभव जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है ताकि वे सभी प्रारूप में खेल सकें।

द्रविड़ ने संयम रखने कहा

द्रविड़ ने कहा, अच्छी बात यह है कि उसे कुछ समय लगेगा, उसे कुछ अनुभव की जरूरत होगी। उसे बहुत सारा टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। उसने शायद उतना टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है जितना सीमित ओवर प्रारूप में क्रिकेट खेला है। वह सिर्फ 15 साल का है। मुझे लगता है कि आपको उसे कुछ समय देना होगा और उसके साथ सब्र रखना होगा। जाहिर है वह शुरू से ही बहुत सफल रहा है, लेकिन वह अपने उतार-चढ़ाव से गुजरेगा और मुझे लगता है कि लोगों को उसके साथ सब्र रखना होगा।

वैभव के तीनों प्रारूप में खेलने का भरोसा

द्रविड़ का मानना है कि टी20 मौकों का पीछा करने के बजाय घरेलू टेस्ट क्रिकेट खेलने से बतौर बल्लेबाज वैभव का विकास होगा। उन्होंने कहा, हम सब याद रखें कि वैभव सिर्फ 15 साल के हैं और उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना है। मुझे उम्मीद है कि सूर्यवंशी आखिरकार उच्च स्तर पर लाल गेंद क्रिकेट में कदम रख पाएंगे और इंडिया के लिए सभी प्रारूप के खिलाड़ी बन पाएंगे। यह वैश्विक क्रिकेट के लिए उत्साहजनक होगा ।मालूम हो कि सूर्यवंशी ने अब तक सिर्फ आठ प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

संक्षिप्त समाचार

फीफा ने अर्जेंटीना पर लगाया करोड़ों का जुर्माना और तीन खिलाड़ियों पर बैन

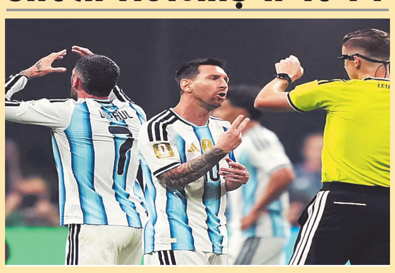

स्पेन (एजेंसी)। फुटबॉल की गवर्निंग बॉडी फीफा ने अर्जेंटीना की फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) अर्जेंटीनी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ पर बड़ा बड़ा जुर्माना लगाया है. फीफा ने उनको ये सजा हाल ही में खत्म हुए फीफा वर्ल्ड कप में की गई गड़बड़ियों की वजह से दी है. जिसमें फाइनल में स्पेन के खिलाड़ी के साथ हुई झड़प भी शामिल है। इस झगड़े की वजह से फीफा ने अर्जेंटीना के चार और स्पेन के एक खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया है. अर्जेंटीना के खिलाड़ियों में लिएंड्रो परेडेस को सबसे कड़ी सजा मिली है. इस मिडफील्डर को 10 मैचों के लिए सस्पेंड किया गया है और 90,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है. जबकि नाहुएल मोलिना को 7 मैचों का सस्पेंशन और 90,000 स्ष्ठ और थियागो अल्माडा को एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 स्ष्ठ का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा स्पेन के असिस्टेंट कोच रॉबर्टो अयाला को तीन मैचों का सस्पेंशन और 30,000 स्ष्ठ का जुर्माना लगाया गया है. वहीं स्पेन के एक खिलाड़ पाब्लो मार्टिन पेज गाविरा पर एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है। खिलाड़ियों के अलावा फीफा ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन पर भी टूर्नामेंट के दौरान हुई कई घटनाओं के लिए 3.64 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है. जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद खिलाड़ियों का फॉकलैंड आइलैंड्स से जुड़ा पॉलिटिकल बैनर ले जाना और समर्थकों द्वारा भेदभावपूर्ण नारे लगाना शामिल है।

लुसाने डायमंड लीग: नीरज चोपड़ा 9 सेंटीमीटर से चुके पहला स्थान

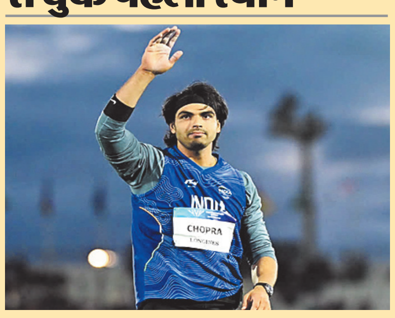

लुसाने (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा ने 2026 सीजन का अपना बेस्ट थ्रो किया, लेकिन वो लुसाने डायमंड लीग में श्रीलंका के रुमेश पथिरागे से सिर्फ 9 सेंटीमीटर पीछे रह गए. जिसकी वजह से उनको दूसरे स्थान पर ही रहना पड़ा।नीरज चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में ही 88.05 मीटर का शानदार थ्रो किया, लेकिन पथिरागे ने अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर थ्रो करके लुसाने प्रतियोगिता अपने नाम कर ली. ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर की दूरी के साथ तीसरे स्थान पर रहे।दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 83.54 मीटर के थ्रो के साथ अपनी शुरुआत की. इसके बाद उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 88.05 मीटर दूर भाला फेंककर पहले स्थान पर पहुंच गए. लेकिन श्रीलंका के उभरते हुए खिलाड़ी पथिरागे ने तुरंत अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर थ्रो करके नीरज से पहले स्थान छीन लिया। चोपड़ा अपने तीसरे थ्रो में केवल 83.72 मीटर ही दूर भाला फेंक पाए और चौथे प्रयास में फाउल कर बैठे. जबकि उन्होंने अपना पांचवां प्रयास नहीं किया. हालांकि, चोपड़ा अपने आखिरी और छठे थ्रो में जरूरी दूरी हासिल नहीं कर पाए।

बांग्लादेश की पहली पारी 64 पर ढेर

बदले की आग में मिचेल स्टार्क ने बरपाया कहर, पहले ही दिन गिरे 18 विकेट, ऑस्ट्रेलिया ने हासिल की मामूली बढ़त

मैके , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन मामूली बढ़त हासिल कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में आठ विकेट पर 165 रन बनाए हैं और उसे अब तक 101 रनों की बढ़त मिली है। स्टंप्स के समय कैमरन ग्रीन 51 और नाथन लियोन 10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले, दूसरे ही सत्र में बांग्लादेश की पहली पारी 64 रन पर ऑलआउट हुई। लेकिन शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे टीम वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

बांग्लादेश को सस्ते में ऑलआउट करने के बाद उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे उसकी पारी लड़खड़ा गई। शुरुआती झटकों के बाद स्टीव स्मिथ और कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला और टीम को बढ़त दिलाई। स्मिथ 42 रन बनाकर आउट हुए और ग्रीन के साथ उनकी साझेदारी टूट गई। इसके बाद एक छोर से विकेट गिरते रहे, लेकिन ग्रीन टिके रहे और उन्होंने अर्धशतक पूरा किया। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल ने छह विकेट लिए, जबकि तस्कीन अहमद और मेहदी हसन मिराज को अब तक एक-एक विकेट मिले।

पहला सत्र पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के नाम

स्टार्क ने बांग्लादेश की पारी लड़खड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। स्टार्क के आगे बांग्लादेश का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखरता चला गया। इसके बाद पैट कमिंस ने मुशफिकुर रहीम को आउट कर बांग्लादेश को पहले ही सत्र में छठा झटका दिया। बांग्लादेश ने इस तरह 21 रन के स्कोर पर छह विकेट गंवा दिए। लंच तक बांग्लादेश का स्कोर छह विकेट पर 35 रन था।

चार बल्लेबाज खाता खोले बिना आउट

इससे पहले, मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने इसे सही साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और बांग्लादेश को झटके पर झटके दिए। स्थिति यह रही कि पहले ही सत्र में बांग्लादेश ने छह विकेट गंवा दिए। मिचेल स्टार्क ने पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की और शुरुआत से ही बांग्लादेश पर दबाव बनाया। स्टार्क पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को पवेलियन भेजा और फिर अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। अगली ही गेंद पर नजमुल हुसैन शांतो स्टार्क का तीसरा शिकार बने। स्टार्क हालांकि, हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। स्टार्क ने फिर कैमरन ग्रीन के हाथों मोमिनुल हक को कैच कराया जो नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद स्टार्क का पांचवां शिकार लिटन दास बने जो खाता खोले बिना आउट हुए। बांग्लादेश की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके।

दूसरे सत्र में हेजलवुड-कमिंस ने दिखाया दम

लंच ब्रेक के बाद जोश हेजलवुड और कमिंस ने दम दिखाया और दो विकेट झटकर बांग्लादेश को और मुश्किल में डाल दिया। कमिंस ने पहले मेहदी हसन मिराज को आउट किया जो 11 रन बनाकर आउट हुए और फिर हेजलवुड ने हसन महमूद को पवेलियन की राह दिखाई जो 10 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने इसके बाद तस्कीन अहमद को आउट करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और मैट रेनशॉ के हाथों कैच कराकर उनकी पारी का अंत किया। तस्कीन एक रन बनाकर आउट हुए। आखिरी विकेट गिराने के लिए हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को थोड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि तैजुल इस्लाम और शोरिफुल इस्लाम के बीच 10वें विकेट के लिए 25 रनों की साझेदारी हुई। यह बांग्लादेश की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। इसे स्टार्क ने शोरिफुल को आउट कर तोड़ा। 11वें नंबर पर उतरे शोरिफुल ने बांग्लादेश के लिए पहली पारी में सबसे ज्यादा 14 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार्क ने छह, कमिंस ने तीन और हेजलवुड ने एक विकेट लिया।

मिचेल स्टार्क ने स्टेन को पीछे छोड़ा! 19वीं बार टेस्ट में लिए पांच से अधिक विकेट

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेटों के मामले में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन को पीछे दिया है। स्टार्क अब स्टेन को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट इतिहास के 10वें सफलतम गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने शनिवार से साउथ मैके में ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच शुरू हुए टेस्ट मैच के पहले दिन यह उपलब्धि हासिल की।

शुरुआती 22 गेंदों पर झटके पांच विकेट

साउथ मैके में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। स्टार्क ने अपनी

आग उगलती गेंदबाजी से बांग्लादेश के शीर्ष क्रम बल्लेबाजी को तहस नहस कर दिया। स्टार्क ने अपनी शुरुआती 22 गेंदों पर ही पांच विकेट ले डाले। स्टार्क ने 10 ओवर की गेंदबाजी में छह मेडन फेंकते हुए मात्र 12 रन देकर छह विकेट लिए। इस दौरान पांचवां विकेट लेते ही उन्होंने डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया।

205 पारियों में 441 विकेट

36 साल के स्टार्क के अब 107 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 441 विकेट हो चुके हैं। स्टार्क टेस्ट मैच की एक पारी में 19 बार पांच या उससे अधिक विकेट ले चुके हैं, जबकि एक मैच में 10 या उससे अधिक विकेट तीन बार ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर सात विकेट है। स्टार्क से आगे अब वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कॉर्टनी वॉल्श हैं। वॉल्श के नाम 132 टेस्ट में 519 विकेट हैं। देखना होगा कि स्टार्क इस रिकॉर्ड को तोड़ पाते हैं, या नहीं। डेल स्टेन ने 2004 से 2019 के बीच 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट लिए थे। स्टेन अब टेस्ट के सफलतम गेंदबाजों की सूची में 11वें नंबर पर चले गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट श्रीलंका के ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने 1992 से 2010 के बीच 133 टेस्ट में 800 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने 1992 से 2007 के बीच 145 टेस्ट में 708 विकेट लिए थे।

इंग्लैंड के खिलाफ पारी से हारने पर पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे खिसका

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में पाकिस्तान की दूसरी पारी में सिर्फ 135 रनों पर ही सिमट गई. जिससे उनको पारी और 103 रनों से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही मेजबान टीम ने तीन दिन के अंदर ही शानदार जीत हासिल कर ली. पाकिस्तान की हार के लिए मुख्य रूप से रॉबिन्सन जिम्मेदार थे. उन्होंने मैच में 80 रन देकर 8 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता।

पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे

पाकिस्तान ने पहली पारी में सिर्फ 171 रन बनाए थे. जबकि इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 409 रन बनाए. जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. इसके बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज दूसरी पारी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के जबरदस्त हमले का सामना नहीं कर सका. जोफ्रा आर्चर, जोश टोंग और ओली रॉबिन्सन ने मिलकर 9 विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड ने एकतरफा जीत हासिल की और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में महत्वपूर्ण अंक प्राप्त किए।

इंग्लैंड की यह शानदार जीत जो रूट के फुल-टाइम टेस्ट कप्तान के तौर पर दूसरे कार्यकाल की मजबूत शुरुआत है. इससे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में इंग्लैंड की स्थिति भी बेहतर हुई है. इंग्लैंड की रैंकिंग ऊपर चला गया है, जबकि पाकिस्तान वेस्टइंडीज से नीचे खिसककर 16 पॉइंट्स और 19.05 के पॉइंट्स प्रतिशत (पीसीटीक्चञ्) के साथ टेबल में सबसे नीचे आ गया है। हालांकि इंग्लैंड स्टैंडिंग में सातवें स्थान पर बना हुआ है. ऑस्ट्रेलिया 77.78 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में टॉप पर बना हुआ है. दक्षिण अफ्रीका भी 75 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान की करारी हार

मैच की बात करें तो जब पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की, तो उन पर भारी दबाव था क्योंकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 238 रनों की बढ़त बना ली थी. मेहमान टीम की मुश्किलें लगभग तुरंत ही शुरू हो गईं जब आर्चर ने अपने पहले ही ओवर में इमाम-उल-हक (0) का विकेट ले लिया।

शान मसूद ने कई बाउंड्री लगाकर पलटवार करने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड ने दबाव बनाए रखा. इसके बाद अब्दुल्ला शफीक (15) डिफेंस करते हुए एज लगने से आउट हो गए, और लंच से पहले ही पाकिस्तान और भी

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव

मुश्किल स्थिति में आ गया।

इसके बाद स्थिति और खराब हो गई जब टंग ने पाकिस्तान के मिडिल ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया. सबसे पहले सऊद शकील (14) आउट हुए, और फिर इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में मसूद (29) और सलमान आगा दोनों को आउट करके पाकिस्तान को हार की कगार पर धकेल दिया।

हालांकि मोहम्मद रिजवान ने 41 रन बनाकर कुछ हद तक संघर्ष किया, लेकिन रॉबिन्सन ने दूसरे छोर से कई सफलताएं हासिल कीं. आखिरकार गस एटकिंसन ने रिजवान की पारी का अंत किया और फिर आर्चर ने 38वें ओवर में आखिरी बल्लेबाज को आउट करके मैच खत्म कर दिया।

इससे पहले, पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम 171 रनों पर ऑल आउट हो गई थी, जिसमें रॉबिन्सन ने 51 रन देकर 5 और टंग ने 46 रन देकर 5 विकेट लिए थे. जवाब में इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर के चार बल्लेबाजों ने हाफ-सेंचुरी लगाई. जॉर्डन कॉक्स ने 73, जो रूट ने 66, हैरी ब्रूक ने 91 और डैन लॉरेंस ने 51 रन बनाए. इस मिली-जुली कोशिश से इंग्लैंड ने पहली पारी में 409 रन बनाए, जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. पाकिस्तान की तरफ से अली उस्मान ने 95 रन देकर 5 विकेट लिए।इस जीत के साथ इंग्लैंड तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे निकल गया है. सीरीज के दूसरा मैच लॉर्ड्स में 27 अगस्त से शुरू होगा।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, रविवार, 23 अगस्त, 2026

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

तेलंगाना की फार्मा यूनिट में रिएक्टर फटने से 2 कर्मचारियों की मौत, 9 घायल

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के यादाद्री भुवनागिरी जिले में एक बड़ा हादसा हो गया।

पोचमपल्ली मंडल स्थित एक फार्मास्युटिकल कंपनी में शुक्रवार देर रात अचानक केमिकल रिएक्टर में विस्फोट हो गया। इस हादसे में दो कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ अन्य कर्मचारी घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना उस समय हुई जब नाइट शिफ्ट के दौरान कर्मचारी काम बदल रहे थे। धमाका इतना तेज था कि प्लांट के एक हिस्से में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। घायल नौ कर्मचारियों में से दो की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है और वे 50 प्रतिशत से अधिक झुलस चुके हैं। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है।

हाफिज सईद समेत कई आतंकियों के खिलाफ चलेगा मुकदमा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद और ज़की-उर-रहमान लखवी समेत छह फरार आरोपितों के विरुद्ध इंटरपोल के जरिये कोर्ट के घोषणा आदेश तामील कराने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क किया है। इससे 26/11 आतंकी हमलों में उनकी भूमिका के लिए उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने का रास्ता साफ हो गया है। विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम ने शुक्रवार को पुलिस की ओर से एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपी। यह रिपोर्ट इस वर्ष जुलाई में फरार आरोपितों के विरुद्ध जारी घोषणा आदेश और उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने की प्रक्रिया शुरू करने के बारे में है। निकम ने विशेष अदालत को बताया, हमने पाकिस्तान में रह रहे आरोपितों के विरुद्ध इंटरपोल के जरिये घोषणा आदेश तामील कराने के लिए ज़रूरी कदम उठाने के लिए गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा, तीन अगस्त को गृह मंत्रालय ने हमारी अपील स्वीकार कर ली थी और इस मामले की स्थिति बताने के लिए समय मांगा था। अदालत ने सईद, लखवी और अन्य फरार आरोपितों साजिद मीर, अबू अलकामा, आसिम उर्फ अबू कहफा और मेजर अब्दुर रहमान पाशा के विरुद्ध घोषणा आदेश जारी किए थे।

इलाज के लिए वंतारा पहुंची हथनी जायमोती, नगालैंड में बाढ़ से किया गया था रेस्क्यू

जामनगर, एजेंसी। नगालैंड में आई भयानक बाढ़ से बचाई गई 53 साल की हथनी जायमोती को खास इलाज के लिए गुजरात के जामनगर स्थित वंतारा एयरलिफ्ट किया जा रहा है। जुलाई के दूसरे सप्ताह में नगालैंड में बाढ़ के पानी में जायमोती बह गई थी। बाद में सरकारी एजेंसियों की मदद से स्थानीय लोगों ने उसे बचाया। इस दौरान वह चोटिल हुई थी। उसकी आंखें भी खराब हो गई हैं। उसके पिछले बाएं पैर में भी लंबे समय से चोट है। बचाए जाने के बाद जायमोती को स्थानीय स्तर पर प्राथमिक चिकित्सा और इलाज मिला, जिसमें घाव की ड्रेसिंग, दर्द की दवा, मल्टीविटामिन और मिनरल सप्लीमेंट और सहायक इलाज शामिल था। हालांकि, उसकी चोटों की गंभीरता और कई जगहों पर चोट होने, उसकी बढ़ती उम्र और चलने-फिरने में पहले से मौजूद दिक्कतों को देखते हुए उसे एक खास अस्पताल में तुरंत इलाज की जरूरत है। जायमोती को वंतारा ले जाने का मकसद केवल तुरंत और खास इलाज देना है। उसे एयरलिफ्ट करने का फैसला उसकी भलाई और मेडिकल जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया गया है। वंतारा पहुंचने पर जायमोती की पूरी जांच की जाएगी और उसके चोटों और आंख की हालत का खास इलाज किया जाएगा। अस्पताल में खास देखभाल के लिए हवाई जहाज से हाथी को ले जाने का भारत में अपनी तरह का पहला मामला है।

जनसेना पार्टी के एमपी ने बेटे का किया बचाव, कहा- वह खुद महिला को अस्पताल ले गया

हैदराबाद, एजेंसी। आंध्र प्रदेश से जन सेना पार्टी के राज्यसभा सांसद लिंगमनेनी रमेश ने हैदराबाद सड़क हादसे के मामले में अपने 21 वर्षीय बेटे लिंगमनेनी संजुश का बचाव किया है। हादसे में 26 वर्षीय महिला की मौत के बाद संजुश पर मामला दर्ज किया गया है। रमेश ने कहा कि दुर्घटना के तुरंत बाद बेटे ने बिना किसी देरी के पीड़िता को अस्पताल पहुंचाया, खुद पुलिस अधिकारियों को हादसे की जानकारी दी और वह जांच में पूरा सहयोग कर रहा है। घटना पर दुख व्यक्त करते हुए सांसद ने कहा कि 16 अगस्त को हैदराबाद में हुई सड़क दुर्घटना बेहद दुखद और हृदयविदारक है, जिसमें एक युवती की जान चली गई। हम पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने स्वीकार किया कि हादसे के समय एस्टन मार्टिन कार उनका बेटा ही चला रहा था। सांसद ने जनता से अपील की कि जांच पूरी होने से पहले मामले पर कोई पूर्वाग्रह या अनुमान न बनाएं। उन्होंने बताया कि उनके बेटे के तीन अलग-अलग मेडिकल और ड्रग्स टेस्ट कराए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। परिवार द्वारा पद का दुरुपयोग करने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि वे कानून का पूरा सम्मान करते हैं और मामले में कुछ

भी छिपाया नहीं जा रहा है। 16 अगस्त की दोपहर करीब 3 बजे माधापुर स्थित इनऑर्बिट मॉल के लाइफस्टाइल स्टोर में काम करने वाली 26 वर्षीय भारती मुखी अपनी सहयोगी पूजा अशोक अलोन के साथ लंच लेने कोहिनूर इलाके की ओर गई थीं। काम पर लौटते समय जब भारती मॉल के सामने सड़क पार कर रही थीं, तभी एक तेज रफ्तार एस्टन मार्टिन कार ने उन्हें टक्कर मार दी। एफआईआर के मुताबिक, कार बहुत तेज रफ्तार, लापरवाही और जल्दबाजी में चलाई जा रही थी।

जनगणना कार्य से इनकार नहीं कर सकते शिक्षक, हाई कोर्ट ने कहा- स्कूल ड्यूटी पर ही माने जाएंगे

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य के लिए प्रतिनियुक्त किए गए शिक्षकों को स्कूल ड्यूटी पर ही माना जाएगा और वे इस जिम्मेदारी से इनकार नहीं कर सकते। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने शिक्षकों को जनगणना कार्य में लगाए जाने से संबंधित याचिकाओं का निपटारा करते हुए कहा कि यदि जनगणना संचालन निदेशक और प्रभारी अधिकारी शिक्षकों की सेवाएं लेना चाहते हैं तो स्कूल के प्रधान को कार्य की तारीख, समय और स्थान की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। अदालत ने आगे कहा कि जनगणना अधिकारियों से अनुरोध मिलने के बाद संस्थान प्रमुख को संबंधित शिक्षकों को जनगणना कार्य के लिए जाने की अनुमति देनी होगी। साथ ही स्कूल में उपलब्ध अन्य शिक्षकों के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। जनगणना ड्यूटी करने वाले शिक्षक जनगणना अधिनियम की धारा 15ए के प्रावधानों के तहत स्कूल ड्यूटी पर माने जाएंगे। इस प्रविधान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनगणना कार्य करने से किसी कर्मचारी के करियर, नौकरी की स्थिति या पदोन्नति पर प्रतिकूल असर न पड़े। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि सक्षम प्राधिकार की ओर से जनगणना कार्य के लिए प्रतिनियुक्त किए गए शिक्षक इस जिम्मेदारी को अस्वीकार नहीं कर सकते। स्कूल के समय के बाद और सप्ताहांत में जनगणना कार्य कराने संबंधी अधिसूचना वापस ले ली गई है।

राजस्थान विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश, लिव-इन में रहने के लिए करना होगा रजिस्ट्रेशन

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को हंगामे और नारेबाजी के बीच समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश किया गया। विधेयक पेश होने के बाद कांग्रेस विधायकों ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। विधेयक में सभी धर्मों के नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, संपति एवं विरासत के अधिकार और लिव-इन-रिलेशनशिप से जुड़े मामलों में एक समान कानूनी नियम लागू करने का प्रावधान किया गया है।

बहुविवाह पर रोक का भी प्रावधान किया गया है। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने सदन में विधेयक पेश किया। 309 पन्नों और 403 धाराओं वाले इस विधेयक में प्रावधान किया गया है कि किसी भी पक्ष के जीवित जीवनसाथी के होने पर दूसरा विवाह नहीं किया जा सकेगा।

विवाह के लिए पुरुषों के लिए न्यूनतम उम्र 21 और महिलाओं के लिए 18 वर्ष का प्रावधान किया गया है। विवाह का पंजीकरण 60 दिन के भीतर करवाना भी आवश्यक होगा। पंजीकरण नहीं करवाने पर दस हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

विधेयक के अनुसार, विवाह धार्मिक अथवा मान्य प्रथागत रीति-रिवाजों के अनुसार किया जा सकेगा, लेकिन पंजीकरण अनिवार्य होगा। विधेयक में लिव-इन-रिलेशनशिप का भी पंजीकरण

करवाना अनिवार्य किया गया है।

लिव-इन-रिलेशनशिप से जन्मे बच्चों को दंपति की वैध संतान माना जाएगा। पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में विधेयक को पारित किया गया था।

मुस्लिम संगठनों ने यूसीसी के विरोध में धर्म सभा की विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश करने के विरोध में मुस्लिम समाज के लोगों ने शुक्रवार को जयपुर में धर्मसभा के बाद विधानसभा कूच किया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें रास्ते में ही रोक लिया।

इस पर मुस्लिम समाज के लोगों ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। जयपुर के मोतीडूंगरी स्थित मुस्लिम मुसाफिर खाने में हुई धर्मसभा में वक्ताओं ने प्रस्तावित कानून को लेकर आपत्ति जताई।

हिमाचल सरकार की पेंशनरों को बड़ी राहतः एरियर भुगतान के लिए अधिकतम पेंशन सीमा बढ़ाई

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश सरकार ने 1 जनवरी 2016 से 31 जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को पेंशन व फैमिली पेंशन के एरियर के भुगतान से जुड़े अपने आदेश में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। वित्त (पेंशन) विभाग ने 18 अगस्त 2026 को जारी कार्यालय ज्ञापन में किए गए प्रविधानों में करेक्शन करते हुए अधिकतम पेंशन और अधिकतम पारिवारिक पेंशन की सीमा बढ़ा दी है। यह संशोधन तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

संशोधित प्रविधान के अनुसार जिन मामलों में पेंशन की सीमा पहले 60,000 निर्धारित थी, उसे बढ़ाकर 1,20,050 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह पारिवारिक पेंशन की अधिकतम सीमा 40,000 से बढ़ाकर 67,230 कर दी गई है। वित्त विभाग ने 18 अगस्त के कार्यालय ज्ञापन के पैरा-2 को भी हटा दिया है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी पेंशनर या पारिवारिक पेंशनर की वास्तविक बेसिक पेंशन निर्धारित श्रेणी की संशोधित अधिकतम सीमा से अधिक है, तो संबंधित पेंशन वितरण प्राधिकरण अंडरटेकिंग लेने के बाद ऐसे पेंशनर का एरियर जारी करेगा।

बैंकों पर भी जिम्मेदारी

वित्त विभाग ने पेंशन वितरण प्राधिकरणों और बैंकों को एरियर का भुगतान सही तरीके से करने के निर्देश दिए हैं। यह सुनिश्चित करने

को कहा गया है कि प्रत्येक मामले में पेंशन व पारिवारिक पेंशन का एरियर 17 सितंबर 2022, 13 मार्च 2024 और 18 अगस्त 2026 को जारी कार्यालय ज्ञापनों के प्रविधानों के अनुसार ही निकाला और वितरित किया जाए।

विभागों व बैंकों को आदेश जारी

आदेश की प्रतियां प्रदेश के सभी प्रशासनिक विभागों, विभागाध्यक्षों, उपायुक्तों, कोषागार अधिकारियों के साथ-साथ संबंधित बैंकों को भेजी गई हैं। वित्त विभाग ने आदेश को अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है, ताकि पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को इसका लाभ समय पर मिल सके। वास्तविक बेसिक पेंशन संशोधित सीमा से अधिक होने पर भी एरियर का रास्ता खुला है। पेंशन वितरण प्राधिकरण अंडरटेकिंग लेने के बाद संबंधित पेंशनर/फैमिली पेंशनर को एरियर जारी कर सकेगा।

कनाडा के गुरुद्वारे में चाकूबाजी, सुबह की अरदास के दौरान मचा हंगामा; दो लोग घायल, पीएम कार्नी ने जताई संवेदनाएं

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के एडमंटन स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा में शादी समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना के दौरान एक व्यक्ति ने कथित तौर पर हंगामा किया। उसे काबू करने की कोशिश के दौरान हुई झड़प में दो पुरुषों पर चाकू से हमला हुआ। पुलिस ने एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया है और दोनों घायलों की चोटें गंभीर नहीं हैं। हमले की वजह और यह हेट क्राइम था या नहीं, इसकी जांच जारी है। घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह तय समय पर आयोजित किया गया।

यह घटना एडमंटन के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा मंदिर में सुबह 5 बजे के कुछ समय बाद हुई। एडमंटन पुलिस सर्विस ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉर्सहिल रोड के पास हुई घटना की सूचना मिलने पर अधिकारियों ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आपातकालीन सेवाओं ने दो घायलों का इलाज किया। दोनों को लगी चोटों को जानलेवा नहीं बताया गया है।

हमले के पीछे की वजह अभी साफ नहीं

पुलिस ने अभी तक हमले के पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि मामले की जांच संभावित घृणा-प्रेरित अपराध यानी हेट क्राइम के तौर पर की जा रही है या नहीं।

शादी से पहले प्रार्थना में घुसा आरोपी:

गुरुद्वारा प्रतिनिधि हरमीत सहगल ने बताया कि एक व्यक्ति गुरुद्वारे के अंदर आया और बाद में होने वाली शादी से पहले चल रही सुबह की प्रार्थना में बाधा डालने लगा। ग्लोबल न्यूज के मुताबिक, सहगल ने कहा, वह अंदर आया और हंगामा करने लगा। हमारी सुबह की प्रार्थना बाधित हो गई। जो लोग प्रार्थना कर रहे थे, उन्होंने इस व्यक्ति को देखा। ऐसा लग रहा था कि वह यहां आने वाला कोई सामान्य श्रद्धालु नहीं था। सहगल के मुताबिक, प्रार्थना करा रहे लोगों ने पहले उस व्यक्ति से बात कर उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, वह व्यक्ति किसी की बात नहीं सुन रहा था। इसलिए उन्होंने उसे काबू करने की कोशिश की। उसने भी इसका विरोध किया। सहगल ने बताया कि आखिरकार लोगों ने उसे काबू कर लिया और उसी दौरान पुलिस को बुलाया गया।

इसी टकराव के दौरान दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। सहगल ने बताया कि हमले के बाद दोनों घायल होश में थे। उन्होंने कहा, आखिरी बार जब मैंने सुना, तब दोनों बात कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों घायलों की हालत गंभीर नहीं है और उनकी चोटें जानलेवा नहीं बताई गई हैं।

सुबह हुई इस हिंसक घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह को रद्द नहीं किया गया। समारोह सुबह करीब 10:30 बजे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया गया। सहगल ने कहा कि राहत की बात यह रही कि गुरुद्वारे की संपत्ति को कोई खास नुकसान नहीं पहुंचा और विशेष रूप से सिख धर्मग्रंथ भी सुरक्षित रहे, जिन्हें समुदाय में बेहद पवित्र माना जाता है। गुरुद्वारा प्रतिनिधि ने कहा कि समुदाय के लोग अब पुलिस की जांच के जरिए यह जानने का इंतजार कर रहे हैं कि आखिर घटना की पूरी परिस्थिति क्या थी और इसके पीछे की वजह क्या रही। उन्होंने कहा, पुलिस ही यह तय करने में मदद करेगी। हर कोई यह जानने को उत्सुक है कि आखिर क्या हुआ और ऐसा क्यों हुआ। वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन ऑफ कनाडा के प्रवक्ता हरमन कंडोला ने कहा कि चाकूबाजी की इस घटना ने उस समारोह की खुशी को फीका कर दिया, जो एक जश्न का अवसर होना था।

भारत-नेपाल सीमा पर बना जालसाजी का नेटवर्क, 500 यात्रा दस्तावेज गायब होने से खुला राज

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में 15 साल पहले विदेश मंत्रालय के स्टोर से गायब हुए 500 खाली यात्रा दस्तावेजों की दोबारा जांच ने भारत और नेपाल से जुड़े दस्तावेज जालसाजी के एक कथित नेटवर्क पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जांच में आशंका जताई गई है कि इस नेटवर्क के जरिए विदेशी नागरिकों और शरणार्थियों के लिए जाली नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्र तैयार किए जाते थे। इसके बाद इन्हीं प्रमाणपत्रों के आधार पर नेपाली पासपोर्ट और यात्रा दस्तावेज हासिल किए जाते थे। भारत-नेपाल की खुली सीमा और दोनों देशों के बीच वीजा-मुक्त आवाजाही को देखते हुए इस मामले का सुरक्षा पहलू भी महत्वपूर्ण हो गया है। नेपाल विदेश मंत्रालय से वर्ष 2009 में ए-026001 से ए-026500 श्रृंखला के 500 खाली यात्रा दस्तावेज गायब हुए थे। इनमें से अब तक केवल तीन दस्तावेज बरामद किए जा सके हैं। बाकी 497 दस्तावेजों का कोई पता नहीं चला है। मामले की दोबारा जांच नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीआईबी को सौंपी गई है। जांच के दौरान मंत्रालय के पूर्व अधिकारी बचराम केसी को गिरफ्तार किया गया है। उनके बयान को जांच में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वरिष्ठ राजनयिकों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। इतने वर्षों बाद दोबारा शुरू हुई जांच का मुख्य सवाल यही है कि इतने संवेदनशील दस्तावेज आखिर किसके हाथ लगे और उनका इस्तेमाल कहां किया गया। जांच में सामने आए आरोपों के अनुसार कथित सिंडिकेट भारत-नेपाल सीमा से लगे जिलों में सक्रिय था।

ट्रंप के खास एड मार्टिन की जस्टिस डिपार्टमेंट से विदाई, राष्ट्रपति ने दी नई जिम्मेदारी

वाशिंगटन, एजेंसी। एड मार्टिन ट्रंप प्रशासन में कई विवादित भूमिकाएं निभाने के बाद जस्टिस डिपार्टमेंट से विदा हो रहे हैं। ट्रंप के अनुसार, अब मार्टिन 2026 के मिड-टर्म और 2028 के राष्ट्रपति चुनावों से जुड़ी कानूनी लड़ाइयों पर ध्यान देंगे। उनकी विदाई ऐसे समय हुई है जब ट्रंप प्रशासन चुनावी प्रक्रिया, गैर-नागरिकों के मतदान और संघीय सरकार की चुनावों में भूमिका को लेकर सक्रिय है। मार्टिन का ट्रंप के चुनावी आंदोलन और 6 जनवरी की घटनाओं से जुड़ा पुराना संबंध भी उन्हें इस राजनीतिक लड़ाई का महत्वपूर्ण चेहरा बनाता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि मार्टिन जस्टिस डिपार्टमेंट में 'पार्डन अटॉर्नी' यानी राष्ट्रपति की माफी से जुड़े मामलों के वकील का पद छोड़ रहे हैं। अब वह इस साल होने वाले मिड-टर्म चुनाव और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव से जुड़ी 'कानूनी लड़ाइयों' पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ट्रंप ने लिखा, मुझे पता है कि वह बहुत अच्छा काम करेंगे। वह यह

सुनिश्चित करेंगे कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और ईमानदार हों तथा हमारे संवैधानिक अधिकारों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। डीसी के अमेरिकी अटॉर्नी पद के लिए नामित किए जाने से पहले मार्टिन ट्रंप के स्टॉप द स्टील आंदोलन के नेताओं में शामिल थे। उन्होंने 6 जनवरी, 2021 को कैपिटल पर हुए हमले से ठीक पहले वॉशिंगटन में आयोजित एक रैली को संबोधित किया था। बाद में वह ऐसी गैर-लाभकारी संस्था के बोर्ड में भी शामिल हुए, जिसने कैपिटल दंगे के आरोपियों और उनके परिवारों की मदद के लिए धन जुटाया था।

ट्रंप की घोषणा आगामी मिड-टर्म चुनावों में मतदान से जुड़े मुद्दों पर राष्ट्रपति के बढ़ते फोकस का एक और संकेत है। इन चुनावों से यह तय होगा कि ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा और सीनेट पर किस दल का नियंत्रण रहेगा। ट्रंप प्रशासन गैर-नागरिकों के मतदान के मुद्दे पर भी खासा जोर दे रहा है। विशेषज्ञों और उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक गैर-नागरिकों का मतदान बेहद दुर्लभ है, लेकिन ट्रंप लगातार इसे चुनावी धोखाधड़ी का एक बड़ा स्रोत बताते रहे हैं। उनका जस्टिस डिपार्टमेंट गैर-नागरिक मतदाताओं का पता लगाने के लिए राज्यों से मतदाता सूची से जुड़ा विस्तृत डेटा हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

डीसी के अमेरिकी अटॉर्नी के तौर पर विवादों में रहे

पिछले साल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के लिए अंतरिम अमेरिकी अटॉर्नी नियुक्त किए जाने के बाद से ही मार्टिन ट्रंप प्रशासन में विवादों के केंद्र में रहे। इस पद पर रहते हुए उन्होंने ट्रंप की ओर से 6 जनवरी की घटनाओं से जुड़े आरोपियों को बड़े पैमाने पर माफी दिए जाने के बाद उन मामलों को समाप्त करने की प्रक्रिया की निगरानी की थी। बाद में ट्रंप ने इस पद के लिए मार्टिन का नामांकन वापस ले लिया। दोनों दलों के नेताओं ने उनकी नियुक्ति को लेकर चिंता जताई थी। इनमें यह सवाल भी शामिल था कि मार्टिन के पास अभियोजक के रूप में पर्याप्त अनुभव नहीं था और उन्होंने कैपिटल पर हिंसक हमला करने वाले दंगाइयों का समर्थन किया था। इसके बाद मार्टिन जस्टिस डिपार्टमेंट के मुख्यालय में 'पार्डन अटॉर्नी' बने और एक ऐसे समूह के निदेशक की जिम्मेदारी भी संभाली, जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के उन कदमों की जांच करना था, जिन्हें रिपब्लिकन नेता रूढ़िवादी लोगों को गलत तरीके से निशाना बनाने वाला बताते थे। तत्कालीन अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने उन्हें डेमोक्रेटिक सीनेटर एडम शिफ और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स के खिलाफ मॉर्गेज फ्रॉड यानी गृह ऋण से जुड़ी कथित धोखाधड़ी की जांच में मदद के लिए विशेष वकील भी नियुक्त किया था। अपने कार्यकाल के दौरान मार्टिन कई बार सुर्खियों में रहे। लेटिशिया जेम्स के खिलाफ मॉर्गेज फ्रॉड की जांच के दौरान उन्होंने जेम्स को एक पत्र भेजकर उनसे अच्छी नीयत दिखाते हुए अपने पद से इस्तीफा देने को कहा था। उन्होंने ब्रूकलिन स्थित जेम्स के घर के बाहर तस्वीरें भी खिंचवाई थीं, जिसके बाद उनके तौर-तरीकों को लेकर सवाल उठे थे। बाद में जेम्स के खिलाफ जस्टिस डिपार्टमेंट का मामला खत्म कर दिया गया। एक जज ने पाया कि मामले में आरोप लगाने वाले दूसरे अभियोजक की नियुक्ति कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप नहीं हुई थी। बाद में जस्टिस डिपार्टमेंट के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मतभेदों के चलते मार्टिन को किनारे कर दिया गया। उन्हें 'वेपनाइजेशन वर्किंग ग्रुप' के प्रमुख पद से हटा दिया गया, हालांकि 'पार्डन अटॉर्नी' की भूमिका उनके पास बनी रही। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने मार्टिन को देशभक्त, जो इस देश से प्यार करता ह बताया। मार्टिन ने शुक्रवार को भेजे गए संदेश का तुरंत जवाब नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर ट्रंप की घोषणा को रीपोस्ट करते हुए लिखा, सेवा करने पर गर्व है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,